वाराणसी
शुक्रवार 10 अक्टूबर से गुरुवार 16 अक्टूबर 2025
वर्ष : 1 अंक : 8
मूल्य : 4.00 रुपए
पृष्ठ : 12
PRGI No. UPHIN/25/A2219
info@ujalasanchar.com

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

मौसम
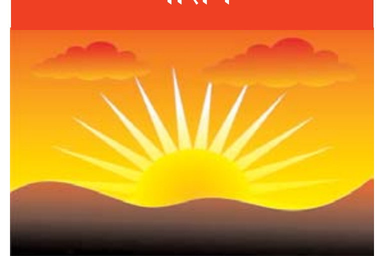
सूर्योदय : 6.53
सूर्यास्त : 5.12

वाराणसी से प्रकाशित तथा लखनऊ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, भदोही, देवरिया सहित यूपी, बिहार, दिल्ली से प्रसारित

यूपी एमएलसी चुनाव के लिए सपा ने 5 प्रत्याशी उतारे

लखनऊ में एलपीएस की मालिकन को टिकट; पीडीए पाठशाला वाले मान सिंह रिपीट हुए

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने गुरुवार को शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव के लिए 5 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। इनमें शिक्षक MLC के लिए वाराणसी-मिजार्पुर खंड और गोरखपुर-फैजाबाद खंड शामिल हैं। वहीं इलाहाबाद-झांसी खंड, वाराणसी-मिजार्पुर खंड और लखनऊ खंड में स्नातक MLC चुनाव होंगे।

लाल बिहारी यादव को वाराणसी-मिजार्पुर खंड से टिकट मिला है। कमलेश को गोरखपुर-फैजाबाद खंड में उतारा गया है। इलाहाबाद-झांसी सीट पर डॉक्टर मान सिंह को टिकट मिला है। मान सिंह ने PDA पाठशाला लगाई थी। वाराणसी-मिजार्पुर खंड में आशुतोष सिन्हा और लखनऊ खंड में कांति सिंह का नाम फाइनल हुआ है।

लाल बिहारी यादव, डॉ. मान सिंह और आशुतोष सिन्हा वर्तमान में एमएलसी हैं। सपा ने तीनों को रिपीट किया है। वहीं, कांति सिंह को पिछले चुनाव में भी सपा ने उतारा था। लेकिन चुनाव में उन्हें हार मिली थी। कांति सिंह

राजधानी में लखनऊ पब्लिक स्कूल के मालिक और प्रतापगढ़ से सपा सांसद एसपी सिंह की पत्नी हैं। चुनाव अगले साल फरवरी में संभावित है। इसके लिए वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण 30 सितंबर से शुरू हो चुका है।

लाल बिहारी यादव को अखिलेश ने लोकसभा चुनाव बाद विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बनाया था। लाल बिहारी शिक्षकों से जुड़े मुद्दे पर लंबे समय से संघर्ष करते रहे हैं। लाल बिहारी ने 2020 में सपा से वाराणसी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी और विधान परिषद सदस्य बने थे। वित्त विहीन शिक्षकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए लालबिहारी ने 2004 में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (वित्त विहीन गुट) का गठन किया था। लाल बिहारी यादव का जन्म 1 जुलाई, 1960 को यूपी के आजमगढ़ जिले के विशुनपुर गांव में हुआ था। परिवार की स्थिति लाल बिहारी यादव के जन्म के दौरान बहुत अच्छी नहीं थी। इसके चलते उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। लाल बिहारी यादव ने एमए, बीएड और एलएलबी की पढ़ाई की है। वो मौजूदा वक्त में राधा कृष्ण इन्टर कॉलेज खरिहानी आजमगढ़ में प्रिंसिपल भी हैं।

सपा ने आशुतोष सिन्हा को वाराणसी से फिर स्नातक MLC पद का प्रत्याशी बनाया है। वे लॉ में ग्रेजुएट हैं। इससे पहले 2006 में समाजवादी छात्रसभा के पैनल से हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय वाराणसी के छात्रसंघ चुनाव में उपाध्यक्ष बने। फिर समाजवादी छात्रसभा के राष्ट्रीय सचिव रह चुके हैं। छात्रसभा में पदाधिकारी रहते हुए इन्होंने कई बड़े जन आंदोलन भी किए। लोकसभा चुनाव-2014 के पहले दिल्ली से लखनऊ तक चल रही समाजवादी साइकिल यात्रा में हिस्सा लिया।

गोरखपुर फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के प्रत्याशी बनाए गए कमलेश यादव (53) भोलाराम मस्करा इंटर कॉलेज, सहजनवा में सहायक अध्यापक हैं। वह शिक्षक राजनीति में 10 साल से सक्रिय हैं। वह वित्त विहीन शिक्षक संघ के प्रदेश सचिव भी हैं। मूलरूप से जिले के महदेवा बाजार के छतियारी गांव के रहने वाले हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी तंत्र लगभग समाप्त हो गया है : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों को क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने की पूरी स्वतंत्रता है। गृह मंत्री ने कहा कि सर्दियों में आतंकवादी बर्फबारी का फायदा उठाकर घुसपैठ नहीं कर सके, इसके लिए सुरक्षाबल को हर तरह से तैयार रहना होगा। बैठक में जम्मू और कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो, थल सेनाध्यक्ष, जम्मू और कश्मीर के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक तथा भारत सरकार, सेना और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद-मुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के ठोस प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में देश के दुश्मनों द्वारा पोषित आतंकवादी तंत्र लगभग समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों को क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने की पूरी स्वतंत्रता है। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की।

अयोध्या में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिवार संग उतारी प्रभु श्रीरामलला की आरती

अयोध्या। भारत की सांस्कृतिक राजधानी कही जाने वाली प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में गुरुवार का दिन अत्यंत पावन रहा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने परिवार संग प्रभु श्रीरामलला की आरती उतारी और श्रीराम दरबार व जगज्जननी मां दुर्गा के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने कुबेर टीला स्थित देवाधिदेव महादेव का रुद्राभिषेक भी किया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने वित्त मंत्री को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया और निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। निर्मला सीतारमण ने मंदिर के भव्य स्वरूप को देखकर आस्था और गर्व की भावना व्यक्त की। आरती के दौरान श्रीरामलला का दरबार भक्ति रस से सराबोर हो उठा। सरयू तट से आती मंद बयार और मंदिर प्रांगण में गूंजते भजनों ने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया। वित्त मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन के बाद आरती में शामिल श्रद्धालुओं के साथ जय श्रीराम का उद्घोष किया। अयोध्या अब केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारत की आस्था, संस्कृति और सभ्यता का जीवंत प्रतीक बन चुकी है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। यहां आने वाले हर श्रद्धालु को रामायणकालीन इतिहास और आधुनिक भव्यता का संगम देखने को मिलता है।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से वित्त मंत्री का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से राहत

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तात्कालिक तौर पर कानूनी राहत मिली है। झारखंड हाईकोर्ट ने चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट की ओर से उनके खिलाफ संज्ञान लेने और समन जारी करने के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की पीठ ने गुरुवार को यह आदेश पारित करते हुए मामले को पुनर्विचार के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया। पीठ ने कहा कि सीनियर मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लेने का आदेश सत्र न्यायालय के आदेश से प्रभावित होकर पारित किया था। मामला वर्ष 2018 के कांग्रेस अधिवेशन में राहुल गांधी के उस बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को हत्यारा कहकर संबोधित किया था। इस बयान के बाद चाईबासा निवासी भाजपा नेता प्रताप कटियार ने राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि राहुल गांधी ने कहा था, कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता।

यूपी वालों को अब पहचान का संकट नहीं: सीएम योगी

नाम सुन सामने वाले का चेहरा चमक उठता है; 2017 के पहले बाहर कर दिया जाता था

झांसी। झांसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी को देश के विकास का ग्रोथ इंजन बताया है। सीएम योगी ने कहा- आज यूपी का नागरिक देश में कहीं भी जाए, उसके सामने पहचान का संकट नहीं है।

आप बाहर किसी को यूपी का बताएंगे तो सामने वाले के चेहरे पर चमक होगी। वो सम्मान की नजर से आपको देखेगा। सामने वाले को पता है कि यूपी गुलामी की मानसिकता से नहीं जीता है। उन्होंने कहा कि अपने महापुरुषों को सम्मान देता है। विरासत को सम्मान देता है। विकास पर काम करता है। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी, भानी देवी गोयल स्कूल में आयोजित 36वां क्षेत्रीय खेलकूद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सीएम योगी ने विद्या भारती संस्थान की सराहना करते हुए कहा- विद्या भारती एक ऐसा संस्थान है, जिसने बिना किसी सरकारी सहयोग के देश भर में भारतीय संस्कारों के तहत शिक्षा को बढ़ावा दिया। आज इसके बैनर तले 25 हजार संस्थान जुड़े हैं। योगी ने करीब 30 मिनट कार्यक्रम को संबोधित किया।

अब सीएम योगी 20 करोड़ रुपए की लागत से कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद कन्वेंशन सेंटर में ही जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्य और अपराध समीक्षा बैठक करेंगे।

मायावती बोलीं- सपा दोगली पार्टी, योगी की तारीफ की

आजम खान की जॉइनिंग की अटकलों पर कहा- मैं किसी से छिपकर नहीं मिलती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 9 साल बाद लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन किया। वह पुराने तेवर में नजर आईं। भतीजे आकाश के साथ मंच पर पहुंचीं और हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया। उन्होंने मंच से सीएम योगी की तारीफ की और सपा को दोगला बताया। इस पर अखिलेश यादव पलटवार किया। पर लिखा- क्योंकि उनकी अंदरूनी साठ-गांठ जारी है, इसीलिए वो जुल्म करने वालों की आभारी हैं।

मायावती ने आजम खान के बसपा में शामिल होने की अटकलों पर भी पहली बार जवाब दिया। कहा- मैं ऐसे किसी से छिपकर नहीं मिलती, जब भी मिलती हूं, खुले में मिलती हूं। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पर बिना नाम लिए निशाना साधा। कहा- ऐसे बिकाऊ लोगों से सावधान रहने की जरूरत है।

1 घंटे के संबोधन में मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को तवज्जो दी। उन्होंने संकेतों में यह साफ कर दिया कि वही उनके उत्तराधिकारी होंगे। साथ ही बसपा के 5 सीनियर नेताओं के बेटों का नाम लेकर उनकी तारीफ की। आखिरी बार मायावती ने इतनी बड़ी रैली अक्टूबर- 2016 में की थी।

सपा सबसे अधिक निशाने पर: मायावती अपने संबोधन के दौरान अखिलेश यादव और सपा पर सीधे हमलावर नजर आईं। कहा- सपा को जब सत्ता में रहने का मौका मिलता है, तब इन्हें न तो पीडीए याद आता है, न ही बहुजन समाज के हितों की चिंता होती है। लेकिन जैसे ही कुर्सी हाथ से जाती है, ये खुद को सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा ठेकेदार बताने लगते हैं। जनता अब इनके ऐसे दोगले और स्वार्थी रवैये को अच्छी तरह समझ चुकी है।

योगी सरकार की तारीफ: मैं वर्तमान सरकार की आभारी हूं। कांशीराम पार्क और अंबेडकर पार्क में आने वाले लोगों से मिले टिकटों का पैसा सपा सरकार की तरह दबाकर नहीं रखा। मेरे आग्रह पर पार्क की मरम्मत पर पूरा खर्च किया गया। जबकि सपा सरकार ने पार्क के रखरखाव की बजाय दूसरे मदों पर पैसा खर्च कर दिया था।

चंद्रशेखर पर निशाना: हमें कमजोर करने के लिए षड्यंत्र रचा जा रहा है। स्वार्थी और बिकाऊ किस्म के लोगों का इस्तेमाल करके कई संगठन बनवा दिए गए हैं। अब तो ये अंदर ही अंदर अपने वोट ट्रांसफर करवा कर इनके एक-दो उम्मीदवारों को जिता भी रहे हैं, जिससे दलित वोट बांटे जा सकें।

भतीजे की तारीफ: मायावती ने कहा- आकाश आनंद एक बार फिर पार्टी के मूवमेंट से जुड़ चुके हैं, यह शुभ संकेत है। वह मेरे दिशानिर्देश में काम करेंगे। जिस प्रकार कांशीराम जी ने मुझे आगे बढ़ाया, उसी तरह मैंने आकाश आनंद को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुझे विश्वास है और आप सभी से अपील है कि आप लोग मेरी तरह आकाश का भी हर हाल में साथ देंगे। उन्होंने सतीश चंद्र मिश्रा और उनके बेटे कपिल मिश्रा की भी तारीफ की। इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और जमील अख्तर की भी सराहना की।

खुद के ज्यादा सक्रिय होने का वादा: कांशीराम स्मारक में उमड़ी भीड़ से उत्साहित मायावती ने कहा- अब मैं आप लोगों के बीच ज्यादा से ज्यादा समय दूंगी।

मतदाता सूची से हटे 3.7 लाख बिहारियों को एससी का सहारा

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद बिहार की अंतिम मतदाता सूची से जिन लोगों के नाम बाहर कर दिए गए हैं, उन सभी को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की जाए। न्यायालय ने कहा कि 3.7 लाख प्रभावित व्यक्तियों में से प्रत्येक को कानूनी सलाहकार और अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों तक पहुँच प्रदान की जानी चाहिए ताकि वे अपने बहिष्कार के खिलाफ अपील दायर करने में मदद कर सकें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ बिहार में एसआईआर जारी करने के चुनाव आयोग के 24 जून के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि संशोधन प्रक्रिया के तहत बिना किसी पर्याप्त सुरक्षा उपाय के मतदाता सूची से मनमाने ढंग से नाम हटाए जा रहे हैं, जिससे लाखों नागरिकों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव प्रभावित हो रहे हैं। हालाँकि, चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया का बचाव करते हुए कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले केवल पात्र नागरिकों के नाम ही शामिल किए जाने को सुनिश्चित करने के लिए उसे इस तरह का संशोधन करने का कानूनी अधिकार है।

कीर स्टार्मर संग पीएम मोदी ने की बैठक : भारत-ब्रिटेन के बीच शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में हुए समझौते

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई में ब्रिटेन के अपने समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की यह पहली भारत यात्रा है। इस मुलाकात के दौरान भारत और ब्रिटेन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौते हुए। टेक्नोलॉजी और इनोवेशन सेक्टर में चार प्रमुख समझौते हुए हैं, जिनमें भारत-यूके कनेक्टिविटी और इनोवेशन सेंटर की स्थापना, एआई के लिए भारत-यूके के ज्वाइंट सेंटर की स्थापना, यूके-भारत क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी के फेज-टू की शुरूआत और आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में एक नया सैटेलाइट कैंपस स्थापित करना शामिल है। इसके साथ ही, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए

क्रिटिकल मिनरल्स इंडस्ट्री गिल्ड की स्थापना के लिए भी समझौता हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण समझौतों पर सहमति हुई, जिनमें लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी का बेंगलुरु में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट का हस्तांतरण और यूनिवर्सिटी ऑफ सरी का गुजरात की जीआईएफटी सिटी में कैंपस खोलने के लिए मंजूरी शामिल है। ट्रेड और इन्वेस्टमेंट के क्षेत्र में तीन समझौते हुए, जिनमें पुनर्गठित भारत-यूके सीईओ फोरम की उद्घाटन बैठक, भारत-यूके संयुक्त आर्थिक व्यापार समिति (जेईटीसीओ) का पुनर्गठन, जो सीईटीए के कार्यान्वयन में सहायता करेगा और दोनों देशों में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा।

क्लाइमेट टेक्नोलॉजी स्टार्टअप फंड में एक ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट, जो जलवायु प्रौद्योगिकी और एआई जैसे क्षेत्रों में इनोवेटिव एंटरप्रेन्योर्स को समर्थन देने के लिए ब्रिटेन सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के बीच समझौता ज्ञापन के तहत एक रणनीतिक पहल है।

इसके अलावा, क्लाइमेट, हेल्थ और रिसर्च सेक्टर में भी तीन महत्वपूर्ण पहलें हुईं।

बरेली में एक लाख रुपए का इनामी बदमाश एनकाउंटर में ढेर, सिपाही घायल

बरेली । उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में गुरुवार तड़के पुलिस ने एक लाख रुपए के इनामी कुख्यात अपराधी इफ्तेखार को एनकाउंटर में मार गिराया। मुठभेड़ के दौरान एक सिपाही को गोली लगी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इफ्तेखार नैनीताल रोड पर बिलवा पुल के पास मौजूद है। विशेष अभियान दस्ता (एसओजी) और स्थानीय थानों की संयुक्त टीम ने उसे घेर लिया। बदमाश ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में हुई गोलीबारी में उसे गोली लगी। घायल अवस्था में उसे बरेली के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि 2024 में बिथरी थाना क्षेत्र में हुई एक डकैती की घटना में इफ्तेखार मुख्य आरोपी था, जिस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। उसके खिलाफ हत्या, डकैती समेत सात जिलों में कुल 19 मुकदमे दर्ज हैं।

संक्षिप्त समाचार

फरार बंदी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाराणसी। पांडेपुर स्थित मानसिक चिकित्सालय से इलाज के दौरान चार दिन पहले चंदर उर्फ.चंद्र ,फरार बंदी को पुलिस टीम ने पांडेपुर फ्लाईओवर से गिरफ्तार कर लिया। बंदी स्टाफ को चकमा देकर फरार हो गया था। पुलिस उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

छात्रों व बाउंसर में हुई जमकर मारपीट

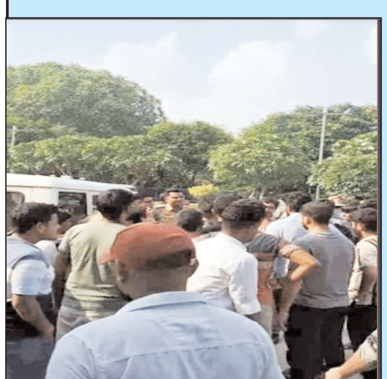

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय ट्रामा सेंटर में वहां तैनात बाउंसर और छात्रों में जमकर मारपीट हो गई। दरअसल कुछ छात्र ट्रामा सेंटर में इलाज करने के लिए गए हुए थे तभी वहां तैनात बाउंसरों ने उन्हें रोक दिया जिस पर छात्रों ने आपत्ति जताई। और कहां सुनी होने लगी और देखते देखते ही मारपीट में बदल गई। सूचना मिलते ही लंका थाने के पुलिस मौके पर पहुंची। घायल छात्र को इलाज के लिए भर्ती कराया। बताया जा रहा है उसके सिर और कंधे में चोट लगी है। छात्रों ने आरोप लगाया जब भी वह ट्रामा सेंटर इलाज के लिए आते हैं उनके साथ यही व्यवहार किया जाता है। पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। छात्रों ने पुलिस से इस विषय में कार्रवाई की मांग की है।

आरपीएफ की ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते

संजय शर्मा, ब्यूरो चंदौली, चन्दौली/डीडीयू नगर। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डीडीयू की उप निरीक्षक सरिता गुर्जर ,सहायक उप निरीक्षक शरद चंद्र यादव साथ चाइल्ड लाइन डीडीयू की रंजना कुमारी द्वारा डीडीयू जंक्शन पर गस्त चेकिंग किया जा रहा था, इसी दौरान समय लगभग रात में डीडीयू जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 06 पर दो नाबालिक लड़को को भटकते हुए पाया। जिनसे पूछने पर अपना नाम व पता (1) नीतीश कुमार, उम्र लगभग 10 वर्ष, पिता बिहारी राम , निवासी जिला गाजीपुर,उत्तरप्रदेश (2) अनुज कुमार उम्र लगभग 08 वर्ष पुत्र जितेंद्र शर्मा,निवासी जिला गाजीपुर,उत्तर प्रदेश बताया। बाद उक्त दोनों नाबालिक लड़कों को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डीडीयू पर लाया गया व चाइल्ड लाइन स्टाफ के साथ काउंसलिंग किया गया। काउंसलिंग के दौरान बच्चों ने बताया कि घर पर बिना बताए भटककर चले आए हैं।इसकी सूचना उक्त दोनों नाबालिक लड़कों के परिजनों को दिया गया। उक्त नाबालिक लड़कों को अग्रिम कार्यवाही हेतु चाइल्ड लाइन डीडीयू के ऑन ड्यूटी स्टाफ को परिजनों तक पहुचाने हेतु सुरक्षित सुपुर्द किया गया।

परिचालनिक सुगमता हेतु विभिन्न ट्रेनों का हुआ मार्ग परिवर्तन

वाराणसी। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु वाराणसी मंडल के बलिया स्टेशन पर गर्डर लॉचिंग के परिप्रेक्ष्य में यातायात एवं पावर ब्लॉक लिए जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन, एवं पुनर्निर्धारण निम्नवत किया जायेगा। मार्ग परिवर्तन- आनन्द विहार टर्मिनस से 09, 11, 12 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 04090 आनन्द विहार टर्मिनस-पटना विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग औंड़िहार-मऊ-भटनी-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी। छपरा से 09 एवं 10 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 15111 छपरा-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग छपरा- सीवान-भटनी-मऊ के रास्ते चलाई जायेगी। -पाटलिपुत्र से 09 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 04095 पटलिपुत्र-आनन्द विहार टर्मिनस विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग छपरा-सीवान-भटनी-औंड़िहार के रास्ते चलाई जायेगी। -फरूर्खाबाद से 09, 11, 12 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 15084 फरूर्खाबाद-छपरा विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग मऊ-इंदारा-भटनी-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी।

वाराणसी मंडल पर रेलवे पेंशनर्स के लिए डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण का आयोजन

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन के निर्देशन में भारतेन्दु सभागार कक्ष में आज दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल द्वारा पेंशनर्स के कल्याणार्थ पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर एसोसिएशन के सौजन्य से डिजिटल प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री राजेश कुमार ,वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अभिनव कुमार सिंह,सहायक वित्त प्रबन्धक श्री अरविन्द पांडेय,भूतपूर्व मंडल वित्त प्रबंधक श्री के.एन.चौबे तथा पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव सहित पूर्वोत्तर एवं वाराणसी मंडल रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री राजेश कुमार द्वारा सेवानिवृत्ति कर्मचारियों एवं पेंशनरों को डिजिटल लाइफ

सर्टिफिकेट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।उन्होंने बताया की यह एक इलेक्ट्रॉनिक प्रमाण पत्र है जो पेंशन प्रदाता को यह बताता है कि पेंशनर जीवित हैं। इसे सरकार ने के माध्यम से लागू किया है।इलेक्ट्रॉनिक प्रमाण पत्र एक बार बन जाने के बाद यह सीधे पेंशन वितरण एजेंसी तक पहुँच जाता है। पेंशनर्स को हर वर्ष जीवन प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य है। पहले हर वर्ष पेंशनर्स को बैंक या कार्यालय जाकर जीवन प्रमाण पत्र जमा करना पड़ता था किन्तु अब सरकार द्वारा इस प्रक्रिया को, डिजिटल रूप से जमा करने का विकल्प उपलब्ध कराकर काफी सुगम बना दिया गया है। यह 100% सुरक्षित प्रक्रिया है, जिसे घर पर बैठे ही मोवाइल,कंप्यूटर एवं इंटरनेट के माध्यम से पेंशनर द्वारा स्वयं ही किया जा सकता है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अभिनव कुमार सिंह ने पेंशन पेमेंट ऑर्डर के लिए आधार नंबर के वेरिफिकेशन करने,पेंशन पेमेंट ऑर्डर नंबर को अपने मोबाइल नंबर (आधार से लिंक) करने तथा फिंगरप्रिंट स्कैनर का उपयोग कर अपना पेंशन खाता सुरक्षित रखने का उपाय बताया गया ।उन्होंने कहा की पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर एसोसिएशन द्वारा सेवानिवृत्ति के बाद भी पेंशन भोगी कर्मचारियों को हमसे जोड़े रखने की यह अच्छी पहल है।

देव दूत बने आरपीएफ यात्री की बचाई जान

चन्दौली/डीडीयू नगर। आज रात्रि में गाड़ी संख्या 12319 अप जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर समय 22/15 बजे आई व समय 22/40 बजे गंतव्य को प्रस्थान की। इसी क्रम में कोच के कुछ यात्रियों द्वारा आवाज देकर बताया गया कि एक व्यक्ति को हार्ट अटैक आया है।इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डीडीयू के सहायक उप निरीक्षक शाहिद खान साथ स्टाफ द्वारा अटेंड करने पर उक्त गाड़ी के कोच संख्या इ 3 से प्रेशर निकल रहा था और यात्रियों की भीड़ लगी हुई थी। जिनके द्वारा बताया गया कि एक यात्री को हार्ट अटैक आया है।आरपीएफ डीडीयू की टीम द्वारा प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत कासूचित किया गया। जिस पर तुरंत कार्यवाही करते हुए अविलंब रेलवे डॉक्टर जो दूसरे मरीज को देखने स्टेशन आए हुए थे उनको सूचित कर उनको तुरंत मौके पर लाकर पीड़ित यात्री को अटेंड कराया गया।पीड़ित यात्री जयंत कुमार दास,उम्र लगभग 67 वर्ष,निवासी 6/1, के एम घोष रोड कोलकाता को मंडल रेल अस्पताल के डॉक्टर अभिषेक

साथ स्टाफ द्वारा पीड़ित यात्री को चेक कर अस्पताल में भर्ती करवाने बाबत बताया गया।जिसके बाद उक्त पीड़ित यात्री को ट्रेन से उतारकर मंडल रेल अस्पताल एम्बुलेंस क माध्यम से आरपीएफ द्वारा ले जाकर आईसीयू में एडमिट किया गया एवं आरपीएफ टीम द्वारा उक्त यात्री के बेटे साकेत दास,को सूचना दी गई है।

बिजली निजीकरण के विरोध में 315वें दिन भी धरना जारी

वाराणासी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले बिजली के निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के आज लगातार 315वें दिन भी बनारस के बिजली कर्मियों ने प्रदेश के समस्त जनपदों की भांति ही व्यापक विरोध प्रदर्शन सिगरा स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर किया।

वक्ताओ ने निजीकरण की प्रक्रिया तेज होते देख विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार को आज एक पत्र भेजकर मांग की है कि वह पॉवर कारपोरेशन द्वारा दिये गए आरएफपी डॉक्यूमेंट पर विद्युत नियामक आयोग द्वारा लगाई गई आपत्तियों पर पावर कॉरपोरेशन का जवाब सुनने के पहले विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश को अपना पक्ष रखने के लिए समय दें।

संघर्ष समिति ने पत्र में चेतावनी दी है कि यदि विद्युत नियामक आयोग से

बार-बार अनुरोध करने के बावजूद भी संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल को समय न दिया तो विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र के आह्वान पर सैकड़ों बिजली कर्मी विद्युत नियामक आयोग के मुख्यालय पर मौन प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी नियामक आयोग के अध्यक्ष की होगी।

पत्र में कहा गया है कि समाचार पत्रों के माध्यम से यह विदित हुआ है कि विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष ने माननीय ऊर्जा मंत्री, प्रमुख सचिव ऊर्जा और पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष से पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम केआरएफपी डॉक्यूमेंट पर नियामक आयोग द्वारा लगाई गई आपत्तियों के संबंध में अलग से चर्चा की है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सफाई मित्रों का सम्मान

नारी सशक्तिकरण और सेवा भावना का मिला संदेश

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सोनभद्र। नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सभाकक्ष में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सफाई मित्रों को अंगवस्त्र, माला और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मिशन शक्ति 5.0 के तहत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के संदेश को केंद्र में रखकर आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने

के साथ हुई। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद ने उपस्थित सफाई मित्रों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग को सम्मान मिलना चाहिए, विशेष रूप से वे लोग जो स्वच्छता और जनसेवा के कार्यों से शहर को सुंदर बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि सफाई मित्र हमारे नगर के सच्चे कर्मयोगी हैं, जिनकी निष्ठा और परिश्रम से समाज स्वस्थ और स्वच्छ बना रहता है।

महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए श्रीमती प्रसाद ने कहा कि आदि कवि वाल्मीकि ने अपने जीवन से यह सिखाया कि ज्ञान और कर्म से जीवन के हर अंधकार को दूर किया जा सकता है।

महापौर ने पीलीकोठी में स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेन्ट स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन किया शहर को समर्पित

वाराणसी। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने आज पीलीकोठी क्षेत्र में स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेन्ट स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन की सौगात काशी की जनता को समर्पित किया गया। जिस स्थान पर यह प्लांट का निर्माण किया गया है, इसी स्थान पर बीते दिनों कूड़े का अम्बार लगा रहता था तथा दुर्गन्ध फैली रहती थी। नगर निगम द्वारा इस स्थान पर रु0 5.48 करोड़ की कुल लागत से स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन, धनेसरा तालाब का सौन्दर्यीकरण, वाहन पार्किंग इत्यादि का कार्य कराया जा रहा है। स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन हेतु आईसीआईसीआई बैंक एवं आईसीआईसीआई फाउन्डेशन द्वारा सीएसआर के अन्तर्गत इस कार्य में रु0 1.28 करोड़ की धनराशि से 2 कैप्सुल, 2 काम्पैक्टर, 1 स्टेटिक मशीन तथा 1 हुक लोडर प्रदान किया गया है। इस स्मार्ट ट्रान्सफर

स्टेशन के बन जाने से आदमपुर जोन, कोतवाली जोन सहित अन्य क्षेत्रों से निकलने वाले कूड़े को सीधे आधुनिक मशीनों के माध्यम से सीधे प्लांट तक ले जाया जायेगा, जिससे उस स्थान पर कूड़े का बिखराव नही होगा।60 टन क्षमता के इस ट्रान्सफर स्टेशन में घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कूड़े को कैप्सुल में काम्पैक्ट कर हुक लोडर के माध्यम से करसड़ा, रमना स्थित प्लांट पर निस्तारण के लिये भेज दिया जायेगा, जिससे कहीं भी कूड़ा गिरा नही दिखायी देगा। इस प्रकार का स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन उत्तर प्रदेश के दो शहरों गाजियाबाद एवं गोरखपुर तीसरा स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन वाराणसी में तैयार हो रहा है, इसके पहले शंकुलधारा में निर्णि कराया गया है। मा0 महापौर के द्वारा इस अवसर पर विधिवत पूजा कर तथा फीता काटकर स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन का शुभारम्भ किया गया। आईसीआईसीआई फाउन्डेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर अविनाश सिन्हा के द्वारा हुक लोडर की चाभी मा0 महापौर को सौपी गयी। इस अवसर पर अविनाश सिन्हा के द्वारा बताया गया कि आईसीआईसीआई फाउन्डेशन द्वारा अपने सी0एस0आर0 से कई अन्य सामाजिक कार्यो को किया जा रहा है, कई जनपदों में कार्य किया गया मा0 महापौर के द्वारा इस अवसर पर बोलते हुये कहा कि नगर निगम, वाराणसी सीमा क्षेत्र में कुल 23 बड़े ढलावघर थे, जिसमें से 20 को समाप्त कर स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन बना दिया गया है।

त्यौहारों के मद्देनजर पुलिस कमिश्नरेट एक्शन मोड में

वाराणसी। दीपावली, धनतेरस और छठ जैसे प्रमुख त्यौहारों के मद्देनजर वाराणसी पुलिस कमिश्नर रेट पूरी तरह से एक्शन में है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने स्वयं सड़कों पर उतरकर रियलिटी चेक किया। उन्होंने सिगरा लहुराबीर मैदागिन अर्दली बाजार और लंका जैसे प्रमुख चौराहा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जाम की स्थिति का ज्यादा लिया और मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा त्योहार के दौरान किसी भी कीमत पर शहर की सड़कों पर जाम की स्थिति नहीं बननी चाहिए। साथ ही माल वाहक वाहनों और टूरिस्ट बसों को केवल रात्रि कालीन समय में प्रवेश की अनुमति देने के निर्देश दिए।

मिशन शक्ति सेना के तहत हर घर दुर्गा संकल्प यात्रा – महिला सशक्तिकरण का एक नया अध्याय

चन्दौली/ डीडीयू नगर। सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल्स पड़ाव कैंपस चंदौली में मिशन शक्तिसेना के अंतर्गत हर घर दुर्गा - संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सशक्त बनाना है, ताकि वे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा स्वयं कर सकें। हर घर दुर्गा की संकल्पना इस विचार को साकार करती है कि प्रत्येक घर में एक ऐसी नारी हो जो मानसिक, शारीरिक और आत्मिक रूप से सशक्त हो।

मार्शल आर्ट्स के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण इस अभियान का मुख्य आधार है, जिससे महिलाओं में न केवल आत्मरक्षा के कौशल का विकास होता है बल्कि उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता भी उत्पन्न होती है। आज के समय में महिलाओं की सुरक्षा समाज के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती बन चुकी है, और हर घर दुर्गा इसी चुनौती का समाधान प्रस्तुत करता है। यह अभियान इस सोच को बदलने का प्रयास है कि नारी केवल सहनशीलता की प्रतीक नहीं, बल्कि शक्ति और साहस की मूर्ति भी है।

इस अभियान से समाज को अनेक लाभ प्राप्त होंगे। आत्मरक्षा का ज्ञान एक सुरक्षित और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में सहायक होगा। बालिकाओं में आत्मविश्वास और स्वाभिमान की भावना मजबूत होगी, जिससे वे हर क्षेत्र में सशक्त भूमिका निभा सकेंगी। मार्शल आर्ट्स से मानसिक और शारीरिक मजबूती बढ़ेगी, और नई पीढ़ी भी इससे प्रेरित होकर अनुशासन, आत्मविश्वास और साहस का पाठ सीखेगी। इस प्रकार हर घर दुर्गा एक सामाजिक एकता और सम्मान की भावना को भी प्रोत्साहित करता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आशीष सक्सेना जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव, सिमरनप्रीत कौर, डा जगदीश पिल्लई , अजीत श्रीवास्तव ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यकम का शुभारंभ किया । तथा मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा, आज का युग नारी शक्ति का युग है। जब हर घर में एक दुर्गा होगी, तब समाज सुरक्षित और सम्मानजनक बनेगा। आत्मरक्षा केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का प्रतीक है।

कर्मचारी परिवार संकलन शिविर का हुआ आयोजन

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिनव सिंह के नेतृत्व में वाराणसी मण्डल पर कर्मचारियों के कल्याणार्थ कर्मचारी परिवाद संकलन शिविर आयोजित किया जा रहा है। वाराणसी मंडल पर कार्यरत रेलवे कर्मियों एवं उनके परिवारजनों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा मृतक कर्मचारियों के आश्रितों के मेडिकल कार्ड, उम्मीद कार्ड, भारतीय स्टेट बैंक के दुर्घटना बीमा के साथ सैलरी पैकज की जानकारी देने, न्यू पेंशन स्कीम से यूनिफाईड पेशन स्कीम का तुलनात्मक विवरण देने, एच.आर.एम.एस माडयूल पर सर्विस रिक्वेस्ट एवं परिवाद निस्तारण हेतु कार्मिक विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिक निरीक्षकों के तत्वाधान में 03 अक्टूबर 2025 से 26 नवम्बर 2025 तक वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं यूनिटों पर परिवाद निस्तारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 09 अक्टूबर,2025 को बनारस रेलवे स्टेशन पर स्टेशन निदेशक कार्यालय में रेल कर्मचारियों के लिए परिवाद संकलन शिविर एनपीएस से यूपीएस जागरुकता शिविर, एसबीआई सैलरी पैकेज जागरूकता शिविर, ऊमीद कार्ड एवं एचआरएमएस संबन्धित परिवाद निस्तारण शिविर का आयोजन कर 200 कर्मचारियों को जागरूक किया गया । इस शिविर में भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधि श्री कृष्ण मोहन पांडेय, राजीव कुमार, आनंद स्वरुप श्रीवास्तव ने रेल मंत्रालय से वर्तमान में हुए अनुबंध (टडव) के अनुसार बढ़े हुए दुर्घटना बीमा

और बढ़े हुए जीवन बीमा धनराशि स्कीम से कर्मचारियों को अवगत कराया ।क्ठक्ठकबैंक की तरफ से राहुल सक्सेना, अतुल श्रीवास्तव, उमेश कुमार ने ठढर से वढर से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। इस जागरूकता शिविर में मुख्य हित निरीक्षक श्री सत्य प्रकाश एवं श्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे कर्मियों , सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा मृतक कर्मचारियों के आश्रितों के मेडिकल कार्ड, उम्मीद कार्ड बनाने, न्यू पेंशन स्कीम से यूनिफाईड पेशन स्कीम का तुलनात्मक विवरण देने, एच.आर.एम.एस माडयूल पर सर्विस रिक्वेस्ट एवं परिवाद निस्तारण करने की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी परिप्रेक्ष्य में रेलवे कर्मचारियों के कल्याणार्थ हेतु दिनांक 13 अक्टूबर,2025 को बनारस क्रू लांबी कार्यालय में जागरूकता शिविर लगाकर परिवाद संकलन शिविर, एनपीएस से यूपीएस जागरुकता शिविर, एसबीआई सैलरी पैकेज जागरूकता शिविर, ऊमीद कार्ड एवं एचआरएमएस संबन्धित परिवाद निस्तारण प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी ।

रेलवे कर्मचारियों से अनुरोध है की आप स्वयं अथवा आपके अधीनस्थ कर्मचारीगण यदि अपनी सेवा सम्बंधित कोई परिवाद देना चाहें तो उक्त तिथि में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं । मंडल के कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों से भी आग्रह है कि उक्त शिविर का कर्मचारियों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक कर्मचारियों को इसका लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित करें।

info@ujalasanchar.com ujalasanchar

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

बीएलडब्लू मार्केट में उच्चकों ने मोबाइल छीना

क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश व्याप्त

वाराणसी। आरटीआई कार्यकर्ता राकेश बिन्द की भतीजी अंजलि कुमारी जलाली पट्टी एकता नगर निवासी सोमवार को रात्रि 8.20 पर सब्जी खरीदने आई, अपनी स्कूटी को शिमला टेंट हॉउस के नजदीक रोड पर खड़ी करके शब्जी लेकर वापस आई तथा अपना मोबाईल स्कूटी के डिग्गी मे रखने लगी तभी स्कूटी सवार दो लड़के हेलमेट पहनकर आये और हाथ से मोबाईल छीनकर भाग गये, बच्ची ने चोर-चोर चिल्लाया, लेकिन उच्चके भाग गये। नजदीक खड़े लोग पीछा किये, लेकिन उचक्कों का कोई पता नहीं चला। घटना होने के बाद बच्ची अपने भाई के साथ नजदीकी पुलिस चौकी पर जाकर घटना की सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तथा अगलें दिन 11 बजे पुनः सीसीटीवी दिखाने हेतु बीएलडब्लू चौकी बुलाया। अगले दिन कुछ सीसीटीवी दिखाकर इस घटना को सिर्फ गुम होने की सूचना दर्ज किया। जबकि मामला छिनैती का है। कोई संतोषजानक कार्यवाही नहीं होने पर राकेश बिन्द ने माननीय मुख्यमंत्री महोदय को शिकायती पत्र दिया की मोदी जी के क्षेत्र मे भी लोग सुरक्षित नहीं पुलिस चौकी से मात्र 200 मीटर पर लूट, छिनैती की घटना काफी चिंताजनक है। लूट की घटना से लोगो में काफी रोष व्याप्त है।

दो हजार रुपये घूस लेते नगर निगम का सफाई सुपरवाइजर गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने की कार्रवाई

वाराणसी। एंटी करप्शन की टीम ने दो हजार रुपये घूस लेते हुए भेलूपुर चौराहे के पास सतवीरो मंदिर के पास से नगर निगम के सफाई सुपरवाइजर रामचंद्र निवासी खोजवा भेलूपुर को गिरफ्तार कर। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी निरीक्षक मैनेजर सिंह ने बताया कि नगर निगम के रेवड़ी तालाब चौकी पर तैनात आउटसोर्स सफाई कर्मचारी महेंद्र निवासी हडौरा थाना इलिया चंदौली का रहने वाला है। महेंद्र सिंह हाजिरी लगवाने के एवज में रेवड़ी तालाब नगर निगम के चौकी पर तैनात सुपरवाइजर रामचंद्र हर माह दो हजार रुपये हाजिरी लगवाने के नाम पर मांग रहा था। पैसा नहीं देने पर उसका वेतन काटने के साथ ही उसे नौकरी से निकलवाने का धमकी देकर पैसे की मांग कर रहा था। 9000 महीना तनख्वाह पाने वाला महेंद्र ने पैसा देने में असमर्थता जताई और मामले की जानकारी एंटी करप्शन को दी। एंटी करप्शन ने घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर कर जेल भेज दिया।

बीएचयू में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाएं, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

वाराणसी। बीएचयू परिसर में हाल के दिनों में वाहन चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। बीते 5 और 8 अक्टूबर को विश्वविद्यालय परिसर के अलग-अलग स्थानों से दो बाइकों की चोरी हुई, जिससे छात्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आक्रोश है। इन घटनाओं में एक पीएचडी छात्र का वाहन भी चोरी हो गया। छात्र ने बताया कि उसने चोरी की सूचना 112 नंबर पर दी और इसके बाद चीफ प्रॉक्टर कार्यालय में लिखित तहरीर भी दी, लेकिन तीन घंटे बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्र का कहना है कि वह बार-बार प्रॉक्टर ऑफिस के चक्कर लगा रहा है, फिर भी न तो उसकी शिकायत आगे बढ़ाई जा रही है और न ही कोई जिम्मेदार अधिकारी ठोस जवाब दे रहा है। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर में हर जगह सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड तैनात हैं, फिर भी वाहन चोरी की घटनाएं रुक नहीं रहीं। इससे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और वाहन चोरों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

बालिका महोत्सव में लड़कियों ने मांगा बराबरी का हक, निकाली रैली

मिजार्मुराद। सेवापुरी ब्लॉक के करधना (भटपुरवां) गांव में लोक समिति वाराणसी और आशा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को बालिका महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दर्जनों गांवों से सैकड़ों किशोरी लड़कियों ने भाग लिया। लड़कियों ने कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज, यौन उत्पीड़न के खिलाफ जोरदार रैली निकाली। रैली में उन्होंने नारे लगाए जैसे बाल विवाह पर रोक लगाओ, तिलक-दहेज छोड़ो, कन्या भ्रूण हत्या बंद करो, अधिकार चाहिए, जीने का सम्मान चाहिए। बालिका महोत्सव में नाटकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को जुए और शराब के नुकसान के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य अमन सिंह, लोक समिति संयोजक नंदलाल मास्टर और जादूगर रमेश पटेल ने दीप प्रज्वलित कर किया। सेवापुरी ब्लॉक के करधना (भटपुरवां) गांव में लोक समिति वाराणसी और आशा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को बालिका महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दर्जनों गांवों से सैकड़ों किशोरी लड़कियों ने भाग लिया। लोक समिति संयोजक नंदलाल मास्टर ने कहा कि समाज में लड़कियों और महिलाओं की दशा चिंताजनक है, अभी भी कई परिवारों में लड़कों और लड़कियों में भेदभाव होता है। जिला पंचायत सदस्य अमन सिंह ने कहा कि घरों में भी लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं और उन्हें यौन उत्पीड़न और हिंसा के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में नवनीत सिंह, प्रीतम शुक्ला, अनीता, सोनी, राजकुमारी, मनीषा, विमला, रमेश पटेल, आशा, रामबचन, संध्या, नंदनी, रंजना, नीलम, उजाला, लक्ष्मी, खुशी, रीमा, आरती, राधा, संगीता, माया, सपना, वंदना, अनुराधा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

दो घंटे तक तगड़ी सुरक्षा में रहेंगे सीएम, एडीजी, मंडलायुक्क्त और आईजी ने लिया जायजा

भदोही। इंडिया कारपेट एक्सपो-25 के उद्घाटन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अगमन को देखते हुए अफसर अलर्ट मोड में आ गए हैं। गुरुवार को सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए एडीजी पीयूष मूर्डिया, मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी, पुलिस महानिरीक्षक आरपी सिंह ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग स्थल, एक्सपो मार्ट परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने मार्ट में ही डीएम, एसपी सहित सीईपीसी प्रशासनिक सदस्यों के साथ बैठक कर सुरक्षा के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। मंडलायुक्त ने कहा कि हेलिपैड से लेकर एक्सपो मार्ट तक सीएम अभेद्य सुरक्षा में रहेंगे। बैठक के दौरान अधिकारियों की उपस्थित में मुख्यमंत्री के आने से लेकर वापस लौटने तक रोडमैप तैयार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अलावा कैबिनेट मंत्रियों, केंद्र सरकार के प्रतिनिधि भी रहेंगे इसलिए हर अधिकारी को चौकन्ना रहना है तथा प्रत्येक बिंदु पर काम करने की आवश्यकता है। सीईपीसी प्रशासनिक सदस्यों ने अधिकारियों को बताया कि हेलिपैड से एक्सपो मार्ट की दूरी लगभग एक किमी है। हेलिपैड पर उतरने के बाद सीएम का काफिला सड़क मार्ग से एक्सपो मार्ट पहुंचेगा।

मेले का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री मेला परिसर का भ्रमण भी करेंगे। कुछ स्टालों पर ठहर कर वे उत्पादों के बारे में जानकारी भी लेंगे। इसके बाद प्रथम तल स्थित अस्थाई गेस्ट रूम में मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों, सीईपीसी पदाधिकारियों, निर्यातकों संग वार्ता करेंगे। मौजूद सीईपीसी चेयरमैन ने बताया कि वे समस्त व्यवस्था करा रहे हैं। बैठक में डीएम शैलेष कुमार और एसपी अभिमन्यु मांगलिक भी मौजूद रहे।

बीएचयू एमएमवी में छात्रा की अचानक मौत, इलाज में देरी का आरोप

नाराज छात्राएं सड़क पर उतरीं

वाराणसी। बीएचयू में महिला महाविद्यालय की एक छात्रा की कैंपस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इसके विरोध में 100 से ज्यादा छात्राएं सड़क पर उतर आईं। एमएमवी के मेन गेट पर छात्राओं ने नारेबाजी शुरू कर दी है। इस दौरान महाविद्यालय की शिक्षिका और अधिकारियों के साथ जमकर कहासुनी हुई। छात्राओं का आरोप है कि कैंपस में क्लास से ठीक पहले छात्रा की तबियत बिगड़ती है, लेकिन अस्पताल तक ले जाने में देरी की गई। उसे समय से अस्पताल पहुंचाया गया होता तो उसकी जान बच सकती थी।

बताया जा रहा है कि छात्रा को दिल का दौरा पड़ा था। वह बीए दूसरे वर्ष की छात्रा थी। छात्राओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए लंका थाने की पुलिस भी पहुंच गई है। अभी छात्राओं को समझाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन छात्राएं मानने को तैयार नहीं हैं। इस बीच बड़ी संख्या में बीएचयू मेन कैंपस के भी छात्र समर्थन करने पहुंच गए हैं।

राज्यपाल के ओएसडी प्रो. पंकज एल. जानी ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में किया निरीक्षण, कार्यों की प्रगति पर जताई संतुष्टि

वाराणसी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर गुरुवार को उस समय उल्लास और प्रेरणा के वातावरण से भर उठा जब माननीया कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) प्रो. पंकज एल. जानी विश्वविद्यालय पहुंचे। उन्होंने परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों, छात्रावासों और ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता पर संतोष जताया।

निरीक्षण के दौरान ओएसडी प्रो. जानी ने कहा कि देववाणी संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि संस्कृति और संस्कार का वाहक है। यहां की सुगंध संपूर्ण देश में प्रवाहित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का यह परिसर राष्ट्र निर्माण और उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

प्रो. जानी ने विभिन्न छात्रावासों में जाकर वहां की सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता की समीक्षा की। उन्होंने छात्राओं से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। महिला छात्रावास में उपलब्ध बेहतर सुविधाओं को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों को सुरक्षित और आरामदायक वातावरण प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ परिसर और स्वच्छ पेयजल व्यवस्था विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक है। उद्योगपतियों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से परिसर में लगाए गए वॉटर प्यूरिफायर और वॉटर कूलर संयंत्रों की सराहना करते हुए कहा कि इससे छात्रों को शुद्ध जल उपलब्ध हो रहा है और स्वास्थ्यप्रद वातावरण बन रहा है।

निरीक्षण के दौरान प्रो. जानी ने ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र का भी दौरा किया।

उन्होंने कहा कि इस केन्द्र के माध्यम से आज भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी लोग संस्कृत भाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने इसे देववाणी संस्कृत के प्रचार-प्रसार का एक उत्कृष्ट माध्यम बताया।

मिशन शक्ति : चौक पुलिस ने महिलाओं को दी साइबर सुरक्षा और जरूरी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति फेज-05 के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से थाना चौक की महिला सुरक्षा केंद्र टीम द्वारा गुरुवार को वार्ड नंबर 79, बिंदु माधव क्षेत्र में एक चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल में क्षेत्र की महिलाओं को महिला सुरक्षा केंद्र, कानूनी सहायता, हेल्पलाइन नंबरों और साइबर अपराध से बचाव से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी निरीक्षक थाना चौक श्री दिलीप कुमार मिश्रा के निर्देशन में किया गया। चौपाल में मिशन शक्ति टीम के सदस्यगण- उपनिरीक्षक प्रकाश सिंह चौहान, उपनिरीक्षक वैभव शुक्ला, महिला उपनिरीक्षक मानसी वर्मा, आरक्षी चंदन पांडे और भोलू सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

इस अवसर पर वार्ड 79 की पार्षद श्रीमती कनकलता मिश्रा, जनप्रतिनिधि विभूति नारायण मिश्रा, नलिन नयन मिश्रा, तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अंजु यादव भी उपस्थित रहीं। सभी ने महिलाओं को अपने अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े उपायों के बारे में जागरूक किया।

टीम ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों में महिला सुरक्षा केंद्र की स्थापना की गई है, जहां महिलाओं को तुरंत परामर्श, कानूनी सहायता, मानसिक समर्थन और सुरक्षा से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, उत्पीड़न या शोषण की स्थिति में महिलाएं इन केंद्रों से निशुल्क सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

कर्मचारी परिवार संकलन शिविर का हुआ आयोजन

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिनव सिंह के नेतृत्व में वाराणसी मण्डल पर कर्मचारियों के कल्याणार्थ कर्मचारी परिवाद संकलन शिविर आयोजित किया जा रहा है।

वाराणसी मंडल पर कार्यरत रेलवे कर्मियों एवं उनके परिवारजनों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा मृतक कर्मचारियों के आश्रितों के मेडिकल कार्ड, उम्मीद कार्ड, भारतीय स्टेट बैक(रइक) के दुर्घटना बीमा के साथ सैलरी पैकज की जानकारी देने, न्यू पेंशन स्कीम से यूनिफाईड पेशन स्कीम का तुलनात्मक विवरण देने, एच.आर.एम.एस माडयूल पर सर्विस रिक्वेस्ट एवं परिवाद निस्तारण हेतु कार्मिक विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिक निरीक्षकों के तत्वाधान में 03 अक्टूबर 2025 से 26 नवम्बर 2025 तक वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं यूनिटों पर परिवाद निस्तारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 09 अक्टूबर,2025 को बनारस रेलवे स्टेशन पर स्टेशन निदेशक कार्यालय में रेल कर्मचारियों के लिए परिवाद संकलन शिविर एनपीएस से यूपीएस जागरुकता शिविर, एसबीआई सैलरी पैकेज जागरूकता शिविर, ऊमीद कार्ड एवं एचआरएमएस संबन्धित परिवाद निस्तारण शिविर का

आयोजन कर 200 कर्मचारियों को जागरूक किया गया । इस शिविर में भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधि श्री कृष्ण मोहन पांडेय, राजीव कुमार, आनंद स्वरुप श्रीवास्तव ने रेल मंत्रालय से वर्तमान में हुए अनुबंध के अनुसार बढ़े हुए दुर्घटना बीमा और बढ़े हुए जीवन बीमा धनराशि स्कीम से कर्मचारियों को अवगत कराया । ICICI बैंक की तरफ से राहुल सक्सेना, अतुल श्रीवास्तव, उमेश कुमार ने ठढर से वढर से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई । इस जागरूकता शिविर में मुख्य हित निरीक्षक श्री सत्य प्रकाश एवं श्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे कर्मियों , सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा मृतक कर्मचारियों के आश्रितों के मेडिकल कार्ड, उम्मीद कार्ड बनाने, न्यू पेंशन स्कीम से यूनिफाईड पेशन स्कीम का तुलनात्मक विवरण देने, एच.आर.एम.एस माडयूल पर सर्विस रिक्वेस्ट एवं परिवाद निस्तारण करने की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इसी परिप्रेक्ष्य में रेलवे कर्मचारियों के कल्याणार्थ हेतु दिनांक 13 अक्टूबर,2025 को बनारस क्रू लांबी कार्यालय में जागरूकता शिविर लगाकर परिवाद संकलन शिविर, एनपीएस से यूपीएस जागरुकता शिविर, एसबीआई सैलरी पैकेज जागरूकता शिविर, ऊमीद कार्ड एवं एचआरएमएस संबन्धित परिवाद निस्तारण प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी ।

रेलवे कर्मचारियों से अनुरोध है की आप स्वयं अथवा आपके अधीनस्थ कर्मचारीगण यदि अपनी सेवा सम्बंधित कोई परिवाद देना चाहें तो उक्त तिथि में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं । मंडल के कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों से भी आग्रह है कि उक्त शिविर का कर्मचारियों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक कर्मचारियों को इसका लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित करें।

हादसों की सड़क

महेन्द्र सोनकर
संपादक

यह शर्मनाक ही है कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं में अन्य कारणों के अलावा सबसे अधिक भूमिका तकनीकी व गुणवत्ता की खामियों वाली सड़कों की होती है। यह भयावह है कि वर्ष 2023 में देश में हुई पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब पौने दो लाख लोगों की मौत हुई। उस पर सबसे दुखद यह है कि मरने वालों में एक लाख चौदह हजार लोग अट्ठारह से 45 वर्ष के बीच के युवा थे। जो परिवार के कमाने वाले व नई उम्मीद थे। इन हालात को देखते हुए ही केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक इन सड़क दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य रखा है। यह विडंबना ही है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिये सख्त कानून बनाने एवं तकनीक के जरिये चालकों की लापरवाही पर नजर रखने जैसे उपायों के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक सुझाव से सहमत हुआ जा सकता है कि खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। इसके लिये ठेकेदार और इंजीनियर की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में उन्होंने दुःख जताया कि विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों में जब भारत में विश्व की सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले देश के रूप में चर्चा होती है, तो उन्हें शर्म महसूस होती है। आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे क्यों नहीं थम रहे हैं। यह बात तय है कि अगले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं को यदि आधा करना है, तो युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन कारणों को तलाशना होगा, जिनकी वजह से हर साल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। आखिर क्या वजह है कि राजमार्गों के विस्तार और तेज गति के अनुकूल सड़कें बनने के बावजूद हादसे बढ़े हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजमार्गों व विभिन्न तीव्र गति वाली सड़कों में साम्य का अभाव है, वहीं मोड़ों को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु तकनीक में बदलाव की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को उन कारणों की पड़ताल करनी होगी, जो पर्याप्त धन आवंटन के बावजूद सड़कों को दुर्घटनामुक्त बनाने में बाधक हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़कों की निर्माण सामग्री और डिजाइनों की निगरानी के लिये स्वतंत्र व सशक्त तंत्र बनाया जाए, जो बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के काम कर सके। साथ ही मंत्रालय का दायित्व बनता है कि इस बाबत स्पष्ट नीति को सख्ती से लागू किया जाए। यह जानते हुए कि सड़कों के ठेके में मोटे मुनाफे के लिए एक समांतर भ्रष्ट तंत्र देश में विकसित हुआ है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने से परहेज नहीं करता। जिसके खिलाफ उठने वाली ईमानदार आवाजें दबा दी जाती हैं। निस्संदेह, गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाली व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। तब हमें यह सुनने को नहीं मिलेगा कि उद्घाटन के कुछ ही बाद ही सड़क उखड़ गई या बारिश में घुल गई।

विचार

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निमार्ता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा। विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दशार्या जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि विगत में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। भारत की फार्मा कंपनियों के द्वारा तैयार सिरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत का लिंक पाए जाने के बाद भारतीय दवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। निस्संदेह, ऐसे गैर-जिम्मेदार तरीके से तैयार दवाइयों के चलते भारत की ह्यविश्व की फामेर्सीह्न के रूप में हासिल प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचा है। हमारे नियामक तंत्र को और कितने बच्चों के मरने का इंतजार है.. जरूरी है इससे पहले गुणवत्ता नियंत्रण सिर्फ कागज पर नहीं व्यवहार में लागू करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने दवाइयों के गुणवत्ता मानकों को तय करने के लिए सख्त तरीके जीएमपी अनुपालन हेतु समय-समय पर निरीक्षणों के लिये कदम उठाए हैं। लेकिन प्रवर्तन के स्तर पर अभी भी तमाम खामियां बरकरार हैं। विडंबना यह है कि राज्य नियामकों के पास पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। साथ ही अकसर दंड के प्रावधान प्रभावी नहीं होते। यह एक कटु सत्य है कि भारत की फार्मा सफलता की कहानी केवल सस्ती जेनेरिक दवाइयों पर आधारित नहीं रह सकती। हमें इसे विश्वसनीय बनाने की जरूरत है। इसके लिए मजबूत ऑडिट, लापरवाही के लिए आपराधिक जिम्मेदारी तय हो और मामलों में पीड़ितों को तीव्र न्याय मिलना चाहिए।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, किसकी पूरी होगी आस, किसकी टूटेगी उम्मीद

> रही बात नीतीश कुमार की तो इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव है। हालांकि पिछली बार यानी 2020 में जब वे चुनावी चक्रव्यूह में फंसे नजर आ रहे थे तो उन्होंने कुछ सभाओं में पिछले ही चुनाव को आखिरी बता दिया था

हर बार की तरह बिहार विधानसभा का मौजूदा चुनाव उन सभी लोगों के लिए उम्मीदें लेकर आया है, जो खुद चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं.. उनके समर्थकों की भी उनकी कामयाबी से आस लगी है। कार्यकताओं का बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जिसकी सेहत उस दल की जीत या हार पर निर्भर करती है, जिससे उसकी प्रतिबद्धता जुड़ी होती है। लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीद पहली बार खुद चुनावी मैदान में उतरने जा रहे प्रशांत किशोर को है। उम्मीद तो तेजस्वी यादव को भी है। उन्हें लगता है कि इस बार उनके नाम के बाद अतीत में लगे उप विशेषण से मुक्ति मिल जाएगी। उम्मीद उस बीजेपी को भी है, जो अपने सहयोगी की तुलना में संख्या बल में ताकवतर होने के बावजूद छोटे भाई की भूमिका निभाने को मजबूर रही है। आस तेजप्रताप को भी है कि वे लालू-राबड़ी की छाया से दूर होने के बावजूद चुनावी मैदान में कमाल दिखाने में वे सफल रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी ऐसी ही उम्मीदें हैं। उसे भावी सरकार में हिस्सेदारी की आस है। लेकिन अन्य दलों की तुलना में उसकी उम्मीद कुछ अलग भी है। उसे लगता है कि अगर इस चुनाव में तेजस्वी की अगुआई वाले उसके गठबंधन ने मोदी-नीतीश की जोड़ी को पटखनी दे दी तो दिल्ली के ताज तक की उसकी यात्रा आसान हो जाएगी।

उम्मीदें खोखली नहीं होतीं। उनका कुछ ठोस आधार भी होता है। इस लिहाज से देखें तो हर पार्टी और उसके बड़े नेताओं की आस के कुछ ठोस आधार हैं। तेजस्वी यादव को लगता है कि उनके गठबंधन में शामिल कांग्रेस के चलते उनके पारंपरिक मुस्लिम-यादव गठजोड़ को राज्य के सवर्ण तबके के एक वर्ग का वोट मिल सकता है। पिछले चुनाव में उनका गठबंधन नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन की तुलना में महज साढ़े सोलह हजार के करीब वोटों से ही पिछड़ गया था। उन्हें लगता है कि इस बार इस कमी को ना सिर्फ उनका गठबंधन पूरा कर लेगा,बल्कि आगे भी निकल जाएगा। लेकिन उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि पिछली बार चिराग पासवान की अगुआई वाली लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए से अलग होकर लड़ रही थी। तब उनका अघोषित और घोषित-दोनों उद्देश्य नीतीश कुमार को पटखनी देना था। इसमें वे पूरी तरह कामयाब तो नहीं हुए, अलबत्ता नीतीश के नतीजों को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहे। नीतीश की पार्टी को महज 43 सीटों से संतोष करना पड़ा था। लेकिन इस बार चिराग नीतीश के साथ हैं। अंदरखाने में भले ही वे नीतीश का साथ नहीं दे रहे हों, लेकिन करीब दस फीसद पासवान वोटरों का आधार एनडीए को मुहैया करा रहे हैं। इसलिए तेजस्वी को इस बार कहीं ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के ठोस वोट बैंक में गहरी सेंध लगानी होगी। तेजस्वी के लिए राहत की बात यह है कि सीमांचल की 28 सीटों पर उन्हें चुनौती देने वाली एआईएम इस बार उनसे गठबंधन करने के लिए लालायित है। अगर बात बन जाती है तो तेजस्वी के गठबंधन के लिए चुनावी वैतरणी थोड़ी आसान हो जाएगी। लेकिन तेजस्वी की राह का एक बड़ा रोड़ा उनके बड़े भाई तेजप्रताप हैं। जिन्हें उनकी दो बहनों का परोक्ष साथ भी मिल रहा है। इससे बिहार के उनके कोर वोटरों में संदेश गया है कि परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। अगर तेजस्वी के साथ यादव युवाओं का एक वर्ग खड़ा हो गया तो ओबैसी के आने से मिलने वाले फायदे जितना तेजस्वी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

रही बात नीतीश कुमार की तो इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव है। हालांकि पिछली बार यानी 2020 में जब वे चुनावी चक्रव्यूह में फंसे नजर आ रहे थे तो उन्होंने कुछ सभाओं में पिछले ही चुनाव को आखिरी बता दिया था। यह बात और है कि इस बार अभी तक ऐसा उन्होंने कोई संदेश नहीं दिया है। लेकिन बिहार के सियासी और लोक गलियारों में जिस तरह उनके स्वास्थ्य को लेकर चचाएं हैं, उससे माना जा रहा है कि इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव होगा। राजनीतिक दुनिया में यह भी माना जा रहा है कि इस बार वे बीजेपी से यह गारंटी चाहेंगे कि उनके बेटे निशांत का नेतृत्व स्थापित हो जाए। निशांत ने कुछ महीने पहले राजनीतिक सक्रियता दिखाकर ऐसा संकेत भी दिया था। हालांकि कुछ अरसे से उन्होंने सियासी चुप्पी ओढ़ ली है। उनके इस रूख से माना जा रहा है कि बीजेपी से अंदरखाने में किसी ठोस बिंदु पर बातचीत हो चकी है। हो सकता है कि निशांत विधानसभा का चुनाव ना लड़ें। लेकिन वे चुनाव बाद विधान परिषद में ठीक उसी तरह आ सकते हैं, जैसे उनके पिता आए। याद कीजिए, 2005 के जिस विधानसभा चुनाव में विजय के साथ नीतीश ने लालू राज को उखाड़ फेंका था, उस बार भी उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था और विधान परिषद के सदस्य के नाते उन्होंने सरकार की अगुआई की थी। इस बार के चुनाव में जनता दल यू एकजुट तो दिखेगा, लेकिन चुनाव मैदान में सबसे ज्यादा सवालों का सामना अशोक चौधरी को करना होगा। जिनके भ्रष्टाचार की गाथा को प्रशांत किशोर लोकमानस के बीच पहुंचा चुके हैं। उनकी ही तर्ज पर बीजेपी की ओर से उप मुख्यमंत्री बने मुरेठाधारी सम्राट चौधरी के लिए भी खुद का बचाव करना मुश्किल होगा, जिनके शैक्षिक प्रमाण पत्र और हत्या के एक आरोप में बरी होने को प्रशांत किशोर ने बिहार का सवाल बनाकर रख दिया है।

शिक्षकों की बाट जोहते सरकारी स्कूल

ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर एजुकेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पर्याप्त शिक्षक सहयोग के बिना छात्रों से अन्य गतिविधियों में भाग लेने की अपेक्षा घटती है, वास्तव में जो उनके सर्वांगीण विकास में काफी हद तक सहायक बन सकती थीं।

शिक्षा ग्रहण करना भारत के हर बच्चे का अधिकार है किंतु सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की अपर्याप्त संख्या देशभर के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। इसी समाचार-पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के तहत, हरियाणा के सरकारी प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। सर्वाधिक चिंतनीय अवस्था नूंह ज़िले की है, जहां 901 विद्यालयों में 3,425 शिक्षकों के पद रिक्त पाए गए। विधानसभा के हालिया मानसून सत्र में सरकार ने भी प्रदेश के 14,295 विद्यालयों में 12,000 से अधिक शिक्षक पद रिक्त होने की बात स्वीकारी। समूचे तौर पर सरकारी शैक्षणिक व्यवस्था का संज्ञान लें तो भारत के हर राज्य में कमोबेश यही स्थिति है। दिसंबर, 2023 में, केंद्र सरकार ने प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर क्रमशः 7,22,413 तथा 1,24,262 अध्यापकों की कमी बताई थी। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों शिक्षक-पद खाली हैं। गहनतापूर्वक विचारें तो यह अभाव मात्र एक संख्या न होकर समूची शिक्षा व्यवस्था कमजोर करने वाला संकट है। गुणवत्तापूर्वक शिक्षा में सामाजिक, भावनात्मक तथा शारीरिक विकास के साथ-साथ शैक्षणिक उपलब्धि भी शामिल होती है। पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में जहां व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने में कठिनाई आती है, वहीं छात्र समग्र विकास के अवसरों जैसे पाठ्येतर गतिविधियों, मार्गदर्शन आदि से वंचित रह जाते हैं। स्पष्ट शब्दों में, शिक्षकों की कमी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में एक बड़ी बाधा है, जिसके सीखने के परिणामों, समानता तथा समग्र छात्र विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर एजुकेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पर्याप्त शिक्षक सहयोग के बिना छात्रों से अन्य गतिविधियों में भाग लेने की अपेक्षा घटती है, वास्तव में जो उनके सर्वांगीण विकास में काफी हद तक सहायक बन सकती थीं।

शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली यह कमी छात्रों की संख्या में गिरावट आने का सबब भी बनती देखी गई। अनेक बार शिक्षकों की कमी के चलते शैक्षणिक सत्र समय पर पूरे नहीं हो पाते। हाशिये पर रहने वाले समुदायों, खासकर ग्रामीण तथा आर्थिक रूप से वंचित इलाकों पर इसका असमान रूप से विशेष असर देखने में आया। इन क्षेत्रों के छात्रों की योग्य शिक्षकों तक पहुंच सीमित होने के कारण शैक्षिक असमानताएं अपेक्षाकृत बढ़ जाती हैं। यूनेस्को के अनुसार, भारत में पाठशाला न जाने वाले 1.9 करोड़ बच्चों में से बहुतेरे इन्हीं वंचित समुदायों में आते हैं। दूसरे शब्दों में, शैक्षिक असमानताएं उपजाने के साथ यह कमी शिक्षा तंत्र पर वित्तीय दवाब भी बढ़ा देती है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की एक रिपोर्ट अनुसार, कई राज्यों में शिक्षक 50-60 या उससे ज्यादा छात्रों की कक्षाओं का प्रबंधन करते हैं। हरियाणा के नूंह, पलवल तथा यमुनानगर जैसे ज़िलों में 80-100 छात्र पढ़ाने के लिए एक ही शिक्षक नियुक्त है, जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के मुताबिक, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर शिक्षक-छात्र अनुपात क्रमानुसार 1:30 तथा 1:35 होना चाहिए। अतिरिक्त कार्यभार जहां शिक्षकों की थकान बढ़ाता है, वहीं मनोबल गिराता है। स्थिति के परिणामस्वरूप रटंत विद्या पर निर्भरता बढ़ने के कारण छात्रों की रचनात्मकता तथा आलोचनात्मक सोच खासी प्रभावित होती है। दीर्घकालिक असर के रूप में सामाजिक प्रगति बाधित होती है।

दरअसल, शिक्षकों की कमी का जीडीपी प्रतिशत के रूप में शिक्षा के निवेश से गहरा संबंध है। भारत में शिक्षा पर होने वाला सरकारी व्यय जीडीपी के 3-4 प्रतिशत के आस-पास है, जोकि एनईपी 2020 की 6 प्रतिशत आवंटन की सिफारिश तथा वैश्विक औसत से कहीं कम है। कम निवेश सरकार द्वारा योग्य शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण तथा उन्हें बनाए रखने की क्षमता सीमित करता है। इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के लक्ष्य पर सवालिया निशान उठना भी स्वाभाविक है।

शिक्षकों की कमी का गंभीर मुद्दा बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाकर ही निपटाया जा सकता है। समस्या की प्रकृति समझते हुए सरकार मजबूत एवं प्रभावी भर्ती रणनीतियां लागू करे, जिसमें महत्वाकांक्षी शिक्षकों के लिए छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन, शैक्षणिक कौशल तथा विषय ज्ञान पर बल देने वाले व्यापक कार्यक्रम भी बराबर शामिल हों। योग्य शिक्षकों की कमी दूर करने हेतु सरकारी निकायों, शैक्षणिक संस्थानों तथा स्थानीय समुदायों के समन्वित प्रयासों की भी महती आवश्यकता है। शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण तथा सहायता में अपेक्षित निवेश करके भारत एक अधिक प्रभावी तथा समावेशी शिक्षा प्रणाली बना सकता है, जो सभी छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करे।

सरकारी धन से चुनावी रेवड़ियां बांटने के खतरे

चुनावी समय में सरकारों द्वारा नकद या मुफ्त सुविधाएं देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति रेवड़ी संस्कृति बन गई है, जो लोकतंत्र, वित्तीय अनुशासन और राजनीतिक नैतिकता को कमजोर करती है।

बिहार में चुनावों की तारीखें घोषित होने के साथ ही ह्यराजनीतिक रिश्वतखोरीह्न की बातें चलने लगी हैं। राजनीतिक रिश्वतखोरी यानी मतदाता को रेवड़िया बांटकर उन्हें अपने पक्ष में वोट देने के लिए लुभाना। कहा यह भी जा रहा है कि चलो अब कुछ दिन रेवड़ियां बांटने की घोषणाओं से तो पीछा छूटेगा। यहां रेवड़ियों का मतलब वह ह्यमुफ्त की सेवाएंह्न हैं जिनका लालच देकर राजनेता मतदाता को बरगलाते हैं। पहले बिजली-पानी जैसी जीवनोपयोगी चीजें मतदाता को दी जाती थीं, देने का वादा किया जाता था, और अब तो यह नकद पैसा बांटा जा रहा है। बिहार सरकार ने कुछ ही दिन पहले एक करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में दस हजार रुपये जमा करवा कर इस रेवड़ी संस्कृति को एक नया आयाम दे दिया है। एक करोड़ महिलाओं का मतलब एक करोड़ परिवारों तक पहुंचना है। महिलाओं के सशक्तीकरण के नाम पर यह सीधी रिश्वत है।

सवाल यह पूछा जा रहा है कि किसी सरकार द्वारा इस तरह की नकद राशि बांटना क्या सरकार के पैसों से चुनाव जीतना नहीं है? यदि ऐसा है तो फिर इसे अपराध की श्रेणी में क्यों न रखा जाये, और यदि यह अपराध है तो फिर इसकी कोई सजा तय क्यों नहीं होनी चाहिए? पूछा तो यह भी गया है कि सरकार द्वारा मुफ्त राशन बांटना भी क्या एक तरह से रेवड़ी बांटना नहीं है?

आश्वासन वाली राजनीति कोई नयी चीज नहीं है। और ऊपरी तौर पर देखें तो यह उतनी गलत भी नहीं लगती। आखिर जनता के हित की बात सोचना सरकार का काम है, और जनता को वित्तीय सहायता देकर जनता की सहायता ही तो की जाती है। पर सवाल उठता है कि जनता की यह मदद सरकारों और राजनीतिक दलों को चुनावों से पहले ही याद क्यों आती है? सवाल यह भी उठाना चाहिए कि राजनीति में ह्यतोहफेह्न बांटने की यह परंपरा अपराध की श्रेणी में क्यों नहीं आनी चाहिए?

> कहा यह भी गया कि चुनाव घोषणापत्रों में ऐसी युक्तियों-योजनाओं के साथ उन पर होने वाले व्यय का ब्योरा भी दिया जाना चाहिए, यह भी बताया जाना चाहिए कि इन योजनाओं पर होने वाले खर्च की व्यवस्था कैसे होगी

चुनाव से कुछ अरसा पहले, या वैसे भी, हमारी सरकारें जनता की मदद की घोषणाएं शुरू कर देती हैं और मीडिया में इसे मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के तोहफे के रूप में प्रचारित किया जाता है। कुछ ही साल पहले चुनाव-प्रचार के दौरान स्वयं प्रधानमंत्री ने बिहार में खुले आम तोहफों की बोली लगायी थी। एक चुनाव-सभा में उन्होंने कुछ ऐसा कहा था, कितने दूं, दस करोड़?, सौ करोड़?, हजार करोड़? या लाख करोड़? उनकी घोषणा पर श्रोताओं ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया था, निश्चित रूप से इस तोहफे का कुछ असर चुनाव परिणाम पर भी पड़ा होगा। पर चुनावी लाभ के लिए जनता के पैसों के तोहफे इस तरह बांटने की घोषणा क्या विद्रूप पहल नहीं मानी जानी चाहिए? सच तो यह है कि इसे तोहफा या उपहार कहना ही गलत है। यह अनुचित आर्थिक लेन-देन ही हैझ और रिश्वत देना या लेना दोनों अपराध हैं! इस अपराध की सजा क्यों तय नहीं होती? इस सवाल का सीधा-सा जवाब यह है कि यह अपराध सबकी मिली-भगत से हो रहा है। राजनेताओं को, सरकारों को, राजनीतिक दलों को रेवड़ियां बांटने, या कहना चाहिए रिश्वत देकर अपना काम निकालने का यह एक आसान तरीका लगता है। ऐसे में पारस्परिक लाभ के इस सौदे में भला किसी को कुछ गलत क्यों लगेगा? पर यह गलत परंपरा है जन-कल्याण की योजनाएं बनाना, उन्हें ईमानदारी के साथ क्रियान्वित करना सरकारों का काम है। पर यह काम चुनावों से ठीक पहले ही क्यों? एक करोड़ महिलाओं को बिहार की नीतीश सरकार द्वारा दस हजार रुपये देने और विपक्ष द्वारा पच्चीस सौ रुपये प्रति माह देने का वादा करने में कोई विशेष अंतर नहीं है। कहा जा सकता है कि इस तरह की घोषणाएं वर्तमान या भावी सरकार की रीति-नीति बताती हैं, पर बताने की यह आवश्यकता चुनावों के समय पर ही किसी को याद क्यों आती है?

ऐसा नहीं है कि इस तरह के सवाल पहले कभी उठे नहीं हैं। उठते रहे हैं ये सवाल, पर राजनीतिक नफा-नुकसान का गणित इन सवालों को उठाने वाली नैतिकता पर अक्सर हावी हो जाता है। कभी महिला मतदाताओं को साड़ियां बांटकर तमिलनाडु की जयललिता ने वोट के लिए रिश्वत की इस परंपरा की शुरूआत की थी। द्रमुक के ही करुणानिधि ने दो रुपये किलो चावल बांटकर इस शुरूआत को चुनाव जीतने की एक कला के रूप में विकसित किया। फिर तो जैसे देश के अलग-अलग हिस्सों में इस कला को निखारने की एक प्रतिस्पर्धा ही चल पड़ी। ऐसा भी नहीं है कि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की जरूरत की ओर किसी का ध्यान न गया हो। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने इस ह्यरेवड़ी संस्कृतिह्न को मुद्दा बनाया था। पर जल्दी ही उन्हें यह अहसास हो गया कि यह संस्कृति तो स्वयं उनके लिए भी लाभदायक है और वे भी लाभ लुटाकर लाभ कमाने की इस प्रतिस्पर्धा में शामिल हो गये।अब तो हमारे राजनीतिक दल यह सोचना भी नहीं चाहते कि इस प्रतियोगिता में राज्यों का बजट घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है—यह घाटा खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है। यही सब देखते हुए यह मांग भी उठी थी कि मुफ्त संस्कृति वाली इस राजनीति के वित्तीय अनुशासन के बारे में भी कुछ नियम-कायदे बनने चाहिए। कहा यह भी गया कि चुनाव घोषणापत्रों में ऐसी युक्तियों-योजनाओं के साथ उन पर होने वाले व्यय का ब्योरा भी दिया जाना चाहिए, यह भी बताया जाना चाहिए कि इन योजनाओं पर होने वाले खर्च की व्यवस्था कैसे होगी। इस संदर्भ में रसोई घर की मुफ्त सिलेंडर वाली योजना के हश्र की बात भुलाई नहीं जानी चाहिए। इस बात का भी लेखा-जोखा होना चाहिए कि मुफ्त सिलेंडर कैसे मिलेंगे और कैसे मिलते रह सकेंगे।

info@ujalasanchar.com ujalasanchar
राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग का विशेष अभियान

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट। आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा तथा भाई दूज त्योहारों के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाये जाने हेतु आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ एवम जिलाधिकारी मीरजापुर के निर्देश के क्रम में सहायक आयुक्त खाद्य मंजुला सिंह के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मिजार्पुर की टीम द्वारा आज दिनांक 08.10 .2025 को जनपद के चुनार जमाल पुर स्थित खोया भट्ठियों में सघन निरीक्षण करते हुए खोए दूध वा रिफाइंड तेल के नमूने संग्रहित किए गए जिनका विवरण इस प्रकार है सर्वप्रथम टीम जमालपुर शेरवा स्थित श्याम सुंदर के खोया भट्टी पर पहुंची जहां पर अस्वास्थ्यकर स्थित पर खोया बनते एवं लगभग 50 सड़ा गला खोया भंडारित पाए जाने पर दूध खोया का नमूना लेते हुए 50 खोया विनष्ट कराया गया। तत्पश्चात टीम विनोद त्रिपाठी की भट्टी पर पहुंची जहां से दूध एवं खोया के नमूने संग्रहित किए गए। तत्पश्चात टीम दिग्विजय सिंह की खोया भट्टी की जांच की गई वा खोया वा दूध के 2 नमूने भरे गए। साथ ही खाद्य कारोबारकताओं को प्रतिष्ठान में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए गए। इसके बाद टीम राजकुमार पटेल की भट्टी पर पहुंची जहां पर मिल्क पाउडर से खोया बनता पाए जाने के साक्ष्य मिलने पर खोया रिफाइंड के 3 सैंपल लिए गए वा लगभग 75 खोया 150 दूध का विनष्टीकरण कराया गया। तथा भट्टी बंद करा दी गई ।इस प्रकार कुल 8 नमूने संग्रहित कर खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला को जांच हेतु प्रेषित किया गया है ।जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।यह अभियान आगामी त्यौहारों को देखते हुए निरंतर जारी रहेगा। टीम में सहायक आयुक्त खाद्य क्क मंजुला सिंह , राजेश मौर्य , रवि शेखर , संदीप श्रीवास्तव , तथा ओंकार यादव खाद्य सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

कोल्हुआ शाह में जल जीवन मिशन बना शोपीस

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट। मिजार्पुर के थाना चिल्ह अंतर्गत ग्राम पंचायत कोल्हुआ शाह में जल जीवन मिशन बना शोपीस 2 वर्ष से पानी सप्लाई केवल कागजों में सिमट कर रह गई जबकि ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी ने स्वराज पोर्टल पर सबको पानी मिलने की बात कही है जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है 90% लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है लोग लगातार परेशान हैं जब इस बारे में प्रोजेक्ट मैनेजर पुनीत कुमार से बात किया गया तो उन्होंने बताया की स्थिति सामान्य है जबकि अवर अभियंता और सुपरवाइजर संजय कुमार और कौशल कुमार ने बताया कि लगातार कार्य जारी है जल्द पानी सप्लाई बहाल कर दी जाएगी जबकि तमाम ग्रामीण जमीन स्तर पर परेशान है आरोप लगाने वालों में सतीश कुमार चौबे प्रिंस चौबे सभाजीत चौबे सुशील कुमार उपाध्याय प्रेमचंद चौधरी श्याम कार्तिक दुबे सहित दर्जनों लोग परेशान हैं तमाम पूजा पाठ करने वाली महिलाएं जो सिद्धेश्वर महादेव पीठ पर पूजा करती हैं उनका कहना है कि यहां पानी सप्लाई न होने से हम लोगों को पूजा करने में भी दिक्कत आ रही है जबकि यहां पर जल जीवन मिशन का नल तो लगा है लेकिन पानी नसीब नहीं हो पा रहा है जिसके चलते ग्रामीणों में काफी आक्रोश है अब देखने का विषय है क्या आने वाले समय में सरकार जल जीवन मिशन की जो समस्या है उससे निजात दिलाता है या नहीं यह तो आने वाले समय में आपको देखने को मिलेगा लेकिन जो जमीनी हकीकत है ग्राम पंचायत कोल्हुआ शाह में लगे जल जीवन मिशन की टंकी गांव को ही संतृप्त नहीं कर पा रही है जबकि इसकी सप्लाई कोल्हुआ भोज गहिया और रामपुर को सम्मिलित करने के लिए लगाई गई है लेकिन जमीनी हकीकत केवल कागजों पर दिखाई दे रही है लगातार शिकायत के बाद इसका सुधि कोई नहीं ले रहा है जबकि ग्राम पंचायत में जो ऑपरेटर बिजली यादव नियुक्त है उसके द्वारा लोगों से लिखित लिया जा रहा है कि पानी सप्लाई चालू है जबरदस्ती लोगों से हस्ताक्षर कराया जा रहा है अब देखने का विषय है इस पर शासन क्या एक्शन लेती है जबकि इस समस्या के निदान के लिए सी एम हेल्प लाइन पर भी कम्पलेन्ट न. 92519900037177 पर भी कम्पलेंट किया गया है।

केबीपीजी कालेज के शिक्षा संकाय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में छात्राओं में दिखा ज्यादा उत्साह

सहायक प्रोफेसर के आगाज को संकाय अध्यक्ष ने पहुचाया अंजाम तक
40 लोगों ने पंजीयन कराया और स्वास्थ्य परीक्षण के पश्चात 12 लोगों ने रक्तदान किया

मिर्जापुर। जिले में रक्तदान क्षेत्र की अग्रणी संस्था विन्ध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वाधान में के बी पी जी कालेज के गणेशगंज स्थित शिक्षा संकाय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 40 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीयन कराया लेकिन स्वास्थ्य परीक्षण के पश्चात 12 लोग ही रक्तदान करने के लिए उपयुक्त घोषित किए गए।

रक्तदान करने वालों में शिक्षा संकाय के अध्यक्ष डॉ.भवभूति मिश्रा, सहायक प्रोफेसर डॉ. भानू प्रताप सिंह एवं प्रोफेसर प्रभु नाथ यादव सहित अक्षत गुप्ता, कुशल वर्मा,प्रेमराज, पायल तिवारी, ईशिता चौधरी, संध्या, संतोष कुमार, श्रद्धा पांडेय, शिवम मौर्या सम्मिलित रहें। कार्यक्रम की विशेषता ये रही कि

जहां डॉ. भानू प्रताप सिंह ने रक्तदान की शुरूआत की वही संकाय अध्यक्ष डॉ. भवभूति मिश्रा ने रक्तदान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आये मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा कालेज के प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार सिंह, केबीपीजी कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर गौरी शंकर द्विवेदी, शिक्षा संकाय के अध्यक्ष डॉ. भवभूति मिश्रा एवं विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्णानंद हैहयवंशी ने माता सरस्वती के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके की।

मुख्य अतिथि के रूप में आये मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार सिंह ने विन्ध्य फाउंडेशन ट्रस्ट सहित केबीपीजी कालेज के शिक्षा संकाय की सराहना करते हुए कहा कि आप जैसो के कारण ही मीरजापुर में ब्लड की मांग एवं आपूर्ति में व्यापक सुधार हुआ है और मै आश्वासन देता हूं कि मुझसे इस कार्य में और अधिक सुधार के लिए जो भी योजनाए बताई जायेंगी मैं सदैव तत्पर रहुंगा। उन्होने रक्तदान के लिए तैयार छात्र छात्राओं को साधुवाद देते हुए उनके साहस की प्रशंसा की।

आयुष मंत्री दया शंकर मिश्र दयालु ने किया सम्मानित

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट। आयुष खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन मंत्री स्वतंत्र परिवार डॉक्टर दयाशंकर मिश्र (दयालु) ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 से सम्मानित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय रानी कर्णावती नगर पालिका मिजार्पुर की प्रधानाध्यापिका मधुरिमा तिवारी को उनके आवास पर पहुंच कर सम्मानित किया। उन्होंने प्रदेश का गौरव एवं सम्मान बढ़ाने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु मधुरिमा तिवारी की प्रशंसा की और कहा कि इन्होंने प्रदेश को गौरवान्वित करने का अवसर प्रदान किया। मां विंध्यवासिनी की नगरी में मातृशक्ति का शिक्षा के क्षेत्र में यह बहुत बड़ा योगदान है। इनका कार्य और व्यवहार आचरण अति प्रसंसनीय इन्होंने अपने कार्य से सिद्ध कर दिया कि अपने कार्य ईमानदारी मेहनत लगन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है इनकी विद्यालय और कार्य के बारे में जितना सुना जाना सरकार की प्रत्येक कार्य को ईमानदारी से क्रियान्वन करना तथा बच्चों को आधुनिक शिक्षण के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त देना उसके लिए हमको मधुरिमा जी बहुत-बहुत शुभकामनाएं बधाई देते हैं भविष्य में ऐसे

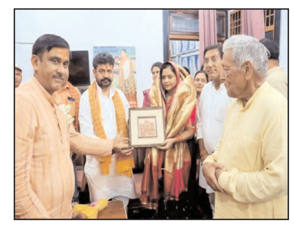

ही शिक्षा के क्षेत्र में यह कार्य करती रहे। यही शुभकामना है। इनके साथ नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज जायसवाल, अरुण कुमार मिश्रा, श्रुति द्विवेदी, गोवर्धन त्रिपाठी, राजपति ओझा, विष्णु मालवीय, योगेश मिश्रा, अंबुज, जितेंद्र दुबे, हेमंत त्रिपाठी, प्रशांत,द्विवेदी, पुष्पेंद्र द्विवेदी, साथ ही समाज के गणमान्य जनों ने शुभकामना दिया।

महिला सशक्तिकरण का अभियान और आशा कार्यकर्त्रियों को अपने हक के लिए करना पड़ रहा धरना प्रदर्शन

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट। आज जिला मुख्यालय पर आशा/ आशा संगिनी कर्मचारी संगठन द्वारा आशा संगिनी हेमलता के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी 13 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान आशा संगीनियों ने बताया कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन देश में लगभग 11 लाख आशा वर्कर्स एवं एक लाख आशा संगिनी कार्यरत हैं। इसमें से उत्तर प्रदेश में लगभग 2 लाख आशा वर्कर्स एवं 10 हजार आशा संगिनी वर्कर्स ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में लोगों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी (सर्वे) टीकाकरण, स्वच्छता, जच्चा बच्चा देखभाल, संस्थागत प्रसव कराने के अलावा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा

संचालित चार दर्जन से अधिक मदों में कार्य करती हैं, जिसके लिए इन्हें कोई मानदेय अथवा वेतन नहीं दिया जाता है बल्कि अल्प प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है।

आशा संगीनियों के कार्यों से स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए सरकार एवं समाज इन्हें स्वास्थ्य विभाग के रीढ़ की हड्डी मानते हैं। लेकिन यह भी सच है की सरकारों ने उनकी जीविका एवं परिवार के भरण पोषण पर उचित ध्यान नहीं दिया है। 2017 में प्रदेश में जब भाजपा सरकार बनी तो इन कर्मचारियों को काफी उम्मीदें थी।

गहनों की सफाई के नाम पर लाखों की ठगी, महिला से दो ठगों ने उड़ाए दो लाख के जेवर

विश्वास की कीमत दो लाख! सफाई का झांसा देकर टिफिन में गायब कर दिए सोने के गहने, पुलिस सीसीटीवी खंगालने में जुटी

दुद्धी, सोनभद्र। नगर के वार्ड नं. 11 जेम्स स्कूल के पास बुधवार की दोपहर ठगी की एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी। दो अज्ञात ठगों ने गहनों की सफाई का झांसा देकर एक महिला को ठग लिया और करीब दो लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवर लेकर चंपत हो गए।

जानकारी के अनुसार, वार्ड नं. 11 निवासी अनवरी बेगम पत्नी मोहम्मद रजा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार (8 अक्टूबर) को दो युवक उनके घर आए और खुद को सोने-चांदी के गहनों की सफाई करने वाला कारीगर बताते हुए विश्वास जीत लिया।

ठगों ने सफाई के नाम पर गहनों को टिफिन में रखकर उसमें गर्म पानी डालने का नाटक किया। उन्होंने कहा कि ह्लसफाई की प्रक्रिया पूरी होने में कुछ समय लगेगाह्व और महिला को कुछ देर बाद टिफिन खोलने को कहा।

लेकिन जब अनवरी बेगम ने टिफिन खोला तो उनके होश उड़ गए – अंदर एक भी गहना नहीं था! इस बीच दोनों युवक अपनी बाइक स्टार्ट कर फरार हो गए।

घटना के बाद महिला ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर जुटे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी दुद्धी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जल्द ही ठगों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की ठगी की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस सख्ती से कार्रवाई करे ताकि आगे कोई और मासूम ऐसी ठगी का शिकार न बने।

सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू का भव्य राजभिषेक समारोह हुआ सपन्न

छत्तीसगढ़, झारखंड, सोनभद्र राज्यों के लोग रहे मौजूद, हम सभी लोगों को एक होकर आवाज उठाना पड़ेगा-मुख्य अतिथि

म्योरपुर (सोनभद्र) सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू के राज्याभिषेक दिवस पूजन उत्सव कार्यक्रम ऑल इंडिया रौनियार वैश्य समाज के संस्थापक/अध्यक्ष डा ए के गुप्ता (रौनियार) के नेतृत्व में राजा चंडोल इंटर कालेज लिलासी में संपन्न हुआ, सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा सम्राट हेमचंद्र जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप पज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि गोपाल प्रसाद रौनियार.

(वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) रौनियार वैश्य महासभा, विशिष्ट अतिथि अशोक कुमार रौनियार (प्रदेश अध्यक्ष) रौनियार समाज छत्तीसगढ़, मनोहर प्रसाद रौनियार

(महासचिव) रौनियार समाज छत्तीसगढ, अतिथि बैजनाथ रौनियार (प्रभारी झारखंड), राम सहाई रौनियार (उपाध्यक्ष) शिव शंकर रौनियार (महामंत्री) कृष्ण मुरारी रौनियार (संरक्षक) राजेश रौनियार (संरक्षक) आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रघुवर दयाल रौनियार ने किया।

रौनियार वैश्य समाज के अग्रज एवं कुशल योद्धा सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित हेमू ने दिल्ली की युद्ध में अकबर की सेना को हराकर 7 अक्टूबर 1556 को दिल्ली की गद्दी पर बैठने वाले अंतिम हिंदू शासक बने, उसी दिन उनका राजभिषेक हुआ, कुशल सेनापति के रूप में हेमू ने अपने जीवन में 22 से ज्यादा युद्ध जीते थे। रौनियार समाज परिवार द्वारा भारत के सभी राज्यों जिलों शहरों में 7 अक्टूबर को राज्याभिषेक दिवस मनाया जाता है।

मुख्य अतिथि गोपाल प्रसाद रौनियार ने कहा कि आज समाज जागरूक हो गया है अगर इसी तरह से सक्रिय एवं संगठित रहा तो आगे आने वाले समय में समाज के लोगों का हक अधिकार सम्मान अवश्य मिलेगा। इसके लिए हम सभी लोगों को मजबूत रणनीति अपनाते हुए कार्य करना चाहिए।

जीएसटी 2.0 लेकर विधानसभा स्तरीय व्यापारियों के संघ का हुआ सम्मेलन

दुद्धी। विकासखंड परिसर में दोपहर 2:00 बजे घटी जीएसटी मिला उपहार धन्यवाद मोदी सरकार को लेकर कार्यक्रम आयोजित की गई ।कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र प्रतिमा पर एमएलसी श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष एसटी/ एससी जीत सिंह खरवार जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने संयुक्तरूप से द्वीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरानश्रवण सिंह गौड सहित अन्य नेताओं ने अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि ने कहा नीति आयोग द्वारा पूर्व में बनाई गई नीति के आधार पर भाजपा सरकार ने जीएसटी की विभिन्न श्रेणियों को लागू किया था लेकिन वर्षों बाद लोगो की समस्याओं को देखते हुए जीएसटी में भारी कटौती की पूर्व में लग रहे जीएसटी के दर 5,12,18 और 28 प्रतिशत के दर को घटाकर अब सिर्फ 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया जिसका सबसे अधिक लाभ मध्यम वर्गीय परिवार को होगा ।साथ ही शोषित परिवार के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा जीएसटी नियमावली के तहत

यदि कोई अधिक मूल्य लेता है तो उस पे बड़ी कार्यवाही होगी ।कार्यक्रम का संचालन मनोज मिश्रा ने किया इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अनिल गौतम,ब्लाक प्रमुख रंजना चौधरी, मान सिंह गौड,नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन,जिलापंचायत सदस्य सुषमा गौड़ बीडीओ राम विशाल चौरसिया, राजन चौधरी,मंडल अध्यक्ष दीपक शाह अमरनाथ जायसवाल सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और व्यापारी उपस्थित रहे।

10 से 25 अक्टूबर तक अन्त्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को नि:शुल्क मिलेगा खाद्यान्न

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सोनभद्र। जिले के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों के लिए राहत भरी खबर है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत अक्टूबर माह के लिए निःशुल्क खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2025 तक चलाई जाएगी। इस अवधि में लाभार्थियों को गेहूं और फोर्टिफाइड चावल निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने बताया कि अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्राप्त होगा, जिसमें 14 किलोग्राम गेहूं और 21 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल शामिल है। वहीं, पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम खाद्यान्न (2 किलोग्राम गेहूं व 3 किलोग्राम

फोर्टिफाइड चावल) वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले का कोई भी पात्र परिवार खाद्य सामग्री से वंचित न रहे।

अधिकारी ने बताया कि वितरण कार्य निर्धारित अवधि में सभी उचित दर की दुकानों के माध्यम से पारदर्शी तरीके से किया जाएगा। जिन कार्डधारकों का अंगूठा किसी कारणवश बायोमेट्रिक प्रणाली से सत्यापित नहीं हो पा रहा है, उन्हें भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे लाभार्थी 25 अक्टूबर की अंतिम तिथि को मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के जरिए अपना खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि तकनीकी बाधाओं के कारण किसी को भी योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े।

जिला पूर्ति अधिकारी ने आगे बताया कि वर्तमान में जिले में राशन कार्डों से जुड़ी ई-केवाईसी प्रक्रिया भी चल रही है।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार: रॉबर्ट्सगंज में महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सोनभद्र। महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और सशक्तिकरण के उद्देश्य से मंगलवार को ब्लॉक रॉबर्ट्सगंज में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती गीता विश्वकर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने अन्नप्राशन और गोद भराई की रस्में निभाते हुए मातृत्व और बाल स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए।

कार्यक्रम के दौरान प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के तहत विद्यालय में प्रवेश लेने वाले बच्चों को विद्यारंभ प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए। श्रीमती विश्वकर्मा ने शिवानी, अनुराग, सक्षम, दृष्टि, यश, सत्यजीत, साहिबा और तानिया सहित कई बच्चों को प्रमाणपत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किया गया स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहा मिशन शक्ति दोनों ही योजनाएँ महिलाओं को स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

अपने संबोधन में राज्य महिला आयोग सदस्य ने कहा कि यह अभियान केवल स्वास्थ्य सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है जो समाज के समग्र विकास की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि जब एक महिला स्वस्थ और जागरूक होती है, तो पूरा परिवार सशक्त होता है, और यही सोच इस पहल की प्रेरणा है। श्रीमती विश्वकर्मा ने बताया कि अभियान के

तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, प्रसवपूर्व जांच, परामर्श, और टीकाकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि हर महिला और बच्चा स्वस्थ और सुरक्षित रह सके।

उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारियों की पहचान और उपचार पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। मिशन शक्ति के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है। राज्य महिला आयोग निरंतर यह सुनिश्चित कर रहा है कि हर महिला अपने अधिकारों को समझे, जागरूक बने और आत्मविश्वास के साथ समाज में अपनी भूमिका निभाए।

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन कार्यालय से जेंडर एक्सपर्ट साधना मिश्रा, महिला थाना प्रभारी सविता सरोज, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी अनुराग त्रिपाठी, ग्रामीण सीडीपीओ हरि मोहन, सिटी सीडीपीओ रविंद्र गिरी, सांख्यिकी अधिकारी स्मिता वाजपेयी, जिला परियोजना सहयोगी स्निग्धा आहूजा और वन स्टॉप सेंटर प्रभारी दीपिका सिंह सहित कई अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में अभी भी जगह खाली, इन मुकाबलों में परखे जाएंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ आगामी मैत्री मुकाबलों की तैयारी में जुटी है। इस बीच टीम के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि विश्व कप 2026 के लिए टीम में अभी भी जगह खाली है। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया है कि इन मैत्री मैचों का इस्तेमाल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होने वाले टूर्नामेंट से पहले नए खिलाड़ियों को परखने के लिए किया जाएगा। शुक्रवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लियोनेल स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल हो सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं, जैसे 2022 के कतर विश्व कप से पहले हुए थे। उन्होंने कहा, आप नहीं जानते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है, लेकिन हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी आखिरी समय में बाहर हो गए थे। यह सच है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करके अगले साल होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की है। स्कालोनी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी। उनका मानना है कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोई भी मैच वास्तव में मैत्रीपूर्ण नहीं होता। मैनेजर ने कहा, हमें लगता है कि हर बार जब कोई अंतरराष्ट्रीय मैच होता है, चाहे वह आधिकारिक हो या मैत्रीपूर्ण, एक शानदार अवसर प्रदान करता है। आगे क्या होता है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। बहुत कुछ दांव पर लगा है। इन मुकाबलों में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

जोकोविच का शानदार प्रदर्शन, चोट के बावजूद मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

शंघाई, एजेंसी। नोवाक जोकोविचने अपने बाएं टखने की चोट, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती के बावजूद 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में सर्बियाई स्टार को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट लेने पड़े और उच्च उमस (82 प्रतिशत से अधिक) के बीच उन्होंने बार-बार सिर पर टॉवल रखा। खेल के दौरान जोकोविच को उल्टी भी हुई और दूसरे सेट में हार के बाद मेडिकल सहायता के लिए जमीन पर गिरना पड़ा। बावजूद इसके, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। जोकोविच शंघाई में अब तक हर साल क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हैं और चार बार ट्रॉफी जीत चुके हैं। वर्तमान में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और ड्रॉ में शीर्ष रैंकिंग वाले बाएं हाथ के खिलाड़ी का अगला मुकाबला बेल्जियम के ज़िज़िओउ बर्ग्स से होगा। वहीं, मंगलवार को होल्गर रूण लगभग तीन साल बाद अपने पहले मास्टर्स 1000 खिताब के करीब पहुंचे, जब उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 6-4, 6-7(7), 6-3 से हराया।

महिला विश्व कपः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

भारत को शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बृहस्पतिवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया बुधवार को कोलंबो में पाकिस्तान को हरा देती है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा।

भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला। श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिए थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा। अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ

12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा।

भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है। लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए . वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी।

फिट होने पर वह टीम में रेणुका सिंह ठाकुर की जगह लेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की। वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी। शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्ज और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी।

टीमें: भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

मैचः दोपहर तीन बजे।

93वां वायुसेना दिवसः

तेंदुलकर समेत भारतीय क्रिकेटर्स ने किया आसमान के रक्षकों को सलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर भारतीय क्रिकेट जगत ने वायुसेना के वीर योद्धाओं को शुभकामनाएं दी हैं। विश्व के महानतम बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1.4 अरब से ज्यादा भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं को उड़ान देते हुए, भारतीय वायु सेना साहस और समर्पण के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करती है और उसे और ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करती है।

सचिन तेंदुलकर साल 2010 में वायु सेना के मानद ग्रुप कैप्टन बने थे। ऐसा सम्मान पाने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने लिखा, इंडियन एयरफोर्स का हिस्सा बनकर गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है। भारतीय वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं! जय हिंद! भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने लिखा, हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम! अपनी विस्फोटक सलामी बल्लेबाजी के लिए भारतीय क्रिकेट जगत में पहचान बनाने वाले शिखर धवन ने एक्स पर लिखा, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वायु सेनाओं में से एक का जश्न मनाते हुए आकाश के असली मालिकों को सलाम।

93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर को याद किया गया। इस समारोह में देश के जांबाजों को ऑपरेशन सिंदूर में उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जिसके बाद 7 मई को भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू की गई, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया।

इस ऑपरेशन में पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया गया। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान समेत चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने हिंडन एयरबेस पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत की। समारोह में वायु सैनिकों ने भव्य मार्च पास्ट किया। लड़ाकू विमान रनवे पर प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही भारत की हवाई ताकत और उसकी सटीकता को पूरी दुनिया के सामने दिखाया गया।

मेसी को पीछे छोड़ा

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने पहले अरबपति फुटबॉलर

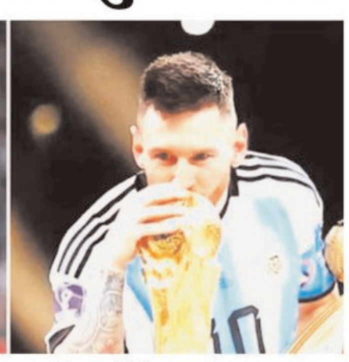

लंदन, एजेंसी। रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया।

फुटबॉल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस बार यह रिकॉर्ड गोल्स या ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि उनकी बैंक बैलेंस के लिए है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक, रोनाल्डो की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन यूएस डॉलर (लगभग 11,50,00,00,000 रुपये) आंकी गई है, जिससे वह फुटबॉल के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं।

ब्लूमबर्ग ने कहा कि यह पहली बार है जब रोनाल्डो की संपत्ति इस इंडेक्स में शामिल की गई है। इस मूल्यांकन ने उन्हें विश्व फुटबॉल का सबसे अधिक कमाई करने वाला खिलाड़ी बना दिया। इस मामले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी को काफी पीछे छोड़ दिया।

वेतन और क्लब करियर: रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया। इस सौदे के तहत उन्हें कर-मुक्त 200 यूएस डॉलर मिलियन वार्षिक वेतन और बोनस के रूप में मिले, साथ ही 30 मिलियन यूएस डॉलर का साइनिंग बोनस भी शामिल था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, 2002 से 2023 तक रोनाल्डो ने कुल 550 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक वेतन कमाया।

ब्रांड एंडोर्समेंट्स और व्यावसायिक निवेशः रोनाल्डो की कमाई का दूसरा स्तंभ एंडोर्समेंट्स हैं। नाइकी के साथ उनका दस साल का समझौता उन्हें सालाना लगभग 18 मिलियन यूएस डॉलर आमदनी देता है। इसके अलावा अरमानी और कैस्ट्रोल जैसे ब्रांड्स के साथ साझेदारियों से उनकी कुल संपत्ति में लगभग 175 मिलियन यूएस डॉलर का इजाफा हुआ है। उन्होंने अपने सीआर-7 ब्रांड के तहत होटल, जिम, और फैशन में भी अपनी पहचान बनाई है। इसके अलावा रोनाल्डो के पास कई लग्जरी प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें लिस्बन के पास स्थित क्विंटा दा मरिन्हा हाई-एंड गोल्फ रिसॉर्ट की संपत्ति शामिल है, जिसकी कीमत लगभग 20 मिलियन यूरो बताई गई है।

कमाई में मेसी से तुलनाः रोनाल्डो के लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी ने अपने करियर में कुल लगभग 600 मिलियन यूएस डॉलर प्री-टैक्स वेतन कमाया है।

इंडिया अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप, खिलन पटेल ने 6 विकेट लिए; वैभव सूर्यवंशी शून्य पर आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 36 रनों की बढ़त हासिल करने में सफल रही। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 116 रन ही बना सकी। जीत के लिए 81 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे महज 12.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। वेदांत त्रिवेदी 33 और राहुल कुमार 13 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह दूसरा यूथ टेस्ट 2 दिन के भीतर खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जबकि भारतीय टीम ने लगातार 5वीं जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 3 मैचों की ODI सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी। इस मुकाबले में भारत के लिए खेनिल पटेल हीरो रहे जिन्होंने कुल 6 विकेट इस मैच में झटके।

दोनों पारियों में 3-3 विकेट उन्होंने अपने नाम किए। वहीं पहली पारी में भारत को बढ़त दिलाने में अपने 22 रनों से अहम योगदान भी दिया।

वैभव सूर्यवंशी ने पहले टेस्ट में शतक जड़ा था: वैभव सूर्यवंशी ने इस पूरे दौरे पर कई अच्छी पारियां खेली हैं। उन्होंने वनडे सीरीज के तीनों मैचों में 38, 70 और 16 रन की पारियां खेली थीं। वहीं पहले यूथ टेस्ट में उन्होंने 113 रन बनाए थे और भारत की पारी से जीत में अहम योगदान निभाया था। फिर दूसरे यूथ टेस्ट में उनका प्रफॉरमेंस खास नहीं रहा और वह 20 और 0 का ही योगदान कर पाए। पूरे दौरे पर 14 साल के बल्लेबाज ने अपने टी-20 वाले अंदाज को जारी रखा है।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को भारतीय कुश्ती महासंघ ने किया निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले अमन सहरावत को एक साल के लिए निलंबित कर दिया।

22 वर्षीय सहरावत को सितंबर में क्रोएशिया के जाग्रेब में हुई विश्व चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम भार सीमा पार करने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। 23 सितंबर से लागू हुए निलंबन की वजह से सहरावत सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती से जुड़ी किसी भी गतिविधि में भाग नहीं ले पाएंगे। अमन सहरावत के निलंबन की पुष्टि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने की। आईएएनएस को संजय सिंह ने बताया कि अमन सहरावत को अनुशासनात्मक नोटिस भेजा गया था जिसका वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस वजह से उन्हें निलंबित किया गया। संजय सिंह कहा, भारतीय कुश्ती महासंघ ने वजन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए अमन सहरावत को निलंबित करने की घोषणा की है। 23 सितंबर से प्रभावी यह निलंबन उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी कुश्ती गतिविधि में भाग लेने से रोकता है।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया। हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीत चुके नीरज ने कहा, बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा।

नीरज ने स्विट्ज़रलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएँ बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्ज़रलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और

जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं। नीरज ने कहा, मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी (2022) जीती, जो मेरे लिए खास है।

मैग्लिंगन में मैंने स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास किया और बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप से पहले भी वहीं ट्रेनिंग की थी, जहाँ मैंने स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा मैंने परिवार और दोस्तों के साथ स्विट्ज़रलैंड का आनंद लिया। यह देश मुझे हमेशा याद रहेगा। नीरज ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भारत से बाहर रहते हैं क्योंकि अधिकांश प्रतिस्पर्धाएँ विदेशों में होती हैं, खासकर यूरोप में।

रोहित शर्मा को संन्यास ले लेना चाहिए...

बेइज्जत होने से अच्छा मत खेलो, गौतम गंभीर के खिलाफ दिग्गज ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है। उनकी जगह युवा खिलाड़ी शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया है। यह फैसला ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले लिया गया है। 38 साल के रोहित शर्मा के लिए यह खबर अच्छी नहीं है। अब उन्हें भी बाकी खिलाड़ियों की तरह अपने प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनानी होगी। अगर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो उन्हें टीम से बाहर भी किया जा सकता है। शुभमन गिल को कप्तान बनाने का फैसला थोड़ा चौंकाने वाला है। 26 साल के गिल को भविष्य का कप्तान माना जा रहा था लेकिन रोहित शर्मा के रहते हुए जिन्होंने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी उन्हें इतनी जल्दी कप्तानी देना थोड़ा अजीब लगता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट में ऐसे उत्तराधिकार की योजनाएं पहले भी देखी गई हैं। एमएस धोनी के 2019 वर्ल्ड कप से दो साल पहले 2017 में विराट कोहली को वनडे की कप्तानी सौंपी गई थी। लेकिन यहां एक बड़ा अंतर यह है कि रोहित शर्मा 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए टीम का हिस्सा होंगे या नहीं यह पक्का नहीं है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने 38 वर्षीय रोहित शर्मा से आग्रह किया है कि वे बीसीसीआई से इस तरह का बर्ताव बर्दाश्त न करें और जिस एकमात्र फॉर्मेट में वे अभी सक्रिय हैं उससे संन्यास ले लें। तिवारी का मानना है कि बीसीसीआई का रोहित के प्रति अनादर यहीं नहीं रुकेगा बल्कि और बढ़ेगा। इसलिए इससे पहले कि भारत के महानतम बल्लेबाजों में से एक को और अपमान झेलना पड़े बेहतर होगा कि वे खुद को इस शर्मिंदगी से बचा लें। तिवारी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वे (रोहित) अब उनकी योजनाओं में हैं। अब सब कुछ उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। अगर मैं रोहित शर्मा होता तो मैं इसके बाद संन्यास लेने पर विचार करता। उनके जैसे खिलाड़ी को इस तरह के अपमान का हकदार नहीं है। तिवारी बीसीसीआई के बर्ताव से रोहित शर्मा को देखकर दुखी हैं। रोहित का कप्तानी का कार्यकाल कुछ पूर्व कप्तानों की तुलना में काफी छोटा था यानी चार साल से भी कम। लेकिन इस दौरान रोहित ने भारत को आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दो बार खत्म किया।

वरुण चक्रवर्ती ने अपनी अंतरराष्ट्रीय वापसी के लिए सूर्यकुमार और गंभीर को दिया श्रेय

मुंबई, एजेंसी। दुनिया के शीर्ष टी20 गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती का कहना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में साहसी मानसिकता को बढ़ावा दिया है, जिसमें हार का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने लगभग तीन साल टीम से बाहर रहने के बाद अपनी अंतरराष्ट्रीय वापसी का श्रेय गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी दिया।

वरुण ने मंगलवार को मुंबई में सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स के मौके पर कहा, मैं (गंभीर) उनके बारे में एक बात जरूर कह सकता हूं कि वह टीम में एक साहसी मानसिकता लेकर आते हैं जहां हार का कोई विकल्प नहीं होता। आपको बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है और मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देना होता है और बाद में, जो भी होता है, होता है। जब वह मौजूद होते हैं, तो कोई सामान्यता नहीं रहती - आप मैदान में औसत नहीं हो सकते, ऐसा मैं महसूस करता हूं।

वरुण ने जुलाई 2021 में भारत के लिए पदार्पण किया था, लेकिन 2021 टी20 विश्व कप में एक कठिन अभियान का सामना करने के बाद, उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और अक्टूबर 2024 में ही वे भारत के लिए दोबारा खेले। तब से, वरुण भारत की टी20 एकादश में नियमित रूप से शामिल रहे हैं और उन्होंने अपना वनडे पदार्पण भी किया है और इस साल की शुरुआत में टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जम्मू के पटेल बाजार में करवा चौथ से पहले चूड़ियाँ खरीदती महिलाएँ।

यमुना नदी को निर्मल बनाना हमारी प्राथमिकता

● नई दिल्ली, (वार्ता)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि यमुना नदी को निर्मल बनाना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए केंद्र सरकार हमारी भरपूर सहायता कर रही है।

गुप्ता ने कहा कि देश की पौराणिक नदी को उसका पुराना गौरव व रूप दिलाने की प्रभावी योजना गुरुवार से शुरू हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नौ अक्टूबर को दिल्ली को आधुनिक सीवरेज नेटवर्क के रूप में एक बड़ी और ऐतिहासिक सौगात देने जा रहे हैं। वह करीब 1816 करोड़ से अधिक की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनमें स्वच्छ जलापूर्ति से जुड़ी योजनाएं तो शामिल है हीं, साथ ही यमुना को निर्मल व स्वच्छ बनाने के लिए कई विशेष प्रोजेक्ट हैं।उन्होंने कहा , यमुना नदी को निर्मल बनाना हमारी प्राथमिकता है और

इसके लिए केंद्र सरकार हमारी भरपूर सहायता कर रही है। उन्होंने कहा कि इन विशेष परियाजनाओं में दशकों पुरानी जल और सीवरेज समस्याओं को दूर करने पर केंद्रित हैं, जो यमुना नदी को लगातार प्रदूषित कर रही हैं। इन योजनाओं में प्रमुख रूप से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और सीवर लाइन्स का निर्माण और उसे दुरुस्त करना शामिल है। इन योजनाओं में स्वच्छ पेयजल को दूर-दराज के इलाकों तक कुशलतापूर्वक पहुंचाने के लिए बूस्टर पंपिंग स्टेशनों को भी इन परियोजनाओं में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह गुरुवार को ओखला में एशिया के सबसे बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का उद्घाटन करेंगे। यह विशाल व आधुनिक प्लांट दिल्ली की लगभग 40 लाख आबादी के सीवेज को शोधित करेगा, जिससे यमुना में सीधे जाने वाले प्रदूषण में भारी कमी आएगी। उन्होंने बताया कि करीब 124 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) की क्षमता वाला यह अत्याधुनिक एसटीपी ओखला में पुराने चार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की जगह लेगा। उन्होंने कहा है कि यमुना नदी का पुनर्जीवन और स्वच्छता हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

पेरिस फैशन वीक के दौरान परिधानों को प्रस्तुत करती मॉडल।

सार संक्षेप

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी

मुंबई: ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर बुधवार को यशराज स्टूडियो पहुंचे। यहां उन्होंने एक्ट्रेस रानी मुखर्जी से मुलाकात की। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने बुधवार को मुंबई में बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी। उन्होंने यशराज स्टूडियो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीईओ अक्षय विधानी से भी मुलाकात की। उन्होंने कौन सी फिल्म देखी इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। स्टार्मर आज ही मुंबई पहुंचे हैं। 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है। उनके साथ व्यापार, संस्कृति और दूसरे क्षेत्रों के 100 से अधिक लोगों का एक डेलिगेशन भी आया है, जिसमें आईटी, ऑटो-मोबाइल सहित कई क्षेत्रों के कारोबारी भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर आज कूपरेज ग्राउंड में एक फुटबॉल कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इसके अलावा शाम को विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात कर सकते हैं।

म्यांमार सेना के हमले में 32 नागरिकों की मौत

नेपिडॉ: म्यांमार सेना की ओर से सोमवार रात सागाइंग क्षेत्र में एक शांतिपूर्ण जुलूस पर की गयी बमबारी में कुछ बच्चों समेत कम से कम 32 लोगों की मौत हो गयी और 50 से ज्यादा लोग घायल हुये हैं। एक स्थानीय अखबार द इरावदी के अनुसार यह शांतिपूर्ण मोमबत्ती जुलूस थादिंग्युत पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार रात सागाइंग क्षेत्र में निकाला गया था। बौद्ध कैलेंडर के अनुसार थादिंग्युत पूर्णिमा एक महत्वपूर्ण धार्मिक दिन होता है और इस दिन को प्रकाश पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि बोन तॉ गांव से शुरू हुए सरकार विरोधी शांति जुलूस पर शाम के सात बजे पैराग्लाइडरों ने दो बम गिराए।

मुंबई हमले पर पीएम कांग्रेस पर भड़के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- मुंबई हमले का जवाब देना चाहती थी सेना

मोदी बोले-कांग्रेस ने विदेशी दबाव में रोक दिया, आतंकियों के सामने घुटने टेके

● मुंबई:

पीएम मोदी बुधवार को दो दिन के मुंबई दौरे पर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया और संबोधन भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 2008 में 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कांग्रेस सरकार ने कार्रवाई न कर कमजोरी का संदेश दिया था और आतंकियों के सामने घुटने टेके थे। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थी, लेकिन सरकार ने विदेशी दबाव में ऐसा नहीं करने दिया। उन्होंने यह बात नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन के दौरान कही। पीएम ने मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम का नाम लिए बिना उनके बयान का जिक्र किया। 30 सितंबर को चिदंबरम ने कहा, 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया। पीएम ने 22 मिनट की स्पीच में ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी रिफॉर्म और विकसित भारत का जिक्र किया। ढट बुधवार को दो दिन के दौरे पर मुंबई पहुंचे। गुरुवार को वे ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर से मिलेंगे। साथियों

मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। 2008 में आतंकियों ने भी मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आतंकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृह मंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थीं। पूरा देश भी यही चाहता था, लेकिन उस नेता की मानें तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका। गरीबों का सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता हैः गरीब हो मिडिल क्लास हो इनका सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता है। इन परिवारों को सुविधा-सम्मान देना उनका सामर्थ्य बढ़ाता है। जीएसटी रिफॉर्म से जो चीजे सस्ती हुई उससे भी देश का सामर्थ्य बढ़ा है। मार्केट के आंकड़े बताते हैं, इस बार नवरात्रि में बिक्री के कई साल के रिकॉर्ड टूटे। मेरा आग्रह है कि गर्व से कहो हम स्वदेशी है, स्वदेशी को अपनाएं। हर घर-बाजार का यही मंत्र होना चाहिए। आज मुंबई का लंबा इंतजार खत्म हुआः यहां दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना। ये एयरपोर्ट इस क्षेत्र को एशिया के सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

ट्रंप फिर पाकिस्तान पर मेहरबान! अमेरिका देने जा रहा है कई मिसाइल

● वाशिंगटन, वार्ता

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान पर एक बार फिर मेहरबान होते नजर आ रहे हैं। खबर है कि पाकिस्तान को अमेरिकी की तरफ से आधुनिक अक्ट-120 एडवांस्ड मीडियम-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल (अटफ्अअट) मिलने वाला है।

यह वही मिसाइल है जिसने 2019 में भारत के मिग-21 बाइसन को निशाना बनाया था, जब विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने बहादुरी से मुकाबला किया था। अब एक बार फिर यह मिसाइल पाकिस्तान के हाथ लगने जा रही है।

अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ वॉर ने हाल ही में जारी एक अधिसूचना में पाकिस्तान का नाम उन देशों में शामिल किया है जिन्हें रेथियॉन कंपनी से अक्ट-120 मिसाइलें मिलेंगी। यह करार करीब 41।6 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त डील का हिस्सा है, जिससे कुल अनुबंध राशि 2।51 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। इस लिस्ट में पाकिस्तान के साथ ब्रिटेन, जापान, सऊदी अरब और तुर्की जैसे बड़े देश भी हैं। मिसाइलों की आपूर्ति मई 2030 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। ये मिसाइलें केवल ऋ16 लड़ाकू विमानों के साथ संगत हैं, जो पाकिस्तान वायुसेना (ढअऱ्) की रीढ़ मानी जाती है।

ढअऱ्पहले से ही अक्ट-120उ5 वर्जऩ का इस्तेमाल कर रही है, जो उसने 2010 में अपने ब्लॉक-52 ऋ16 के साथ खरीदे थे। अब बात चल रही है अक्ट-120उ8 वर्जऩ की, जो अमेरिकी सेना के अक्ट-120ऊ मॉडल का निर्यात संस्करण है। यानी वही मिसाइल जो अमेरिकी पायलट आज अपने विमानों से दागते हैं। यह वर्जऩ 150 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तक दुश्मन के विमान को लॉक कर सकता है और फायर एंड फॉरगेट तकनीक पर काम करता है। हाल के महीनों में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच सैन्य संवाद तेजी से बढ़ा है। जुलाई में पाकिस्तान एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर ने वॉशिंगटन जाकर अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के अधिकारियों से मुलाकात की थी।

पटाखों पर प्रतिबंध के मामले में सुप्रीम कोर्ट 10 को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली: उच्चतम न्यायालय दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध से संबंधित याचिकाओं पर 10 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त करते हुए संबंधित मामले को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। पीठ के समक्ष पटाखा निर्माताओं का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता बलबीर सिंह ने मामले में शीघ्र सुनवाई का आग्रह करते हुए कहा, ₹मैं शुक्रवार की तिथि का अनुरोध करता हूँ, क्योंकि दिवाली अगले सप्ताह है।₹ उन्होंने सुनवाई के लिए गुहार लगाते हुए कहा कि यह मुद्दा पटाखों पर जारी प्रतिबंध और एनसीआर क्षेत्र में ग्रीन पटाखों की बिक्री को लेकर व्याप्त भ्रम से संबंधित है। पछली सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश गवई ने प्रतिबंध को केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित रखने के औचित्य पर सवाल उठाते हुए कहा था, ₹अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना ही है, तो पूरे देश में लगाया जाना चाहिए। अगर एनसीआर के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तो दूसरे शहरों के नागरिकों को क्यों नहीं? हम दिल्ली के लिए एक नीति और बाकी भारत के लिए दूसरी नीति नहीं बना सकते।

तालिबान के समर्थन में भारत-पाकिस्तान साथ आए

मॉस्को: मॉस्को फॉर्मेट कंसल्टेशंस की बैठक 7 अक्टूबर 2025 को मॉस्को में हुई थी। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उस योजना का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान से बगराम एयरबेस वापस लेने की बात कही थी। इस मुद्दे पर तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस ने भारत का सपोर्ट किया है। यह बयान मंगलवार को मॉस्को में हुई 'मॉस्को फॉर्मेट कंसल्टेशंस' की बैठक के बा आया, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधि शामिल थे। मॉस्को फॉर्मेट के बयान में कहा गया- किसी भी देश को अफगानिस्तान या उसके पड़ोसी देशों में अपनी सैन्य सुविधाएं बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए ठीक नहीं है। हालांकि बयान में बगराम का नाम नहीं लिया गया, लेकिन यह ट्रम्प की योजना के खिलाफ साफ संदेश था। भारत की तरफ से विदेश मंत्रालय में अफगानिस्तान और पाकिस्तान मामलों के डिप्टी सेक्रेटरी जेपी सिंह इस बैठक शामिल हुए थे। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से हाथ मिलाने तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से हाथ मिलाने तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी। सभी का एकजुट अफगानिस्तान अफगानिस्तान पर जोरस्को बैठक में यह भी कहा गया कि अफगानिस्तान को एक स्वतंत्र, एकजुट और शांतिपूर्ण देश बनाना चाहिए।

कोलकाता में एसआईआर के नाम एनआरसी लागू करने की कथित साजिश के खिलाफ केंद्रीय चुनाव आयोग कार्यालय पर प्रदर्शन करते लोग।

शाह ने स्वदेशी ई मेल 'जोहो मेल' का इस्तेमाल शुरू किया

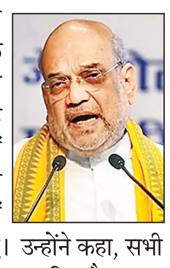

नई दिल्ली: गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक तौर पर अपने ईमेल संचार के लिए स्वदेशी ई मेल सॉफ्टवेयर सेवा ज़ोहो मेल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। शाह ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में जोहो मेल पर अपना नया ईमेल पता साझा किया और अनुरोध किया कि भविष्य में सभी पत्राचार इसी ई मेल पर किये जाएं। उन्होंने कहा, सभी को नमस्कार मैंने ज़ोहो मेल का उपयोग शुरू कर दिया है। कृपया मेरे ईमेल पते में हुए बदलाव पर ध्यान दें। मेरा नया ईमेल पता ' अमितशाह.बीजेपी जोहोमल.इन' है। भविष्य में ई मेल के माध्यम से पत्राचार के लिए कृपया इसी पते का उपयोग करें। इस मामले पर आपके ध्यान देने के लिए धन्यवाद। उल्लेखनीय है कि ज़ोहो एक भारतीय बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी है जो क्लाउड-आधारित व्यावसायिक सॉफ़्टवेयर के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती है। इसकी शुरूआत 1996 में श्रीधर वेम्बू और टोनी थॉमस ने की थी।

ईसी ने पोस्टल बैलट पर जारी किए अहम दिशा-निर्देश

● पटना, वार्ता

भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पोस्टल बैलेट से मतदान करने की विशेष व्यवस्था करने की घोषणा बुधवार को की है।

निर्वाचन आयोग की ओर से जारी बयान के अनुसार, जन- प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत इस विशेष प्रावधान को आयोग लागू करने जा रहा है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और मानक स्तर की दिव्यांगता वाले मतदाता अब पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने घर से मतदान कर सकेंगे। ऐसे मतदाताओं को इसके लिये फॉर्म 12-ऊ भरकर, चुनाव की अधिसूचना जारी होने के 5 दिनों के भीतर अपने बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के माध्यम से रिटर्निंग ऑफिसर को जमा करना होगा। बाद में

आयोग ने कवरेज के लिये अधिकृत मीडिया प्रतिनिधियों को भी 'अनुपस्थित मतदाता' की श्रेणी में शामिल किया

विशेष रूप से गठित पोलिंग टीमें उनके घर जाकर वोट एकत्र करेंगी, जिससे इन नागरिकों को बूथ पर जाकर वोट डालने की आवश्यकता नहीं होगी। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि फायर सर्विस, स्वास्थ्य सेवा, बिजली, ट्रैफिक नियंत्रण, एम्बुलेंस, विमानन और लंबी दूरी की रोड ट्रांसपोर्ट सेवाओं जैसे अत्यावश्यक सेवाओं में कार्यरत कर्मचारी, जो चुनाव के दिन ड्यूटी पर होंगे वे भी पोस्टल बैलेट का उपयोग कर सकेंगे। ऐसे कर्मचारी अपने विभाग के नामित नोडल अधिकारी के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। इस बार आयोग ने चुनाव कवरेज के लिये अधिकृत मीडिया प्रतिनिधियों को भी 'अनुपस्थित मतदाता' की श्रेणी में शामिल किया है। उन्हें भी पोस्टल बैलेट की सुविधा मिलेगी, जिससे वे चुनाव ड्यूटी के चलते अपने मताधिकार से वंचित न रहें। सेवा मतदाता को उनके पोस्टल बैलेट इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पोस्टल बैलेट सिस्टम के माध्यम से प्रत्याशियों की अंतिम सूची तैयार होते ही भेजे जायेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सेवा मतदाताओं को डाक खर्च नहीं वहन करना होगा। निर्वाचन आयोग ने सभी रिटर्निंग ऑफिसर और जिला निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देशित किया है कि वे राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को इन नई व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दें, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

वायु सेना की 93 वीं वर्षगांठ

हिंडन वायु सेना स्टेशन में भव्य परेड

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिह ने परेड का निरीक्षण करते हुए सलामी ली

● नई दिल्ली, (वार्ता)

भारतीय वायु सेना की 93वीं वर्षगांठ पर बुधवार को हिंडन वायु सेना स्टेशन पर एक भव्य परेड का आयोजन किया गया और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने इसका निरीक्षण किया तथा सलामी ली। परेड की शुरुआत गौरव, एकता, शक्ति और सैन्य भावना के प्रतीक राष्ट्रपति ध्वज की मार्चिंग के साथ हुई। तीन एमआई-17 वी हेलीकॉप्टरों ने वायु सेना प्रमुख को उनके आगमन पर 'ध्वज' स्वरूप में राष्ट्रीय ध्वज, भारतीय वायु सेना ध्वज और ऑपरेशन सिंदूर ध्वज के साथ हवाई सलामी दी गई।

ग्रुप कैप्टन चेतन प्रदीप देशपांडे ने

परेड का नेतृत्व किया। वायु सेना बैंड की देशभक्ति धुनों की लय पर वायु योद्धाओं के सटीक और ऊर्जावान कदमों ने समा बांध दिया। इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख ने वायु योद्धाओं को विभिन्न श्रेणियों में कुल 97 पदक और छह यूनिट प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए भारतीय वायु सेना की साधारण शुरुआत से लेकर 'दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वायु सेना' बनने तक की असाधारण यात्रा पर प्रकाश डाला और कहा कि यह सटीकता तथा गति के साथ सैन्य अभियानों को उनके अंजाम तक पहुंचाने में सक्षम है।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना के प्रदर्शन को उसके पराक्रम का प्रमाण बताया जिसमें साहसिक और सटीक हमलों ने राष्ट्रीय चेतना में आक्रामक हवाई हमलों की कार्रवाई को फिर से स्थापित किया। वायु सेना प्रमुख ने स्वदेशी रूप से एकीकृत हथियारों पर भारतीय वायु सेना का भरोसा जताया। वायु सेना प्रमुख ने ₹ जैसे हम लड़ते हैं वैसे ही प्रशिक्षण लें₹ के सिद्धांत पर आधारित प्रशिक्षण और योजना के प्रति अपने दृष्टिकोण का हवाला देते हुए नवाचार और अनुकूलन के प्रति भारतीय वायु सेना की प्रतिबद्धता पर भी ज़ोर दिया। आयोजन स्थल पर नवाचार प्रदर्शनी - प्रतिभा का प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जहां वायु सेना की विभिन्न इकाइयों के वायु योद्धाओं द्वारा कल्पित विचारों और समाधानों को प्रदर्शित किया गया।

गाजियाबाद के हिंडन एयर फोर्स स्टेशन पर भारतीय वायु सेना दिवस की 93वीं वर्षगांठ परेड के दौरान एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में मनाई गई आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती, नगर में गूंजे रामायण पाठ और भक्ति गीत

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सोनभद्र। नगर में मंगलवार को आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती बड़े हर्ष और श्रद्धा के साथ मनाई गई। श्रीराम जानकी मंदिर, रॉबर्ट्सगंज में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर और महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर रामायण पाठ और भक्ति संगीत से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। कार्यक्रम का आयोजन शासन के निदेर्शानुसार जिलाधिकारी श्री बद्री नाथ सिंह के मार्गदर्शन में किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई, जिसके बाद महर्षि वाल्मीकि जी की जीवन शिक्षाओं और उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन इस बात का उदाहरण है कि आत्मज्ञान और भक्ति की शक्ति से मनुष्य अपने जीवन का संपूर्ण परिवर्तन कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर समाज में सद्भाव, सत्य और आस्था का संदेश फैलाना चाहिए। जयंती अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा पंजीकृत सांस्कृतिक दल गीता रानी एंड लोक गीत पार्टी और कमलेश कुमार एंड लोक गीत पार्टी के कलाकारों ने वाल्मीकि रामायण पाठ, भजन और भक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। गीतों और पाठ के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि जी की दिव्य गाथा और भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में श्रीराम जानकी मंदिर के पुजारी, सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश भारती, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित नगर के कई गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु और भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों को नमन किया। अंत में कार्यक्रम के संचालकों ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि न केवल रामायण के रचयिता थे, बल्कि उन्होंने मानवता, समानता और ज्ञान के मार्ग को समाज के सामने स्थापित किया। उनकी जयंती हमें यह प्रेरणा देती है कि भक्ति, समर्पण और कर्म से जीवन को नई दिशा दी जा सकती है। भक्तों ने जयकारों के बीच इस पावन अवसर को भक्ति और प्रेरणा के उत्सव के रूप में मनाया।

जनवरी 26 को होगा बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश का चुनाव

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं के लिए एक अहम खबर सामने आई है। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश का चुनाव आगामी 26 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन 10 नवंबर 2025 तक जारी कर दिया जाएगा। यह जानकारी बार काउंसिल के प्रत्याशी एवं संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। मिश्र ने बताया कि हाल ही में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद जारी सूचना में स्पष्ट किया गया कि इस बार चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को चुनाव अधिकारी नियुक्त करने पर सहमति बनी है। यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि चुनाव शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और विश्वसनीय ढंग से संपन्न हो। बैठक में अधिवक्ताओं से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई। राकेश शरण मिश्र ने बताया कि अक्इए-19 परीक्षा पास करने वाले सभी अभ्यर्थियों को शीघ्र ही सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस जारी किए जाएंगे। साथ ही जिन अधिवक्ताओं की उडढ की वैधता वर्ष 2023, 2024 या 2025 में समाप्त हुई है या होने वाली है, वे सभी बिना नवीनीकरण फॉर्म भरे इस चुनाव के मतदाता सूची में शामिल रहेंगे। इस निर्णय से बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं को राहत मिलने की संभावना है। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी बताया गया कि बार काउंसिल ने तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं ताकि पूरे प्रदेश के अधिवक्ता समय पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। काउंसिल की ओर से सभी जिला इकाइयों को भी दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिससे मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके। राकेश शरण मिश्र ने प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं से अपील की कि वे आगामी बार काउंसिल चुनाव में उत्साहपूर्वक भाग लें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

महिला आयोग सदस्य गीता विश्वकर्मा ने किया निरीक्षण

महिला बंदियों व बच्चों की सुविधाओं पर दिए सख्त निर्देश

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती गीता विश्वकर्मा ने बुधवार को जनपद सोनभद्र में महिला सुरक्षा और कल्याण से जुड़ी संस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला कारागार, वन स्टॉप सेंटर और आश्रम पद्धति विद्यालय का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती विश्वकर्मा ने सबसे पहले जिला कारागार पहुंचकर महिला बंदी गृह की स्थिति देखी। उन्होंने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों को साफ-सफाई को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित सभी मूलभूत सुविधाएं – जैसे भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छ जल और परामर्श सहायता – समय पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जेल में रह रही महिलाओं के लिए पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाए, ताकि वे रिहाई के बाद आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

इसके बाद महिला आयोग सदस्य वन स्टॉप सेंटर पहुंचीं, जहां उन्होंने पीड़ित महिलाओं के लिए चल रही सहायता सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली, रिकॉर्ड रजिस्टर और वहां रह रही महिलाओं की स्थिति का विस्तृत निरीक्षण किया। श्रीमती विश्वकर्मा ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि वन स्टॉप सेंटर उन महिलाओं के लिए जीवनरेखा है जो घरेलू हिंसा या किसी अन्य उत्पीड़न का सामना कर रही हैं। अतः यहां की सेवाएं संवेदनशील और त्वरित होनी चाहिएं ताकि हर पीड़िता को न्याय और सुरक्षा की भावना मिल सके।

निरीक्षण का अगला चरण आश्रम पद्धति विद्यालय रहा, जहां उन्होंने छात्र-छात्राओं से संवाद किया और उनकी पढ़ाई, भोजन, स्वास्थ्य और आवासीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

अपने कटर प्लांट पर बैठें खनन व्यवसाई पर जानलेवा हमला

***व्यवसाई ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की किया मांग**

अहरौरा मिर्जापुर। क्षेत्र के कुदारन स्थित पहाड़ी पर अपने कटर प्लांट पर बुधवार की देर रात्रि बैठें खनन व्यवसाई जयप्रकाश सिंह पर कुछ दबंग लोगों ने जानलेवा हमलाकर मारपीट कर बेहोश कर दिया और भाग निकले।

व्यवसाई जयप्रकाश सिंह पुत्र स्व लालबहादुर सिंह निवासी कन्हई पुर ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया की चंदन पांडेय व कुंदन पांडेय पुत्र पारस पांडेय निवासी मुजडीह अहरौरा मेरे खदान के बगल में स्थित एक खदान पर पेटी पर काम करता है रात्रि में अवैध परिवहन मेरे प्लांट के बीच रास्ते से कर रहा था मना करने पर अपने साथियों के साथ मेरे ऊपर जानलेवा हमलाकर मारपीट कर बेहोश कर दिया।

घटना में शोर शराबा की आवाज सुनकर जब कटर प्लांट के कर्मचारी पहुंचे तो हमलावर भाग निकले। घायल जयप्रकाश सिंह का उपचार निजी चिकित्सालय में कराया गया। प्रभारी निरीक्षक सदानंद सिंह ने बताया की तहरीर मिली है जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी ने छात्रा प्राची कश्यप को दिया बधाई

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार महिला सशक्तिकरण एवं बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अंतर्गत जनपद गाजीपुर में एक दिन की जिलाधिकारी (01 दिन की डीएम) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, महुआबाग, गाजीपुर की कक्षा 12 की छात्रा प्राची कश्यप को एक दिन की जिलाधिकारी के रूप में मनोनीत किया गया। छात्रा प्राची कश्यप ने आज कलेक्ट्रेट सभागार, गाजीपुर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में जनसुनवाई करते हुए जनपद के विभिन्न नागरिकों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागों को निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास और प्रशासनिक समझ विकसित करना था, जिससे वे भविष्य में समाज सेवा और शासन-प्रशासन के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा सकें। एक दिन की जिलाधिकारी बनने के अनुभव से छात्राओं में निर्णय क्षमता, उत्तरदायित्व एवं संवेदनशीलता की भावना का विकास होता है। इस अवसर पर जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने छात्रा प्राची कश्यप को बधाई देते हुए कहा कि मिशन शक्ति अभियान का यह स्वरूप बालिकाओं को प्रेरित करता है कि वे बड़े सपने देखें और समाज के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ सशक्त बनाना है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किट वितरित कर किया सम्मानित

सोनभद्र मॉडल की सराहना

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सम्पूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं को आंगनबाड़ी किट और हेल्थ किट वितरित कर उनके कार्यों की सराहना की। समारोह के दौरान राज्यपाल महोदया ने पांच आंगनबाड़ी कार्यकताओं को प्रतीक स्वरूप किट प्रदान कीं और कहा कि ये कार्यकर्ता ग्रामीण समाज की जमीनी कड़ी हैं, जो मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) मद के अंतर्गत आंगनबाड़ी किट उपलब्ध कराने वाली औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित संस्थानों में एनसीएल सिंगरौली द्वारा 100 किट, एनसीएल बीना, हिंडाल्को रेनुकूट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई राबर्ट्सगंज और बिरला कार्बन द्वारा 25-25 किट प्रदान की गईं। कुल मिलाकर 225 किटें विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के सहयोग से आंगनबाड़ी कार्यकताओं तक पहुंचाई गईं।

मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने बताया कि जिला खनिज फाउंडेशन निधि के माध्यम से 200 अतिरिक्त हेल्थ किट आंगनबाड़ी केंद्रों को प्रदान की जा रही हैं, जिससे बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य की निगरानी और सुधार में सहायता मिलेगी।

अंग्रेजो ने हिन्दू राष्ट्र से नेपाल, भुटान, तिब्बत, श्रीलंका, वर्मा को अलग कर भारत को किया कमजोर

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के विजयदशमी उत्सव के उदघाटन सत्र में नगर के भाऊराव देवरस बस्ती के विवेकानन्द शाखा का विजयदशमी उत्सव आमघट स्थित स्थानीय मैरेजहाल के प्रांगण मे मनाया गया। उत्सव में मुख्य अतिथि काशीप्रान्त प्रचारक रमेश ने सर्वप्रथम भारत माता व संघ के संस्थापक डा. केशव बलिराम हेडगेवार व माधव सदाशिवराव गोलवरकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्जवलित किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की जरूरत क्यो पड़ी उसपर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि भारव वर्ष हमारा छोटे छोटे राज्यो मे विभक्त था जिससे कई बाहरी आक्रान्ता आये और उन छोटे छोटे राज्यो को संगठित न होने से अपने राज्य का विस्तार करने लगे जिससे हिन्दु परम्परा व संस्कृति का ह्रास हुआ और हिन्दुओ का पतन हुआ। 7वीं शताब्दी मे आदि गुरूशंकरा चार्य ने पूरे भारत भ्रमण कर मठो व मंदिरो मे विद्यतजनो से शास्त्रार्थ किया और निरंजन अखाड़ा, निमोर्ही अखाड़ा, उदासीन अखाड़ा जैसे सभी अखाड़ो मे जाकर शास्तार्थ कर उन्हे धर्म की रक्षा के लिए प्रेरित किया। जो हिन्दू धर्म की रक्षा करते हुए नागा साधुओ व संतो को शस्त्र विद्या सिखाकर उन्हे धर्म की रक्षा मे लगाया गया। हमारे देश के असंगठित लोग संगठित अंग्रेजो का मुकाबला नही कर पाये और अंग्रेज यहा पर चर्च के पादरी, एसपी डीएम सीएमओ व कर्नल, जनरल बनकर हमारे हिन्दुओ को अपने सेना मे सिपाही बनाकर कर संगठित सेना के बल पर सौ वर्षो तक शासन किया। हिन्दुओ मे अभिव्यक्ति निर्माण व पूराने शौर्य को स्मरण कराने के लिए भगवाध्वज को आदर्श माना और देश मे फैले आसुरी शक्ति व राक्षसो के विनाश के लिए भगवान श्रीराम व हनुमान ने धर्म की रक्षा के लिए समाज को जगाने का कार्य किया उसी से प्रेरित होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की गयी। भारत हिन्दू राष्ट्र है अंग्रेजो ने भारत को कमजोर करने के लिए 1904 में नेपाल को अलग कर दिया 1906 मे भुटान को अलग किया।

सरदार सेना ने मृतक आश्रित बच्चों का कराया ऐडमिशन

रिपोर्टर -अनुप कुमार, अहरौरा मिर्जापुर । थाना अंतर्गत इमलिया चट्टी चौकी अंतर्गत विगत माह जरगो बांध काण्ड में मृतक प्रदीप पटेल के घर पहुंचे सरदार सेना के मड़िहान विधानसभा प्रभारी चंद्रभान सिंह द्वारा निर्धन परिवार के दोनों बच्चों को पढाने की जिम्मेदारी संगठन द्वारा ली गई थी ,जिसके क्रम में गुरुवार को मृतक प्रदीप पटेल के घर पहुंच कर उनकी पत्नी प्रियंका पटेल संग बच्चों को लेकर क्षेत्र के

S.P. Education सेमरा स्कूल पहुंच कर मृतक प्रदीप पटेल के बेटा प्रतीक पटेल उम्र 5 वर्ष को एडमिशन कराने का किए गए वादे के अनुसार पुनीत कार्य किया ।वही बेटी ओमीका पटेल जो अभी छोटी है , जिसके एडमिशन के लिए सरदार सेना ने अगले वर्ष एडमिशन कराए जाने का संकल्प भी लिया। सरदार सेना के चंद्रभान सिंह ने कहा कि बच्चों को उच्च शिक्षा तक सरदार सेना पूरे खर्च की जिम्मेदारी उठाएगी। एडमिशन कराने के दौरान सरदार सेना के अन्य साथी मोहन सिंह पटेल, संतोष यादव, संजय पासवान,विनय पटेल उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों की सेहत के लिए सोनभद्र में आयोजित हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिले में बुजुर्गों के स्वास्थ्य संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेशनल प्रोग्राम फॉर हेल्थ केयर ऑफ एल्डर्ली के अंतर्गत वृद्धाश्रम, छपका, रॉबर्ट्सगंज में 8 अक्टूबर 2025 को आयोजित हुआ। शिविर की अध्यक्षता अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. प्रेमनाथ ने की।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए जांच और परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई। शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ. गणेश प्रसाद, साइकेट्रिक सोशल वर्कर सौरभ सिंह, फाइनेंस एंड लॉजिस्टिक कंसल्टेंट राहुल कुमार कन्नौजिया सहित कई विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे। डॉ. गणेश प्रसाद ने बुजुर्गों को हाइपरटेंशन और डायबिटीज जैसी बीमारियों के कारण, लक्षण और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था में तनाव से दूर रहना और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना बेहद जरूरी है। नियमित दवा सेवन और डॉक्टर की सलाह का पालन करने से कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है।

साहित्य प्रेम के सम्मान में सोन साहित्य संगम ने नरेंद्र पांडेय को किया सम्मानित

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सोनभद्र। साहित्य और सृजनशीलता के प्रति गहरी निष्ठा रखने वाले नरेंद्र पांडेय को सोन साहित्य संगम सोनभद्र की ओर से सम्मानित किया गया। नगर के सोन साहित्य संगम कार्यालय में आयोजित इस सम्मान समारोह में संस्था के संयोजक, वरिष्ठ अधिवक्ता, पत्रकार एवं कवि राकेश शरण मिश्र ने उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर और अपनी चर्चित काव्यकृति खामोश कैसे रहूं भेंट कर सम्मानित किया।

राकेश शरण मिश्र ने बताया कि यह सम्मान समाज में साहित्यिक भावना को प्रोत्साहित करने और रचनात्मकता के प्रति समर्पण को सराहने का एक छोटा सा प्रयास है। उन्होंने कहा कि सोन साहित्य संगम सदैव उन व्यक्तित्वों को सम्मानित करता है जो अपने कार्यक्षेत्र के साथ-साथ साहित्य, कला और समाजसेवा के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण रखते हैं।

सम्मान प्राप्त करने के बाद भावुक हुए नरेंद्र पांडेय ने कहा कि यह क्षण उनके जीवन का अविस्मरणीय

अनुभव रहेगा। उन्होंने राकेश शरण मिश्र और सोन साहित्य संगम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है और इसे संजोने के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत प्रेरणादायक हैं। पांडेय वर्तमान में राबट्र्सगंज स्थित स्टेट बैंक शाखा बस स्टेशन में होमलोन अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद कविता और साहित्य के प्रति गहरी रुचि रखते हैं।

स्वच्छता और रोग-मुक्त जीवन का संदेश लेकर निकली जागरूकता रैली

31 अक्टूबर तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

(सोनभद्र ब्यूरो जूही खान की रिपोर्ट) सोनभद्र। जनपद में संक्रामक बीमारियों से बचाव और जनजागरूकता के उद्देश्य से रविवार को संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य विकास अधिकारी महोदया ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया। रैली के माध्यम से नगरवासियों को स्वच्छता अपनाने, बुखार के प्रति सावधानी बरतने और रोग-मुक्त जीवन जीने का संदेश दिया गया।

अभियान के तहत 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम चलाया जाएगा, जबकि 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान के रूप में घर-घर जाकर लोगों को बीमारियों से बचाव के उपाय बताए जाएंगे। रैली में आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी और नगर पालिका के सफाईकर्मी शामिल हुए, जिन्होंने शहर के विभिन्न इलाकों में जागरूकता नारे लगाते हुए लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त समाचार

गोला पुलिस ने गायब 15-16 मोबाइल बरामद किए: थाना प्रभारी ने पीड़ितों को उनके फोन वापस सौंपे

लखीमपुर-खीरी। की गोला कोतवाली पुलिस ने गायब हुए 15 से 16 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों को उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिया गया है गोला थाना प्रभारी अम्बर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों से इन मोबाइल फोनों को बरामद करने में सफलता हासिल की। यह कार्रवाई गायब की शिकायतों पर की गई जांच के बाद हुई। बरामद किए गए सभी 15-16 मोबाइल फोन गोला कोतवाली परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में पीड़ितों को वितरित किए गए। मोबाइल फोन वापस मिलने से पीड़ितों को उनके खोए हुए सामान की वापसी हुई। पुलिस की इस पहल से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को लेकर सकारात्मक संदेश गया है।

तिलक नगर महिला मंडल द्वारा लखनऊ के होटल गंगा ग्रीन में डांडिया रास का आयोजन किया गया

लखनऊ। विभिन्न क्षेत्रो से महिलाओं ने हिस्सा लिया। यह इस की मुख्य सुचादिका विनीता तिवारी एवं नम्रता जैन है। कायकम बहुत ही धूमधाम से मनाया गया सबने डाडिया व नृत्य में बड चढकर हिस्सा लिया। यिक्रम की शुरूआत भगवान गुणेश जी की बदना के साथ हुआ। इस उत्सव में महिला ने नृत्य गायन एवं खेलो का भी आनन्द लिया। इस उत्सव में मुख्य रूप से विनीता तिवारी, ममता जैन शशी सोनी अंजसोनल, अनिता, चारु एवं आंजुला आदि उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति लापता, गुमशुदगी दर्ज

सरोजनीनगर लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र से मंगलवार शाम एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद उसके दोस्त के बेटे ने गुमशुदगी दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के टीपी नगर स्थित मुंशी खेड़ा निवासी शिवकुमार के मुताबिक उनके पिता के दोस्त बिजनौर के न्यू गुड़ौरा निवासी अमित कुमार (41) की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उनका पीजीआई से इलाज चल रहा है। शिवकुमार का कहना है कि 7 अक्टूबर मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे अमित अचानक अपने घर से कहीं चले गए। काफी देर बाद भी वापस न लौटने पर रिश्तेदारों और परिचितों के यहां खोजबीन की गई। लेकिन अमित का कहीं पता नहीं चल सका। फिलहाल पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर अमित का पता लगाने में जुट गयी है।

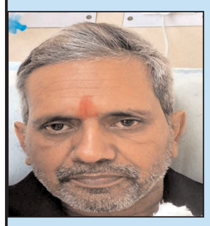

महल ज्वेलरी शोरूम का भव्य उद्घाटन

लखनऊ। शहरवासियों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बना महल ज्वेलरी शोरूम, जिसका भव्य उद्घाटन आज के करकमलों द्वारा किया गया। यह शोरूम अपनी उत्कृष्ट डिजाइनों, विश्वसनीयता और आधुनिक ज्वेलरी कलेक्शन के लिए जाना जाएगा। इस अवसर पर महल ज्वेलरी के निदेशक ने बताया उद्घाटन कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिक, फैशन व ज्वेलरी जगत से जुड़े लोग, तथा मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शोरूम में ग्राहकों के लिए विशेष उद्घाटन ऑफर भी रखे गए हैं, जो सीमित समय के लिए उपलब्ध रहेंगे। महल ज्वेलरी अपने उत्कृष्ट डिजाइनों, गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ ग्राहकों को एक नई अनुभव यात्रा पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अशोक मोतियानी सिंधु सभा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

लखनऊ। सिंधी समाज के प्रतिष्ठित और बड़े संगठन सिंधु सभा लखनऊ का चुनाव इसी सप्ताह होना है। इस चुनाव में नामांकन करने और पर्चा दाखिल करने की अंतिम तारीख निकल चुकी है। वहीं, नौ अक्तूबर को नाम वापसी का समय है। उससे पहले ही अध्यक्ष पद पर दावेदारी के लिए महज एक नामांकन हुआ है। यह नामांकन अशोक मोतियानी ने किया है। इससे अशोक मोतियानी का सिंधु सभा का अध्यक्ष बनना तय हो गया है। अब चुनाव अधिकारी की घोषणा बाकी है। वहीं, महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद पर दो-दो उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की है। जिसमें महामंत्री पद के एक उम्मीदवार ने अपना नाम वापस ले लिया है। अब यदि गुरुवार 9 अक्टूबर तक कोषाध्यक्ष पद पर दो उम्मीदवारों में एक नाम वापस न हुआ तो अगले दिन शुक्रवार को चुनाव होंगे। निर्विरोध निर्वाचित होने वाले अध्यक्ष अशोक मोतियानी का कहना है कि इस बार मनोनयन होने वालों में पिछली बार के निष्क्रिय पदाधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाएंगे साथ ही इस बार महिलाओं को भी संगठन में जगह दी जाएगी।

आठ विज्ञान शिक्षकों का आईआईटी कानपुर के परिसर में पांच दिवसीय आई सी टी प्रशिक्षण हुआ संपन्न

आईसीटी प्रशिक्षण में कुल 15 प्रशिक्षकों ने किया प्रतिभाग

लखनऊ। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने इतिहास में पहली बार ,उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की अपने यहां आवासीय कंप्यूटर प्रशिक्षण की व्यवस्था करने की शुरूआत की। जिसका प्रारंभ एससीईआरटी ,उत्तर प्रदेश द्वारा चुनिंदा विज्ञान शिक्षकों के चुने जाने के साथ हुआ।

ज्ञात हो कि पूरे उत्तर प्रदेश से विज्ञान के पीएम श्री विद्यालय ,कंपोजिट विद्यालय तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय के उम्दा काम करने वाले शिक्षकों को चिन्हित कर चयनित किया गया। जिनमें से अधिकांश पुरस्कृत शिक्षक भी थे, तथा उन्हें पांच दिवसीय आईसीटी यानी कि कंप्यूटर से संबंधित एडवांस प्रशिक्षण आईआईटी कानपुर में आईआईटी की फैकल्टी तथा अन्य तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

आईआईटी चेन्नई से आए प्रोफेसर रामकुमार और आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मधुकर वार्ष्णेय द्वारा यह प्रशिक्षण दिया जा रहा था ,जिसमें उन्नाव जनपद से आईसीटी का प्रशिक्षण लेने के लिए चयनित नाम में से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका स्नेहिल पांडेय,शिखा मिश्रा ,सारिका चतुर्वेदी,प्रज्ञा त्रिवेदी ,रवि किरण सिंह, विनीता मिश्रा,अंकिका त्रिपाठी तथा विनय कुमार आदि शिक्षक सम्मिलित हुए।

शिक्षकों ने बताया उनके लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुप्रसिद्ध प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रशिक्षकों द्वारा

उन्हें पाइथन, वेब लर्निंग, वेबसाइट डिजाइनिंग, एनीमेशन पेज डिजाइनिंग ,गूगल शीट्स, गूगल फॉर्म्स, डिजिटल हस्ताक्षर,स्क्रैच, एच टी एम एल,जेमिनी तथा कोडिंग आदि जैसे चैलेंजेस विषय पढ़ाए गए।

जिसका उद्देश्य है उत्तर प्रदेश के सभी ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को कोडिंग सिखाना तथा उत्तर प्रदेश के विकसित कदमों को मजबूत करते हुए डिजिटल साक्षरता की दिशा में उत्तर प्रदेश को पूरे भारत में प्रथम स्थान पर स्थापित करना।

यह अपने आप में अब तक का सरकारी स्कूलों में किया गया सर्वाधिक अनूठा प्रयास है, इसकी सभी शिक्षकों ने ज्वाइंट डायरेक्टर पवन सचान के ऑनलाइन जुड़ने पर प्रशंसा की। सभी शिक्षकों का रुकने का आवासीय इंतजाम तथा भोजन आदि का प्रबंध ब्लू वर्ल्ड होटल के अति आधुनिक सुविधाओं से लैस , भव्य होटल में किया गया था। 3 से 7अक्टूबर तक चले इस पूरे कार्यक्रम में लगभग 15 प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया, शिक्षकों को अंतिम दिन कानपुर के प्रसिद्ध मंदिर इस्कॉन टेंपल आदि भी भ्रमण कराया गया। तथा पूरे प्रदेश से अभी तक लगभग पांच चरण में 200 के बैच में 1000 शिक्षक प्रशिक्षित हो चुके हैं। यह प्रशिक्षण अभी आगे 6 हफ्तों तक ऑनलाइन चलेगा। इसके बाद पुनः ऑफलाइन शिक्षकों को बुलाकर उनकी मॉनिटरिंग की जाएगी।

ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान श्रम विभाग की कमिश्नर सौम्या पांडे तथा आईआईटी चेन्नई से पधारी माइक्रोसॉफ्ट में काम कर चुकी प्रोफेसर श्रुति एवं अन्य मोटिवेशनल स्पीकर भी सम्मिलित हुए ,प्रशिक्षण के दौरान संयुक्त सचिव पवन सचान ने सभी शिक्षकों का मार्गदर्शन एवं मोटिवेट करते हुए कहा कि उनका सपना है कि प्रदेश भर के विद्यालयों के बच्चे कंप्यूटर फ्रेंडली हो सकें और कोडिंग आदि पर अपनी कार्यशैली से लोगों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दें। प्रदेश के लगभग 45000 बच्चों को कंप्यूटर सिखाने के सपने की शिक्षक प्रशिक्षण के रूप में आईआईटी कानपुर कैंपस में यह एक पहली शुरूआत हुई है।

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने किया जोन-3 का निरीक्षण

अव्यवस्थाओं पर दिखाई सख्ती सफाई व्यवस्था में सुधार के दिए निर्देश

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बुधवार को जोन-3 का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था, सार्वजनिक स्थलों की स्थिति, अवैध अतिक्रमण तथा कूड़ा उठान से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए।निरीक्षण की शुरूआत जोन-3 के विभिन्न पड़ावों से की गई। नगर आयुक्त ने सेक्टर-ल पड़ाव को व्यवस्थित करने, जोनल ऑफिस पड़ाव घर को शिफ्ट करने तथा इंजीनियरिंग कॉलेज पड़ाव से समय पर कूड़ा उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके बाद उन्होंने जोनल ऑफिस और पुरनिया

चौराहे के पास बने सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण किया और उन्हें स्वच्छ एवं सुचारू रूप से संचालित रखने के सख्त निर्देश दिए।

नावेल्टी सिनेमा के पीछे प्रगति मार्केट क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अवैध रूप से बनी दुकानों को हटाने का आदेश दिया। साथ ही मार्केट में फैली गंदगी को लेकर वेंडरों पर चालान करने और छरअ की गाड़ी समय पर भेजने के निर्देश सफाई निरीक्षक को दिए।सीएम ग्रिड योजना के तहत चल रहे कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कार्य में तेजी लाने को कहा ताकि दुकानदारों को असुविधा न हो।

सुर ताल संगम के वार्षिकोत्सव समारोह में कलाकारों का किया गया सम्मान

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था सुर ताल संगम द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव एवं राष्ट्रीय स्तर की गायन प्रतियोगिता आवाज ही पहचान है - का भव्य ग्रैंड फिनाले इंटरनेशनल बौद्ध रिसर्च सेंटर ऑडिटोरियम,गोमतीनगर में संपन्न हुआ।यह आयोजन भारत रत्न लता मंगेशकर जी को समर्पित एक विशेष संगीतमय श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया गया।जिसमें देशभर से चयनित श्रेष्ठ गायन प्रतिभाओं ने भाग लिया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारत गौरव डॉ. अनीता सहगल ह्लवसुंधराह्व ने सभी प्रतिभागियों और संस्था के प्रमुख पदाधिकारियों को बधाइयां और शुभकामनाएं दीं।अति विशिष्ट अतिथियों में डॉ.आलोक दीक्षित,राजेश जायसवाल एवं अनूप

श्रीवास्तव तथा विशेष अतिथियों में कमलेश कुमार पाठक,दिनेश सहगल,अभय श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।जिन्होंने संस्थान के प्रयासों की सराहना की।इस भव्य समारोह में मुख्य आकर्षण के रुप में मुंबई से आमंत्रित कलाकार आद्या श्रीवास्तव,दिव्यांग कलाकार शबीना सैफी और इंदौर मध्यप्रदेश निवासी रियलिटी शो सेलिब्रिटी आर्टिस्ट मानसी पांडेय आदि के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका डॉ.जया श्रीवास्तव एवं अविजीत के युगल सुरों ने कार्यक्रम को चरमोत्कर्ष पर पहुँचा दिया। संस्था की निदेशक डॉ.जया श्रीवास्तव ने बताया कि यह मंच देशभर के गायकों को एक राष्ट्रीय पहचान देने का प्रयास है,जहाँ संगीत के माध्यम से एकता,संस्कृति और संवेदना को एक साथ पिरोया जाता है।

जीएसटी रिफॉर्म से जनता में बढ़ेगी परचेसिंग पावर होगी अर्थव्यवस्था मजबूत

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर विधानसभा में निरालानगर स्थित जेसी गेस्ट हाउस में व्यापारी सम्मेलन कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने की। मुख्य अतिथि एलएमसी मुकेश शर्मा, उत्तर विधायक डॉ नीरज बोरा ने उपस्थित वरिष्ठ व्यापारियों को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया।

लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश के व्यापारियों और उपभोक्ताओं को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने 12 और 28 प्रतिशत वाले जीएसटी स्लैब को समाप्त कर आम जनता को सीधा लाभ पहुंचाया है।आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम है। केंद्र और प्रदेश सरकार व्यापारी वर्ग के विकास व समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं।

मुख्य अतिथि एलएमसी मुकेश शर्मा ने

कहा कि भारत के लिए भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक वरदान के रूप में है 1 जुलाई 2017 को जीएसटी पूरे देश भर में लागू हुआ यह भागीरथी प्रयास था क्योंकि हम सब भी व्यापार जगत से व्यापारी है तो हम उसे दर्द को जानते हैं और जीएसटी लागू होने के बाद क्योंकि यह नई व्यवस्था लागू हुई थी उसके अभ्यास होने में व्यापारियों को कुछ समय लगा धीरे-धीरे और हम सब उसके लिए अभ्यास हो गए तब हमें मालूम पड़ा कि जीएसटी से किस प्रकार से हमें लाभ हुआ है एक देश एक टैक्स का रूप देते हुए जीएसटी लागू किया गया और जीएसटी लागू होने के बाद उसके बाद जो अभी प्रधानमंत्री मोदी जी ने पूरे देश को नवरात्रि के अवसर पर जीएसटी रिफॉर्म में 5% 12% 18 और 28% उसमें दो स्लैप 12 और 28% का समाप्त करके देश में सिर्फ दो स्लैप 5% और 12% का स्लैप देश भर में लागू करके व्यापारियों और जनता को एक बहुत बड़ी राहत दी और भारत की अर्थव्यवस्था को एक बड़ी तेजी तक देने का काम किया। और अब जो यूनिफॉर्म हुआ है जो जीएसटी में वस्तुओं में राहत मिली है दिनचर्या में उपयोग आने वाली चीजों में लगभग तमाम चीजों में एक बड़ा परिवर्तन टैक्स में आया है और इससे जो बचत होने वाली है एक अनुमानित बचत 48000 करोड रुपए की होने वाली है और स्टेट बैंक में जब इसका अनुमान लगाया जिसका जिक्र कि बाजार में कितना बड़ा परचेसिंग पावर बढ़ाने वाली है वह स्टेट बैंक के अनुसार लगभग चार गुणा होने वाली है और लगभग 2 लाख करोड रुपए की परचेस पावर बढ़ाने वाली है हम संपूर्ण भारत की बात करें तो जीडीपी में इस रिफॉर्म से जो बदलाव आने वाला है जीडीपी में पॉइंट 2 से लेकर पॉइंट 3% की बढ़ोतरी होने वाली है यह ऐतिहासिक कदम है।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350 वें शहीदी पर्व

***पटना साहिब से प्रारम्भ हुई जाग्रति यात्रा का आज लखनऊ पहुँचने पर जगह - जगह होगा स्वागत**

लखनऊ। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350 वें शहीदी पर्व के अवसर पर तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब द्वारा जागृति यात्रा पटना साहिब से चलकर कई प्रदेशों में होती हुई दिनांक 9 अक्टूबर को कानपुर के रास्ते लखनऊ में आ रही है` जाग्रति यात्रा के लखनऊ पहुँचने पर समस्त गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सेवादारों एवं श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया जायेगा, यात्रा के स्वागत हेतु तैयारियां की जा रही हैं। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि शहीदी यात्रा शाम 4:00 बजे लखनऊ में सरोजिनी नगर पहुंचेगी एवं ट्रांसपोर्ट नगर, कृष्णा नगर, सिंगार नगर, पटेल नगर, सदर होते हुए नाका गुरुद्वारा से होते हुए देर रात गुरुद्वारा यहियागंज पहुंचेगी` इस

यात्रा में पुरातन शस्त्र एवं ऐतिहासिक निशानियां भी मौजूद हैं यात्रा 9 अक्टूबर रात गुरुद्वारा यहियागंज में रुक कर 10 अक्टूबर को प्रातः 10:00 बजे सीतापुर के लिए रवाना होगी। इस अवसर पर गुरुद्वारा यहियागंज में विशेष समागम होंगे।

मुफ्तीगंज गर्ल्स इंटर कॉलेज में चला मिशन शक्ति अभियान

छात्राओं को सिखाया गया गुड टच-बैड टच का महत्व मिशन शक्ति 5.0 सीख और सपनों का अनूठा संगम,बढ़ी सुरक्षा की समझ

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज क्षेत्र स्थित गर्ल्स इंटर कॉलेज मुफ्तीगंज में मिशन शक्ति अभियान के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय की प्रधानाचार्या निखत रशीद के निर्देशन में किया गया।कार्यक्रम में लगभग 80 से 100 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, महिला अपराधों से बचाव, साइबर सुरक्षा,सीईआईआर पोर्टल, `यूपी कॉप ऐप, तथा हेल्पलाइन नंबर,1090, 112, 108, 1098, 1076,के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में अब तक 54 थानों पर

मिशन शक्ति केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रत्येक केन्द्र पर निरीक्षक,अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक और महिला उपनिरीक्षक नियुक्त हैं,जो महिलाओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं।कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब वे स्वयं को अधिक सुरक्षित, जागरूक और आत्मविश्वासी महसूस कर रही हैं।यह आयोजन न केवल आत्म-सुरक्षा की सीख देने वाला रहा, बल्कि छात्राओं के सपनों और रचनात्मकता को भी नई उड़ान देने वाला साबित हुआ।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षा आत्मविश्वास और आत्म-सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना रहा।

हिन्दी और उर्दू के सर्वाधिक लोकप्रिय उपन्यासकार,की पुण्यतिथि पर हुई गोष्ठी

गंजडुण्डवारा। नगर के ज्ञान दीप विद्या मंदिर मेँ शिक्षा विकास समिति द्वारा आचार्य मुंशी प्रेमचंद्र की पुण्यतिथि पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी मेँ पवन सक्सेना नें बताया कि धनपत राय श्रीवास्तव जो प्रेमचंद नाम से जाने जाते हैं, वो हिन्दी और उर्दू के सर्वाधिक लोकप्रिय उपन्यासकार, कहानीकार एवं विचारक थे। उन्होंने सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान आदि लगभग डेढ़ दर्जन उपन्यास तथा कफन, पूस की रात, पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, बूढ़ी काकी, दो बैलों की कथा आदि तीन सौ से अधिक कहानियाँ लिखीं।

उनमें से अधिकांश हिन्दी तथा उर्दू दोनों भाषाओं में प्रकाशित हुईं। उन्होंने अपने दौर की सभी प्रमुख उर्दू और हिन्दी पत्रिकाओं जमाना, सरस्वती, माधुरी, मयार्दा, के लिए उन्होंने सरस्वती प्रेस खरीदा जो बाद में घाटे में रहा और बन्द करना पड़ा। प्रेमचंद फिल्मों की पटकथा लिखने मुंबई आए और लगभग तीन वर्ष तक रहे। जीवन के अंतिम दिनों तक वे साहित्य

सृजन में लगे रहे। महाजनी सभ्यता उनका अंतिम निबन्ध, साहित्य का उद्देश्य अन्तिम व्याख्यान, कफन अन्तिम कहानी, गोदान अन्तिम पूर्ण उपन्यास तथा मंगलसूत्र अन्तिम अपूर्ण उपन्यास माना जाता है।

गोष्ठी मेँ पवन सक्सेना अनीता प्रजापति मानसी रजनी सुनीति उपाध्याय वंदना खुशबू सहित समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

लॉजिमेश ग्रुप ऑफ कंपनीज ने एक्सपेरियो लखनऊ में अपने पहले कार्यालय की शुरूआत की

लखनऊ। आईटी और रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी से उभर रही लॉजिमेश ग्रुप ऑफ कंपनीज ने आज एक्सपेरियो, लखनऊ में अपने पहले कार्यालय का शुभारंभ किया। यह उद्घाटन कंपनी के भारतभर में विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।कंपनी का संचालन निदेशक कंचन कौशिक और नौशीन हसन द्वारा किया जा रहा है,जबकि प्रबंध निदेशक (एम.डी.) पंकज श्रीवास्तव इसके समग्र संचालन की देखरेख कर रहे हैं।लॉजिमेश ग्रुप आईटी और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, ब्रांडिंग सॉल्यूशंस और कंटेंट मार्केटिंग जैसी अत्याधुनिक सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी का उद्देश्य पूरे भारत में ग्राहकों को नवीनतम तकनीकी और मार्केटिंग समाधान

प्रदान करना है।आईटी क्षेत्र के साथ-साथ कंपनी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स पर भी कार्यरत है,जिनमें इसके मौजूदा प्रोजेक्ट गुजरात में चल रहे हैं।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक पंकज श्रीवास्तव ने कह,हम लखनऊ में अपने नए उपक्रम की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। यह कार्यालय नवाचार, डिजिटल उत्कृष्टता और सहयोग का केंद्र बनेगा। हमारा उद्देश्य व्यवसायों को नई तकनीक और आधुनिक मार्केटिंग समाधान प्रदान करना है, साथ ही स्थानीय प्रतिभाओं के लिए नए अवसर भी सृजित करना है।कंपनी स्थानीय कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित करती है, जिससे उन्हें उद्योग जगत का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

तीन महिलाओं ने नशीला पदार्थ सुंघाकर महिला के लूटे गहने, रिपोर्ट दर्ज

सरोजनीनगर लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में करीब 3 सप्ताह पहले एक महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर तीन महिलाओं ने उसके गहने उतरवा लिए और फरार हो गई। पीड़िता को जानकारी होने के बाद उसने अब मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनी नगर स्थित स्कूटर इंडिया के पास रहने वाली पीड़िता रीना राय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 15 सितंबर की सुबह करीब 9:30 बजे अपने घर से ऑफिस जा रही थीं। इसी दौरान स्कूटर इंडिया के पास तीन महिलाएं मिलीं, जिन्होंने बातचीत के बहाने उन्हें कुछ सुंघा दिया। इसके बाद हीरा लाल कॉलेज के पास ले जाकर अचेत अवस्था में उनसे अंगूठी, मंगलसूत्र और बाला उतरवा लिए। होश आने पर जब रीना ऑफिस पहुंचीं तो उन्हें घटना का एहसास हुआ। बैग खोलने पर उसमें जेवरों की जगह सफेद रुमाल में बंधे कंकड़-पत्थर मिले। पीड़िता ने मामले की तहरीर सरोजनी नगर थाने में दी है। पुलिस ने पीड़िता रीना की तहरीर पर रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

कार से दो कीमती मोबाइल चोरी, मामला दर्ज

लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र से मंगलवार को युवक की कार से मोबाइल चोरी हो गये। गोमतीनगर स्थित सतलज अपार्टमेंट निवासी सौरभ द्विवेदी के मुताबिक वह उन्नाव के नवाबगंज स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं।

उनका कहना है कि मंगलवार शाम वह अपनी किया सोनेट कार से वापस घर आ रहे थे। तभी सरोजनी नगर में कानपुर रोड पर अमौसी मेट्रो स्टेशन के पास भीड़ के कारण उनकी कार रुकी तो किसी ने गाड़ी का शीशा थपथपाया। सौरभ ने खिड़की खोलकर देखा तो इसी बीच अज्ञात व्यक्ति उनकी कार में रखे दो कीमती मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गया। पीड़ित ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोर की तलाश शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पुलिस हेड कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल

लखनऊ। बंथरा इलाके में बीती रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पुलिस हेड कांस्टेबल की बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। इस हादसे में हेड कांस्टेबल बुरी तरह घायल हो गया। गंभीर हालत में पुलिस ने उसे ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। लखीमपुर निवासी हेड कांस्टेबल संजय कुमार (38) बंथरा थाने में तैनात है और यही टीवीएस शोरूम के पीछे किराए पर कमरा लेकर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहता है। हेड कांस्टेबल संजय कुमार मंगलवार को थाना क्षेत्र में हुई अज्ञात विक्षिप्त महिला की मौत के बाद उसकी डेड बॉडी लेकर पोस्टमार्टम हाउस गया था। वहां से रात 12 बजे वह अपनी बाइक से वापस लौट रहा था। तभी बंथरा में कानपुर रोड स्थित मधुबन ढाबा के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना के बाद पहुंची बंथरा पुलिस ने उसे आनन फानन ट्रामा सेंटर पहुंचाकर भर्ती कराया। जहां उसका इलाज जारी है।

यूपी. एस. सी. की परीक्षा में चयनित होने पर मीनाक्षी अग्रवाल ने अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करके किया सम्मानित

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के मोहल्ला मुन्नू गंज निवासी मलिका गुप्ता पुत्री मनोज गुप्ता ने यूपी. एस. सी. की परीक्षा में भारतीय सांख्यकी सेवा में चयनित होने पर नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने उनके निज निवास पर पहुंचकर अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया और अपनी शुभकामनाओं के साथ उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्होने मलिका गुप्ता के माता पिता को बधाई दी पूर्व पालिका अध्यक्ष ने कहा कि बेटी मलिका गुप्ता ने नगर का नाम रोशन किया है उक्त अवसर पर बाथम वैश्य महासभा के महामन्त्री मिथिलेश गुप्ता, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष राम कृष्ण गुप्ता, संजय गुप्ता, सुनील शुक्ला, संजय कुमार गुप्ता, अरुण कुमार सिंह,अरविंद पांडे उपस्थित रहे।

ऑनलाइन शॉपिंग की जगह स्वदेशी वस्तुओं को अपनाएं, व्यापारियों ने पैदल यात्रा निकाल लोगों को किया जागरुक

लखनऊ। आलमबाग के व्यापारियों ने ग्राहकों को ऑनलाइन शॉपिंग के बजाय स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और स्थानीय दुकानों से खरीदारी करने के लिए बुधवार को पैदल पदयात्रा निकाली। इस दौरान नटखेड़ा रोड युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनीष अरोड़ा ने ग्राहकों से अपील की कि वे दीपावली की खरीदारी के लिए अपने पड़ोसी स्थानीय दुकानदारों का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देना और ग्राहकों के मन से ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते प्रभाव को कम करते हुए उन्हें स्वदेशी प्रथा अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान राजेश बत्रा, उपकार सिंह, राजन सोनकर, संतोष तिवारी, विवेक सक्सेना, योगेश भगवानी, विकास अरोड़ा, अनुज मौर्या, अमरजीत सिंह, सनी तलरेजा, हंसराज मनमानी, विनोद राजपाल सहित कई व्यापारी मौजूद थे।

मिशन शक्ति 5.0 : मिशन शक्ति अभियान से महिला एवं बालिकाएं हो रहीं हैं जागरूक

लखनऊ। उ0प्र0 शासन द्वारा महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार नई योजनाएं चलाई जा रही हैं, महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार नए आयाम स्थापित किए जा रहें हैं।

क्षेत्राधिकारी पटियाली संदीप वर्मा द्वारा थाना पटियाली मिशन शक्ति टीम के साथ ग्राम कुतुबपुर सराय में महिलाओ एवं बालिकाओ को अभियान के प्रमुख उद्देश्यों से अवगत कराते हुए जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक कासगंज अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी/अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज सुशील कुमार गंगा प्रसाद के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रांतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव, कस्बा, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला एवं बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने हेतु जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 08.10.2025 को जनपदीय महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा थाना कोतवाली कासगंज क्षेत्रांतर्गत प्राइमरी स्कूल ग्राम नीबरी, थाना सोरों क्षेत्रांतर्गत प्राइमरी स्कूल ग्राम देवरी प्रह्लादपुर, थाना ढोलना क्षेत्रांतर्गत प्राइमरी स्कूल नौगवां, थाना सहावर क्षेत्रांतर्गत पंचायत,प्राइमरी स्कूल कुवंरपुर, थाना अमांपुर क्षेत्रांतर्गत प्राइमरी स्कूल ग्राम फकौता, थाना सुन्नगढ़ी क्षेत्रांतर्गत आर के इण्टर कालेज सुन्नगढ़ी, थाना पटियाली क्षेत्रांतर्गत कुतुबपुर सराय, थाना गंजडुण्डवारा क्षेत्रांतर्गत पंचायत भवन नूरपुर, थाना सिढ़पुरा क्षेत्रांतर्गत पंचायत भवन ग्राम चांदपुर, थाना सिकन्दरपुर वैश्य क्षेत्रांतर्गत पंचायत भवन उस्मानपुर, महिला थाना क्षेत्रांतर्गत वार्ड नम्बर-07 में महिला एवं बालिकाओं में व्यवहारिक परिवर्तन लाए जाने हेतु उनकी की सुरक्षा, सम्मान, स्वस्थ्य रिलेशनसिप एवं महिलाओं की सुरक्षा सहायता हेतु निर्मित न्यायिक कानूनों का दुरुपयोग एवं झूठे मुकदमों के परिणाम, साइबर हिंसा, प्रेम सम्बन्धों में घर से पलायन एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का सतर्कता एवं सावधानी से प्रयोग किये जाने एवं किसी अपराध का बोध होने पर बिना संकोच स्थानीय थाना पर अपनी बात या शिकायत करने से सम्बन्धित बिन्दुओं को इंगित करते हुए विस्तार से उनकी जानकारी दी गई।

किशोरी से दुष्कर्म के मामले में दोनों आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते सोमवार रात किशोरी को घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना अंजाम देने के मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। बताते चलें कि बिजनौर थाना क्षेत्र में रहने वाले मजदूर की पत्नी ने मंगलवार को थाने में तहरीर दी थी कि वह बीती 26 सितंबर को अपने पति के साथ बाराबंकी जिले के देवा मेले में जानवर बेचने गई थी। जबकि उसकी 14 वषीर्या बेटी घर में अकेली थी। 7 अक्टूबर मंगलवार सुबह करीब 10: बजे मोहल्ले के ही एक व्यक्ति ने महिला को फोन से सूचना दी कि सोमवार रात उसकी बेटी को घर में अकेला पाकर पड़ोस के रहने वाले दो युवकों ने उसके घर में घुसकर किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया। यह जानकारी होने के बाद मंगलवार को महिला लौटी और बेटी से पूरी जानकारी की। तब पता चला कि आरोपियों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के दौरान उसका वीडियो बना लिया था और किसी से बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी

दी थी। यह जानकारी मिलने के बाद पीड़ित किशोरी की मां ने इसकी तहरीर बिजनौर थाने पर दी। इसके बाद बिजनौर पुलिस ने महिला की तहरीर पर रोहित नाथ और आनंदनाथ के खिलाफ किशोरी के साथ दुराचार के अलावा पाक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद दोनों आरोपियों को मंगलवार रात किसान पथ स्थित अलीनगर खुर्द अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया।

भक्ति व श्रद्धा के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाएं गोमती नदी में विसर्जित

कड़ी सुरक्षा के साथ देर रात तक चला विसर्जन

शुकुल बाजार, अमेठी। क्षेत्र में अश्विन मास के शुक्ल पक्ष पंचमी तिथि से स्थापित आदि शक्ति मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन भव्य शोभायात्रा एवं कड़ी सुरक्षा के बीच आदिशक्ति परम पावन सलिला गोमती में विसर्जित कर दिया गया क्षेत्र में करीब तीन दर्जन से अधिक प्रतिमाएं स्थापित की गई थी जिनका विधिवत पूजन अर्चन कर श्रद्धालुओं द्वारा आशीर्वाद प्राप्त किया गया क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में प्रतिमाएं स्थापित की गई थी ।

प्रातः से ही हवन व पूजन के साथ महाप्रसाद का वितरण चल रहा था दुर्गा पूजा समितियों द्वारा अनेक आकर्षक झांकियां सजाई

गई थी जिसका श्रद्धालुओं ने मनमोहक आनंद उठाया दुर्गा पूजा उपरांत विसर्जन यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस विभाग के साथ चिकित्सा विभाग की टीम लगी जिससे किसी भी प्रकार की घटना न हो सके। विसर्जन शोभा यात्रा कस्बा सत्थिन चौराहा पर पहुंची अबीर और गुलाल से सराबोर भक्तों ने मां के जयकारों के साथ मां को विदाई दी दुर्गा पूजा समितियो के पदाधिकारी एवं भक्तों द्वारा जगह-जगह भंडारा करते हुए प्रसाद का वितरण भी किया गया।

विसर्जन के दृष्टिगत सभी दुकानें बेहतर तरीके से खुली हुई थी,किसी आने जाने वालों को कोई दिक्कत नही दिखी दी,समाचार लिखे जाने तक लग भग 17 मूर्तियों का विसर्जन हो चुका था,विश्रजन देर रात तक चलने का पूरा पूरा प्रशासन चौकी प्रभारि सत्थिन दीवान अशोक कुमार मै पूरे अलाव लश्कर के साथ डेट दिखाई दिए।

थाना गंजडुण्डवारा पुलिस द्वारा जुआ खेलते हुए 10 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कब्जे से 6500/- रुपए नगद व ताश की गड्डी बरामद

गंजडुण्डवारा, कासगंज। पुलिस अधीक्षक कासगंज अंकिता शर्मा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज सुशील कुमार गंगा प्रसाद के पर्यवेक्षण में जनपद में अवैध जुआ/सट्टा के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी पटियाली संदीप वर्मा के नेतृत्व में थाना गंजडुण्डवारा पुलिस द्वारा दिनांक 08.10.2025 की प्रातः हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते 10 अभियुक्तगण 1. अवनीश पुत्र प्रेमपाल 2. ईश्वरदयाल पुत्र प्रेमचन्द्र 3. सोनू शाक्य पुत्र अन्तराम 4. रोहित पुत्र अनिल 5. रिंकू पुत्र प्रेमचन्द्र निवासीगण मोहल्ला धनपाल कस्बा व थाना गंजडुण्डवारा जनपद कासगंज को

कृष्णा टॉकिज मोहल्ला धनपाल कस्बा गंजडुण्डवारा से एवं 6. विकास पुत्र उमाशंकर वर्मा 7. रतन पुत्र राजवीर सिंह 8. सुमित पुत्र गिरजाशंकर 9. अजय पुत्र हाकिम सिंह 10. रिषभ पुत्र नीलकमल निवासीगण मोहल्ला धनपाल कस्बा व थाना गंजडुण्डवारा जनपद कासगंज को मोहनपुर फाटक से बाईपास रोड के किनारे आम के बाग से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है, जिनके कब्जे से कुल 6500/- रुपये नगद व ताश की गड्डियां बरामद हुई है । अभि0गण के विरुद्ध थाना गंजडुण्डवारा पर धारा 13 जी एक्ट (जुआ) के तहत अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई है।

बिजनौर सांसद चन्दन चौहान ने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात

उठाया गंगा एक्सप्रेसवे का मुद्दा

लखनऊ। बिजनौर सांसद चन्दन चौहान ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की तथा उनके सामने गंगा एक्सप्रेसवे का मुद्दा सामने रखा। चन्दन चौहान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गंगा एक्सप्रेसवे मार्ग को जनपद बिजनौर जिले से होकर निकाले जाने की मांग की है साथ ही उन्होंने ने निम्न मुद्दे मुख्यमंत्री के सामने रखे जो कि निम्न प्रकार है

* बिजनौर लोकसभा क्षेत्र में आई बाढ़ से हुए नुकसान के मद्देनजर त्वरित राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था।

* बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए हस्तिनापुर-चांदपुर मार्ग के पुनः निर्माण की मांग।

* हस्तिनापुरझचांदपुर मार्ग के पुनः निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता।

* चांदपुरझबास्टाझमानपुर अहरौली मार्ग (अन्य जिला मार्ग) के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव।

* क्षेत्र में विद्युत उपकरणों की क्षमता वृद्धि एवं नए उपकेंद्रों की स्थापना पर चर्चा।

* बिजनौर लोकसभा क्षेत्र में तेंदुए/गुलदार (लेपर्ड) के हमलों की बढ़ती घटनाओं के संदर्भ में तात्कालिक कार्रवाई की मांग।

* मीरापुर विधानसभा क्षेत्र स्थित दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल लि०, मोरना के विस्तारीकरण की घोषणा के उपरांत धन स्वीकृति की मांग।

चन्दन चौहान ने एक प्रेस वार्ता में क्षेत्रीय मंत्री युवा रालोद चौधरी शुऐब के सवाल का जवाब देते हुए कहा की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विषयों पर सकारात्मक रूप से संज्ञान लिया, वही उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के कार्यकताओं से कहा की गंगा एक्सप्रेसवे कों जिला बिजनौर से वंचित नहीं रखा जाएगा और चांदपुर-बास्टा मार्ग का भी जल्द निर्माण कराया जाएगा।

बिजनौर सांसद चंदन चौहान ने लखनऊ दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट करने के अतिरिक्त प्रमुख सचिव लोक निर्माण ए के सिंह, नगर विकास मंत्रालय, एवं ऊर्जा मंत्रालय के प्रमुख सचिवों से भी भेंटकर जिला बिजनौर के विकास के लिए सहयोग एवं अतिरिक्त संसाधनो की मांग करते हुए जिले में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया।

सरोजनी नगर में कपड़े के शोरूम का शटर तोड़ कर चोरों ने उड़ाई हजारों की नकदी और कीमती कपड़े

सरोजनीनगर लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के बेखौफ चोरों ने एक कपड़े के शोरूम का शटर तोड़कर हजारों रुपए की नगदी और कीमती कपड़े पार कर दिए। जानकारी होने पर पीड़ित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस सीसीटीवी कैमरों के सहारे चोरों का पता लगा रही है। मूल रूप से बिहार प्रांत के रहने वाले जयकुमार यादव सरोजनी नगर के गौरी में किराए पर रहते हैं। जयकुमार का कहना है कि वह सरोजनी नगर में हाइडिल स्थित सियाराम फैक्ट्री के सियाराम एंड सन्स नामक आउटलेट्स में मैनेजर के पद पर तैनात हैं। जयकुमार का कहना है कि बुधवार तड़के करीब 4 बजे चोरों ने शोरूम का शटर तोड़कर उसके अंदर गल्ले में रखे 10 हजार रुपये और कीमती गारमेंट्स कपड़े के अलावा एक मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। बुधवार सुबह बगल के दुकानदारों ने शटर टूटा देख इसकी सूचना जयकुमार को दी। सूचना के बाद पहुंचे जयकुमार ने मामले से पुलिस को अवगत कराया। इसके बाद

पहुंची पुलिस ने शोरूम के सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो उसमें तड़के करीब 4 बजे दो चोर दुकान के अंदर घुसकर चोरी करते साफ नजर आ रहे हैं। सरोजनी नगर पुलिस का कहना है कि जय कुमार की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के सहारे चोरों का सुराग लगाया जा रहा है।

जानबूझ किए गए गौहत्या के पाप का कोई प्रायश्चित नही होता: शंकराचार्य

पूवीर्चंपारण, बिहार। गौमाता के प्राणों की रक्षा हेतु अपने कठिन प्रयास से पूरे राष्ट्र में अलख जगाने वाले सचल शिव परमाराध्य परमधमार्धीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती जी महाराज ने मोतिहारी में आहूत गौमतदाता संकल्प सभा में उमड़ी गौभक्तों की भारी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि पद्मपुराण के अनुसार मन से भी गाय को पीड़ा पहुंचाने वाले मनुष्य को लम्बे समय तक नर्क में कठिन दंड भोगना पड़ता है।घट घट वासी भगवान राम का अवतार भी गाय की रक्षा व सेवा हेतु हुआ था।भगवान राम के पूर्वज महाराज दिलीप बड़े गौभक्त थे और उन्होंने गौमाता की खूब सेवा की उससे उन्हे पुत्र की प्राप्ति हुई।गाय

मात्र दूध देने की मशीन नहीं अपितु वो आपके समस्त इक्षाओं की पूर्ति की साधन भी हैं।गौमाता की कृपा से इस संसार में कुछ भी दुर्लभ नहीं।ऐसा कोई भी पदार्थ नहीं जिसकी प्राप्ति गौमाता की सेवा से नहीं की जा सकती है।गाय जब छोटी होती है तब मूत्र,बड़ी होती है तब दूध और जब बूढी हो जाती है तब अपने रोम रोम से हम सबको आशीष देती है।

श्रीशंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि गौमाता के रक्षा हेतु भगवान हर युग में अवतार लेते हैं।गायों के मध्य रहने के कारण ही भगवान का एक नाम गोविंद पड़ा।तैंतीस कोटि देवी देवताओं का वास होता है गौमाता के अंदर।

हम सिर्फ गौमाता का सेवा पूजा कर तैंतीस कोटि देवी देवताओं के सेवा का पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

घर में साफ सफाई करने के दौरान विद्युत करंट की चपेट में आकर महिला की मौत

लखनऊ। बंथरा इलाके में बुधवार सुबह घर में साफ सफाई करने के दौरान एक महिला की विद्युत करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बंथरा गांव निवासी निधि उर्फ साक्षी सिंह (28) बुधवार सुबह करीब 9 बजे घर में साफ-सफाई कर रही थी।

उनके पति लोडर वाहन चालक रोहित सिंह अपनी बेटी और बेटे को स्कूल छोड़ने गए थे। स्कूल से बच्चों को छोड़कर जब रोहित वापस लौटे तो निधि घर के अंदर विद्युत झालर की चपेट में आकर झुलसी पड़ी मिली। करंट की चपेट में आने से उनका एक हाथ बुरी तरह झुलसने के साथ निधि की मौत हो चुकी थी। आनन फानन घटना की सूचना बंथरा पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लमही गांव में मुंशी प्रेमचंद की यादों को मिल रहा नया जीवन, साहित्यिक विरासत से रूबरू हुए छात्र

वाराणसी । वाराणसी से लगभग 5 किलोमीटर दूर लमही गांव में आज भी उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की यादें जिंदा हैं। यही वह पैतृक गांव है, जहां प्रेमचंद ने अपने जीवन के अनमोल पल गुजारे और समाज को दिशा देने वाले कई प्रसिद्ध उपन्यासों की रचना की। मुंशी प्रेमचंद की पुण्यतिथि पर उनके आवास और स्मारक में विशेष साफ-सफाई और सजावट की जा रही है। स्थानीय लोग और छात्र प्रेमचंद को श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं, जो भारतीय साहित्य के इस महान लेखक के प्रति लोगों के सम्मान और लगाव को दशार्ता है। संस्कृति विभाग की ओर से यहां प्रेमचंद स्मारक का निर्माण कराया गया है, जिसमें उनके जीवन और रचनाओं से जुड़ी कई ऐतिहासिक वस्तुएं संरक्षित हैं, जैसे उनका चरखा, पिचकारी और लेखन सामग्री। स्मारक में उनके उपन्यासों और कहानियों को भी प्रदर्शित किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके साहित्यिक योगदान से रूबरू हो सकें। मुंशी प्रेमचंद स्मारक के संरक्षक सुरेश चंद्र दुबे आईएएनएस से बातचीत में कहते हैं, ‍मुंशी प्रेमचंद हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और फारसी भाषाएं जानते थे। यहां उनके पास अभी मुंशी प्रेमचंद के उर्दू भाषा में लेख और उनके अफशाने जैसी कई चीजों का कलेक्शन है। किन-किन पत्रिकाओं में मुंशी प्रेमचंद ने काम किया, उनका कलेक्शन है।

उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर यहां प्रेमचंद की कहानियों और उनसे जुड़ी चीजों को कला, चित्रों और वस्तुओं के माध्यम से दशार्या गया है। यहां छात्र-छात्राएं आते हैं, उन्हें ज्यादा किताबें पढ़ने की जरूरत नहीं होती, बस वे यहां की चीजों को देखकर ही मुंशी प्रेमचंद को समझ पाते हैं।

छात्रा नेहा ने बताया कि मुंशी प्रेमचंद की यहां तमाम यादें हैं। उन्होंने उपन्यास और साहित्य जिस तरह लिखा है, उससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। छात्र सौरभ ने कहा, ‍मुंशी प्रेमचंद ने समाज और जमीन से जुड़ी चीजों को लिखा। इन सबके लिए हम उन्हें याद करते हैं। हम मुंशी प्रेमचंद के आवास पर उनके शुरूआती जीवन के बारे में जानने के लिए आए हैं।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

एसेसरीज हो हैवी

- हेवी और कलरफुल एसेसरीज सिंपल ड्रेसेज के लिए बेहतरीन हैं।
- अपनी लुक को ट्रेंडी बनाने के लिए न्यूट्रल टॉप को ब्राइट कलर्ड बेल्ट, जैसे रेड, ब्ल्यू और येलो, के साथ कंबाइन करें।
- यदि आप चाहें दो हेवी एसेसरीज को कंबाइन कर सकती हैं, जैसे बैग्ज और शूज, बेल्ट और शूज व ज्यूलरी और बैग।
- लुक को खास बनाने और एसेसरीज पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ब्राइट रेड, ब्ल्यू और ग्रीन का इस्तेमाल करें।
- आजकल मटेलिक और बीडेड लुक फैशन मे है।
- व्हाइट व ब्लैक ड्रेस के साथ ब्राइट गोल्डन मटेलिक स्कार्फ पहनें।
- ट्रेंडी लुक के लिए ब्राइट फ्लावर हेयर एक्सेसरी पहनें।
- शेल नेकपीसेज किसी भी ड्रेस को कलर देने के लिए बेहतरीन है।
- कैज्युअल स्कर्ट व जींस के साथ कलरफुल प्लास्टिक रिंग्ज और बैंगल्स पहनें।
- प्रतिदिन के इस्तेमाल के लिए हैवी ओवरसाइज्ड बैग्ज बेहतरीन हैं।

आउटडोर फर्नीचर की मेंटेनेंस अहम चीज है। तभी यह अलग-अलग मौसमों की मार सहकर लंबे समय तक आपको आराम दे सकता है।

आउटडोर फर्नीचर की देखभाल

आउटडोर के लिए ज्यादातर फर्नीचर मेटल या प्लास्टिक के बने होते हैं, लेकिन आप वुड, केन, विकर या रेसिन के बने फर्नीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि उन्हें मेटल और प्लास्टिक के फर्नीचर से ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

फर्नीचर की धुलाई समय पर

विकर या रेसिन की बनी मेज-कुर्सियों पर मौसम के असर से फिल्म जैसी कोई चीज जम जाती है। पेंट और फिनिश के साथ इसके रिएक्शन से फर्नीचर जल्दी ही पुराना नजर आने लगता है। फर्नीचर को इस स्थिति से बचाने के लिए यह फिल्म हटाना जरूरी है। इसके लिए आप फर्नीचर को थोड़े से साबुन और पानी से धोकर सूखे कपड़े या पेपर नैपकिन से पोंछ दें। इसके बाद इसे सादे साफ पानी से धोएं और अच्छी तरह सुखा दें। ध्यान रखें कि फर्नीचर पूरी तरह सूख जाए। इस तरह के फर्नीचर की सफाई हफ्ते में कम से कम एक बार जरूर करना चाहिए। केवल लकड़ी से बने फर्नीचर को पानी से सीधे तौर पर नहीं धोना चाहिए। निश्चित रूप से लकड़ी कुछ नमी सोख लेगी और जल्दी बेकार हो जाएगी। आउटडोर फर्नीचर के लिए आमतौर पर टीक की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे सूखे कपड़े से ही साफ करते रहें। अगर बारिश या गार्डन में पानी देते हुए गीली हो जाए, तो इसे सुखाना नहीं भूलें। लकड़ी से बने फर्नीचर पानी य नमी वाली जगहों पर न रखें और मिट्टी के साथ लंबे समय तक कांटेक्ट में न रहने दें।

सावधानी से पिएं चाय कोल्ड ड्रिंक

आप बाहर बैठकर मौसम का मजा लेंगे और कुछ चाय-पानी भी नहीं हो, ऐसे कैसे हो सकता है? लेकिन फर्नीचर पर कुछ रहम भी करना होगा। अगर इस पर चाय, कोल्ड ड्रिंक आदि का कोई निशान लग जाए, तो उसे तुरंत साफ कर दें। ऐसा न हो कि आपका आलस आपके फर्नीचर पर परमानेंट दाग के रूप में असर छोड़ जाए। आउटडोर फर्नीचर के बचाव का सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उसे हर रात उठाकर गैरेज में रख दिया जाए। अगर ऐसा करना मुश्किल है, तो इसे प्लास्टिक शीट से तो ढंक ही देना चाहिए।

वेक्स के इस्तेमाल की खूबियां

आउटडोर फर्नीचर की सफाई के लिए एक और बेहतर तरीका है, आटोमोटिव वेक्स। इस वेक्स में अल्ट्रावायलेट प्रोटेक्शन जैसी खूबियां होती हैं, जो फर्नीचर को लंबे समय तक सुरक्षित रखती हैं। इस सेंगमेंट में दो तरह की चीजें मिलती हैं। आटोमोटिव वैक्स और वेक्स कम क्लीनर। कुछ वेक्स कम क्लीनर में केमिल्स होते हैं,जो फर्नीचर के मेटीरियल से रिएक्शन कर सकते हैं। क्लीनर खरीदने से पहले इनके बारे में पूछताछ कर लेना चाहिए। प्यूमाइस और राटनस्टोन, दो कॉमन एलीमेंट्स हैं, जो फर्नीचर के लिए नुकसानदेय नहीं होते, बल्कि इन पर रगड़ाई करने से ये और चमक उठते हैं। सुरक्षा के लिए वेक्स को पूरे फर्नीचर पर लगाने से पहले एक छोटे से हिस्से पर ट्राई करें। इससे आपको पता चलेगा कि यह आपके फर्नीचर के लिए फिट या नहीं?

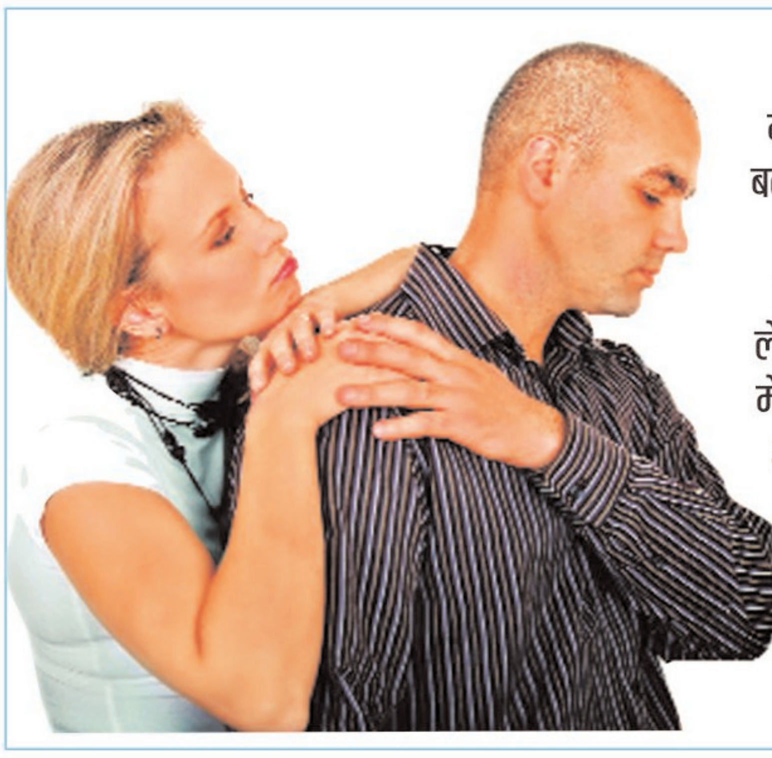

पुरुष महिलाओं से बलशाली और बहादुर चाहे नजर आएं, लेकिन रिश्तों में दरार आने अथवा टूटने पर उन्हें अधिक तकलीफ होती है।

रिश्ता टूटने पर पुरुष होते हैं ज्यादा आहत

अमेरिका में वाके फोरेस्ट यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि किसी महिला से संबंधों में खटास आने पर युवा पुरुष के दिलोदिमाग पर जबर्दस्त असर पड़ता है। वजह यह है कि महिलाएं जहां अपने तनाव को मित्रों में साझा कर लेती है वहीं पुरुष भीतर ही भीतर घुटने लगता है और नकारात्मक सोच उसके जेहन में घर कर जाती है। नतीजतन वह शराब जैसी लत का दामन पकड़ लेता है। अध्ययन के नेता प्रोफेसर राबिन शिमन ने स्वीकार किया कि वह नतीजों को देखकर हैरत में पड़ गई क्योंकि आम सोच यह थी कि रिश्तों में भावात्मक उथल-पुथल की शिकार महिलाएं जल्द हो जाती है। डेली मेल ने उनके हवाले से कहा कि आश्चर्य हुआ यह जानकर कि रिश्तों में उतार चढ़ाव का युवकों पर अधिक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन अगर रोमांस सही चल रहा है तो पुरुष अधिक लाभांवित रहता है। सर्वेक्षण 1000 अवैवाहिक युवक युवतियों पर किया गया जिनकी उम्र 18 से 23 साल के बीच थी। शिमन ने कहा कि सर्वेक्षण से यह बात सामने आई कि युवक बहुत कम लोगों में विश्वास करते हैं जबकि महिलाएं अपने परिजनों और मित्रों के साथ अधिक करीबी संबंध रखती हैं। इसकी एक वजह युवकों में पहचान और आत्मसम्मान की अधिक भावना भी है। उनके अनुसार एक तथ्य यह है कि पुरुष और महिला अलग अलग तरीके से भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं। महिलाओं में भावात्मक पीड़ा अवसाद में झलकती है जबकि पुरुषों में यह ठोस समस्याएं लेकर सामने आती है। मानसिक स्वास्थ्य पर लंबे अध्ययन और प्रौढ़ होने की प्रक्रिया पर किया गया यह अध्ययन हेल्थ एंड सोशल बिहेवियर नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

फैशन से समझौता नहीं

मौसम कोई भी हो यूथ को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें तो बस स्टाइल से मतलब है। इसलिए तो आजकल कॉलेज गोविंग गर्ल्स फैशन के लिए पुराने फंडा को अपनाने से बच रही हैं। वे उसी चीज को अपना रही हैं, जो उनके स्टाइल से मैच करता हो। आइए, जानते हैं इनमें क्या खास है।

भले ही बारिश आ चुकी है, लेकिन गर्मी अभी खत्म नहीं हुई है। कभी बादल तो कभी सूरज की तेज किरणें काफी परेशान करती हैं, लेकिन फैशन के दीवानों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। धूप चाहे जितनी हो यूथ खासकर गर्ल्स छाता लेकर नहीं निकलती। उन्होंने छाते के अलावा और हथियार चुन लिए हैं। उनकी नई ऑप्शंस में स्कार्फ से पूरा मुंह कवर करने से लेकर हैट पहनना और डाइट का ध्यान रखना तक सब शामिल है।

डाइट पर फोकस

कुछ गर्ल्स का मानना है कि गर्मी से निबटने के लिए अगर हर लेवल पर अलर्ट रहा जाए, तो बहुत सारी चीजों का बोझ उठाने की जरूरत नहीं है। इसमें वे सबसे ज्यादा जरूरी डाइट को मानती हैं। वैसे, फिगर कॉन्शस गर्ल्स से कुछ खाने की बात सुनना एक बार तो हैरान करता है, लेकिन यह अच्छी बात ही है। बीटेक पाइनल ईयर की स्टूडेंट सोनाली का फंडा भी यही है कि हीट को बीट करने के लिए डाइट पर फोकस करो। वह बताती हैं, मैं दोपहर की धूप में बाहर तक जाती हूं, तो जूस जरूर पीती हूं और सन क्रिम लगाकर ही बाहर निकलती हूं। एक्सट्रा सेफ्टी के लिए कभी-कभी वह अंब्रेला भी कैरी करती हूं।

च्वाइस है हैट

स्टाइल कॉन्शस गर्ल्स हैट च्वाइस करती हैं। आखिर हैट हॉट वेदर में प्रिकॉशन देने के साथ कूल स्टाइल भी देता है। मार्केट में तमाम तरह के हैट हैं जो धूप से बचाते हैं और साथ ही साथ स्टाइलिस लुक भी देते हैं। वैसे भी आजकल गोल हैट का क्रेज गर्ल्स में अधिक है।

सिक्यूरिटी कवरिंग

कुछ लड़कियां अंब्रेला भले ही कैरी नहीं करती बल्कि लेकिन गर्मी से बचने के लिए कवर्ड ड्रेसेज पर ध्यान देती हैं। बैंक में जॉब कर रही सीमा कहती हैं कि मेरी कोशिश रहती है कि मैं पूरी तरह कवर्ड ड्रेसेज पहनूं, ताकि टैनिंग न हो। इसके अलावा, मैं सनस्क्रीन काफी यूज करती हूं। यह भी स्किन पर एक सिक्युरिटी कवर बनाता है।

ओल्ड इज गोल्ड

अधिकांश गर्ल्स हॉट वेदर में पुराने तरीकों को फॉलो नहीं करतीं,

लेकिन ओल्ड को गोल्ड को मानने वाली लड़कियों की संख्या कम नहीं है। एमबीए स्टूडेंट प्राची सेन कहती हैं, हर साल गर्मी ज्यादा हो जाती है, इसलिए खुद को प्रोटेक्ट करने के लिए किसी भी चीज की वैल्यू कम नहीं कह सकते। इसलिए मैं हमेशा अपने साथ अंब्रेला रखती हूं। साथ ही, मेरे बैग में लाइट स्टोल भी रहता है, ताकि गर्म हवा मेरी स्किन को टच न करे। इसके अलावा, मैं हमेशा वाटर बॉटल भी कैरी करती हूं। हीट से बचने का सबसे बेस्ट तरीका है खूब पानी पीना।

नहीं है अंब्रेला क्रेज

एक समय था जब छाता से गर्मियों के बारे में पता चलता था। लेकिन अब मेट्रो शहर की गर्ल्स छाता को बॉय कह चुकी हैं। आजकल स्कार्फ का फैशन तेज है। वैसे गर्मी से बचने के लिए सनग्लासेज का यूज तेजी से बढ़ा है। इससे न केवल गर्मी से राहत मिलती है बल्कि लुक भी ग्लैमरस हो जाता है। मार्केटिंग सेक्टर में जाब करने वाली रोहिणी कहती हैं कि उन्होंने अंब्रेला से जुड़ी तमाम रिसर्च पढ़ी है। यह महज भ्रम है कि अंब्रेला लेकर चलने से धूप का असर नहीं होता। दरअसल, इससे सिर्फ शेड मिलती है। वे कहती हैं कि मैंने एक रिसर्च में पढ़ा था कि अंब्रेला हमें सिर्फ 5 फीसदी यूवी रेज से बचाता है, इसलिए मैं इस पर डिपेंड नहीं रहती। वे गर्मी से बचने के लिए ढेर सारा पानी पीती हैं। वह कहती हैं कि अगर आप ढेर सारा पानी पीकर खुद को चिल रखेंगे, तो फिर आप पर कुछ उलटा-सीधा खाने का भी असर नहीं पड़ेगा।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

कानपुर धमाका: मस्जिद के बाहर खड़ी स्कूटी में भयानक विस्फोट

आठ लोगों के घायल होने की सूचना, चार की हालत चिंताजनक, पुलिस और दमकल कर्मियों ने घायलों को भेजा अस्पताल

लखनऊ। कानपुर जिले के मिश्री बाजार में बुधवार शाम एक मस्जिद के बाहर खड़ी दो स्कूटी में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि दोनों स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और आसपास मौजूद कई लोग बुरी तरह से झुलस गए। धमाके की चपेट में आकर एक महिला भी घायल हो गई। बताया जा रहा है कि इस घटना में आठ लोग जख्मी हुए हैं, जिनमें चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही फोरेंसिक टीम, बम स्क्वायड और एटीएस की टीमें पहुंची हैं। जांच-पड़ताल के बाद अफसरों ने कहा कि दोनों स्कूटी में ही विस्फोटक रखे थे। बताया जा रहा है कि घटना मूलगंज के बिसातखाना में हुई है। इस पूरे मामले की पुलिस अधिकारी गहनता से छानबीन करने में जुट गए हैं। विस्फोट इतना तीव्र था की काफी दूर तक आवाज सुनाई दी है। पास की मस्जिद की दीवारें भी दरक गई। आसपास की कई दुकानों की फाल सीलिंग भी गिर गई है। पुलिस स्कूटी मालिकों का पता लगाने में जुट गई है। इस मामले में कानपुर जिले के सीएमओ ने बताया कि उर्सला अस्पताल में आठ लोगों को लाया गया था। इनमें चार लोगों की हालत गंभीर थी। इन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया है। चारों को 108 एंबुलेंस से लखनऊ भेजा गया है। दो लोग अभी उर्सला अस्पताल में ही इलाज करा रहे हैं। जबकि दो लोगों ने अपना इलाज कराने के बाद घर चले गए हैं। मूलगंज थाना क्षेत्र के मिश्री बाजार के पास बिसाती बाजार में दो स्कूटियों में बुधवार शाम धमाका तब हुआ जब बाजार में भीड़ थी और लोग खरीददारी कर रहे थे। घायलों में दुकानदारों के साथ ही कारीगर और ग्राहक भी हैं। कूड़ा बिनने वाली एक किशोरी सुहाना भी घायल हुई है जो बेकनगंज की रहने वाली है। इसके अलावा लाल बंगला निवासी 58 वर्षीय अश्विनी कुमार घायल हुए हैं जिनकी डिप्टी का पड़ाव में दुकान है और वे यहां सामान लेने आए थे। अन्य घायलों में ज्वेलरी के कारीगर 35 वर्षीय रईसुद्दीन निवासी पश्चिम बंगाल हाल पता बेकनगंज, बिसात खाना में स्पोर्ट्स उत्पाद के दुकानदार 24 वर्षीय अब्दुल निवासी बिसात खाना, बिसात खाना निवासी बैग के दुकानदार 25 वर्षीय मो. मुर्सलिन और बेल्ट व चश्मे की दुकान में काम करने वाले मीरपुर निवासी 15 वर्षीय जुबीन शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त पूर्वी भी पुलिस फोर्स के साथ मौजूद हैं। पुलिस मामले की जानकारी करने में जुटी।

बसपा सुप्रीमो मायावती की महारैली में की सुरक्षा में लगे 2114 पुलिसकर्मी

लखनऊ। मान्यवर कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर बसपा सुप्रीमो मायावती की गुरुवार को आयोजित महारैली की सुरक्षा-व्यवस्था में 2114 पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे। पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर और एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने सुरक्षा बंदोबस्त का का पुरा इंतजाम किया था। रैली की सुरक्षा व्यवस्था में एसटीएफ, एटीएस के पुलिस के बड़े अधिकारी तथा कमांडो भी मुस्तैद रहेंगे। मंच के आसपास कमांडो व पुलिसकर्मियों का कड़ा सुरक्षा घेरा मौजूद रहा। रैली की सुरक्षा में एएसपी व एसपी स्तर 11 अधिकारियों के अलावा चार कंपनी पीएसी, एक कंपनी आरएएफ, 1046 ट्रैफिक पुलिस, 21 प्रभारी निरीक्षक, 69 उपनिरीक्षक, 34 निरीक्षक, यातायात उपनिरीक्षक 549 , महिला उपनिरीक्षक, 31, हेड कांस्टेबल 341, यातायात कांस्टेबल 745 व 165 होमगार्ड जवानों को तैनात रहे।

पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई: रुपये 30 लाख कीमत का 64 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

झाँसी (बबीना): वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी, पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल निर्देशन व पर्यवेक्षण में थाना बबीना पुलिस एवं एसटीएफ लखनऊ, उत्तर प्रदेश की संयुक्त टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 09.10.2025 को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई।

बबीना टोल प्लाजा के पास कार से बरामद हुआ गांजा संयुक्त टीम द्वारा बबीना टोल प्लाजा के पास झांसी-ललितपुर हाईवे, थाना क्षेत्र बबीना में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक हुंडई सैंट्रो कार (संख्या वङ 07 अछ 1970) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 64 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग रुपये 30 लाख आंकी गई है।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्त जावेद पुत्र जुल्फी, निवासी मोहल्ला मंडी चमारन थाना सरधना जिला मेरठ, हाल निवासी ग्राम नंदपुरा पूरा महादेव थाना जानी जनपद मेरठ (उम्र लगभग 22 वर्ष), आकाश कुमार पुत्र जितेंद्र, निवासी कालंज थाना सरधना जिला मेरठ (उम्र लगभग 27 वर्ष)।

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थाना बबीना पर मु.अ.सं. 308/2025, धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रभारी निरीक्षक तुलसीराम पाण्डेय, थाना बबीना, झांसी, निरीक्षक जगत सिंह, थाना बबीना, निरीक्षक अमित कुमार तिवारी, एसटीएफ लखनऊ, हेड कॉन्स्टेबल अमित सिंह, एसटीएफ लखनऊ, हेड कॉन्स्टेबल स्वरूप पाण्डेय, एसटीएफ लखनऊ, हेड कॉन्स्टेबल आलोक कुमार पाण्डेय, एसटीएफ लखनऊ, हेड कॉन्स्टेबल जितेंद्र वर्मा, एसटीएफ लखनऊ, कॉन्स्टेबल आदित्य पाल, एसटीएफ लखनऊ, हेड कॉन्स्टेबल आशीष कुमार, थाना बबीना,हे0का0 324 बृजेश सिंह थाना बबीना, झाँसी, हे0का0 286 आशीष कुमार थाना बबीना, झाँसी, का0 776 शिवजीत सिंह थाना बबीना, झाँसी, का0 1397 अनिल कुमार थाना बबीना,झाँसी, का0 1506 शीलदर्शन कुमार थाना बबीना, झाँसी ।

मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध जारी रहेगा अभियान संयुक्त टीम की इस कार्यवाही से मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा टीम के साहसिक कार्य की प्रशंसा की गई है।

थाना बबीना पुलिस द्वारा ऐसे अभियानों को आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा, जिससे अपराधियों में भय तथा आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे।

गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

गोरखपुर। विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी दिन-रात समाज और राष्ट्र के हितों के प्रति सजगता ही मीडिया की पहचान है। मीडिया समाज और राष्ट्र के विकास का सहयात्री है। मीडिया से जुड़े लोगों का प्रोत्साहन और सम्मान उन्हें समाज और राष्ट्र हित में और उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा देता है।

एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह बुधवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की तरफ से मीडियाकर्मियों के श्रेष्ठ कार्य के लिए आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रेस क्लब की तरफ से शुरू मासिक पुरस्कार योजना के तहत जुलाई माह के लिए फोटो जर्नलिज्म

श्रेणी में दैनिक जागरण के संगम दूबे और अमर उजाला के आनंद चौधरी, रिपोर्टिंग श्रेणी में हिंदुस्तान के मनीषा मिश्रा, दैनिक भास्कर डिजिटल एप के अनुराग पांडेय और अगस्त माह के लिए अमर उजाला के ईश्वर चन्द्र सिंह को नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र देकर पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत मीडियाकर्मियों को बधाई देते हुए एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के यह आयोजन पत्रकारिता की सच्ची भावना का सम्मान है। उन्होंने कहा कि पत्रकार सत्य की खोज में दिन रात लगे रहते हैं। यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का विश्वसनीय स्तम्भ माना जाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के संस्थापक सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार राकेश सारस्वत ने कहा कि पत्रकार का अधिकतर समय संघर्ष में व्यतीत होता है। उसका संघर्ष समाज हित में श्रेष्ठ योगदान देने के लिए होता है।

समारोह में मुख्य अतिथि और कार्यक्रम अध्यक्ष को प्रेस क्लब की कार्यकारिणी और पत्रकार साथियों ने माल्यार्पण कर तथा स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र, पौधा और पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया।

प्रदेश के ब्रज, बुंदेलखंड एवं पश्चिमी जोन के जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक संपन्न

लखनऊ। आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दूसरे दिन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी उ0प्र0 मा0 अविनाश पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में प्रदेश के (ब्रज, बुंदेलखंड एवं पश्चिमी जोन) के जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय सचिव बुंदेलखंड जोन के प्रभारी नीलांशू चतुर्वेदी, राष्ट्रीय सचिव पश्चिमी जोन के प्रभारी प्रदीप नरवाल जी भी मुख्य रूप से शामिल रहे। बैठक में उपस्थित जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को निर्देशित करते हुए अविनाश पाण्डेय ने संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने और जनता के बीच कांग्रेस

की नीतियों को पहुँचाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की ताकत उसका कार्यकर्ता है। यदि हमारा प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझे और कांग्रेस की विचारधारा को उन तक पहुंचाया जाएगा तो आने वाले चुनावों में जनता निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान कर प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने का काम करेगी।

बैठक में उपस्थित सभी जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों के सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री ने कहा कि जहां प्रदेश में एक ओर पढे. लिखे नौजवान रोजगार की तलाश में दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है, किसान अपनी फसलों के उचित दाम के लिए सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं, व्यापारी महंगाई से त्रस्त हैं और प्रदेश की सरकार इस पर मौन है।

व्यापार बंधु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अब्दुल कलम हाल, कलेक्ट्रेट लखनऊ में सम्पन्न

लखनऊ। आज व्यापार बंधु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अब्दुल कलम हाल, कलेक्ट्रेट लखनऊ में सायं 4.30 बजे सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं व्यावसायिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमर नाथ मिश्र, वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा , महामंत्री अनुराग मिश्रा, जितेंद्र सिंह चौहान अरुण अवस्थी आरिफ खा राजू शुक्ला सविता गोयल लव अरोड़ा रुबील आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में लखनऊ नगर के व्यापारियों को हो रही विभिन्न विभागीय समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। व्यापारियों द्वारा बताया गया कि नगर निगम, विद्युत विभाग, नगर विकास, एलडीए, पुलिस, यातायात आदि विभागों से जुड़ी समस्याएँ निरंतर बनी

रहती हैं।

अध्यक्ष अमर नाथ मिश्र ने कहा कि नगर निगम द्वारा एक बार अतिक्रमण हटाने के बाद कुछ ही दिनों में दोबारा दुकानें लग जाती हैं।

हाल ही में रकाबगंज पुल पर लगे सब्जी के ठेलों को हटाया गया था, जो एक सप्ताह में ही फिर से लग गए हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली के त्यौहार को देखते हुए सड़कों पर बढ़ते ट्रैफिक और भीड़ के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए प्रत्येक चौराहे पर पुलिस की तैनाती और बाजारों में अतिरिक्त गश्त आवश्यक है।

नादान महल रोड पिछले वर्ष जल निगम के द्वारा लाइन बिछाने का कार्य किया गया था जिसके लिए सड़क खोदी गई थी जो कि आज भी बनाई नहीं गई है उस पर आए दिन कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है जिसे तत्काल बनाया जाय।

पवन मनोचा ने बताया कि प्रकाश लाइट की समस्या पूरे शहर में बनी हुई है जिसे निदान कराया जाए।

नाका में अतिक्रमण भयावह रूप लिए है कई बार आपके द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया जा चुका फिर भी कोई कार्यवाही नहीं है आज तक सर्विस लेन में कूड़ा घर नहीं हट पाया इसका क्या कारण है इस अहम मुद्दे पर जिलाधिकारी ने अपर नगर आयुक्त और डीसीपी ट्राफिक की अध्यक्षता में नाका क्षेत्र की समस्या पर कमेटी गठित कर कल दिनांक 9 अक्टूबर 25 को शाम 4:00 बजे नाका परिक्षेत्र व्यापार मंडल के व्यापारियों के साथ बैठक कर समस्या का निदान करेंगे।

34 परीक्षा केंद्रों पर होगी अधीनस्थ सेवा परीक्षा

जौनपुर । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा तथा सहायक वन संरक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। यह परीक्षा 12 अक्टूबर को दो सत्रों पूर्वाह्न 9:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा अपराह्न 2:30 बजे से 4:30 बजे तक जनपद के 34 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होना प्रस्तावित है, जिसके लिए 34 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा स्टेटिक मजिस्ट्रेट नामित किए गए हैं। परीक्षा में 16032 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे।परीक्षा को संपन्न कराने हेतु अपर जिलाधिकारी वि0धा0 राम अक्षयवर चौहान को नोडल तथा उप जिलाधिकारी न्यायिक मछलीशहर शिव प्रताप को सह नोडल नामित किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि परीक्षा को आयोग के निदेर्शानुसार संपादित कराया जाए। जिलाधिकारी ने अभ्यर्थियों के प्रवेश के समय, आदि के संबंध में जानकारी लेते निर्देश दिए कि प्रवेश के समय अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली जाए, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट पूरी तरह निषेध रहेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि सभी अभ्यर्थी दिए गए आंसर शीट की नीली प्रति ही अपने साथ ले जायेंगे, अन्य प्रतियां कक्ष निरीक्षक के द्वारा जमा करा ली जाएंगी। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटा तीस मिनट पूर्व से प्रवेश दिया जाएगा तथा परीक्षा प्रारंभ हेतु निर्धारित समय से 45 मिनट पूर्व प्रवेश बंद कर दिया जाएगा।

थाना प्रभारी तुलसीराम पाण्डेय ने दिखाई इंसानियत – रास्ता भटकने वाली 90 वर्षीय वृद्धा को घर तक पहुँचाया

बेटे-बहू से नाराज होकर घर से निकली वृद्धा को बबीना पुलिस ने ससम्मान थाने लाकर भोजन कराया, परिजनों को ढूंढकर सुरक्षित सुपुर्द किया

झाँसी (बबीना) मानवता की मिसाल पेश करते हुए थाना बबीना प्रभारी तुलसीराम पाण्डेय ने एक 90 वर्षीय वृद्धा की मदद कर सबका दिल जीत लिया। दिनांक 07 अक्टूबर 2025 को ग्राम हिंगौरा थाना तालबेहट जनपद ललितपुर निवासी ज्ञान देवी पत्नी स्व. कोमल यादव अपने बेटे और बहू से नाराज होकर घर से निकल पड़ी थीं। रास्ता भटक जाने पर वे कस्बा बबीना के पीएनबी तिराहे पर बैठी मिलीं।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी तुलसीराम पाण्डेय मय हमराह महिला आरक्षी म0का0 1784 अंजली तत्काल मौके पर पहुँचे और वृद्धा को ससम्मान थाने लाकर बैठाया। थाने पर उन्हें भोजन कराया गया तथा मिशन शक्ति केंद्र में सुरक्षित रखा गया।

पूछताछ और खोजबीन के बाद पुलिस को उनके नाती अजीत यादव पुत्र महेश यादव निवासी हिंगौरा थाना पूराकला, जिला ललितपुर (मो. 6307792458) का पता चला। सूचना पर वे 08 अक्टूबर 2025 को थाना बबीना पहुँचे और आवश्यक कार्यवाही के बाद अपनी दादी को सकुशल घर ले गए।

थाना प्रभारी तुलसीराम पाण्डेय की संवेदनशीलता और तत्परता की क्षेत्रवासियों द्वारा सराहना की जा रही है। इस कार्य ने बबीना पुलिस की जनसेवा व मानवता के प्रति प्रतिबद्धता को एक बार फिर प्रमाणित किया है।

सेना दिवस पर देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, में वायु सेना दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय वायु सेना के गौरवशाली इतिहास, अनुशासन और देश की सुरक्षा में उसकी अद्वितीय भूमिका से अवगत कराना था।कार्यक्रम की शुरूआत एनसीसी प्रभारी डॉ. मनोज कुमार पांडेय द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। एनसीसी कैडेट अंशिका राय और अदिति मिश्रा ने ह्लआवर फोर्से आवर प्राईडह्व विषय पर प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने भारतीय वायु सेना की वीरता, समर्पण और तकनीकी कौशल पर प्रकाश डालते हुए सभी में देशभक्ति की भावना का संचार किया।मुख्य अतिथि प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वायु सेना दिवस हमें अनुशासन, सेवा और समर्पण का संदेश देता है। उन्होंने कैडेट्स से देश के प्रति निष्ठा और कर्मशीलता की प्रेरणा लेने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि डॉ. नितेश जायसवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को वायु सेना के पराक्रम से सीख लेकर अपने जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ह्लयुवाह्व शब्द को उल्टा पढ़ने पर ह्लवायुह्व बनता हैकृयदि सही दिशा मिले तो वही ऊर्जा देश निर्माण का आधार बन सकती है। एनसीसी कैडेट अंशिका राय, प्रिया विश्वकर्मा, अदिति मिश्रा, गरिमा अग्रहरि, प्रीति यादव, सोनम, गरिमा बौध, उजाला बिन्द, शालिनी भारती, शालिनी यादव, मुस्कान मौर्य, कामना कन्नौजिया, अंजलि सिंह, गोल्डी यादव, आशुतोष कुमार तिवारी, शिवा कांत ओझा, विशाल, जैश आर्या, अमन मोदनवाल, अमन कन्नौजिया, आदित्या वर्मा, आदित्य पाण्डेय, सलमान शाह, शिवम मिश्रा, मोहम्मद अफजल, अखिलेश यादव, वैभव सिंह, अजीत कुमार, आदित्य राज, सानिध्य यादव मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन 21 प्रतिभाओं को मिला गोमती व केतकी साहित्य रत्न अवार्ड 2025

लखीमपुर-खीरी। मोहमदी में देश की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था कथा कुंज साहित्य परिषद द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन सह सम्मान समारोह -2025 का. देश -विदेश से चयनित कवियों और कवयित्रीओं के पावन सम्मेलन और अद्भुत काव्य पाठ का गवाह बनी महाभारत कालीन और ऐतिहासिक मोहम्मदी की पावन धरती. संस्थापक गोविन्द गुप्ता जी और पूरी टीम ने कोई कसर नहीं छोड़ी कार्यक्रम को अद्भुत और अविस्मरणीय बनाने में. आदरणीया डॉ नीमा पंत जी ब्रॉन्ड अम्बेसडर की सकारात्मक भूमिका रही. प्रोफेसर सुदीप कुमार जी की पावन स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में देश -विदेश की हस्तियों के साथ हीं साहित्यिक और सामाजिक सक्रिय विभूतिओं ने भाग लिया. पटना से आयी आर जे और बेहतरीन संचालिका श्वेता सुरभि जी ने बिल्कुल फिल्मी अंदाज में कार्यक्रम को संचालित किया और अपनी हाजिर जवाबी से मन मोह लिया. वरिष्ठ कवयित्री मंजू श्रीवास्तव, अमेरिका

,इति शिवहरे,राधा गुप्ता, पी के सिंह, कवि डॉ प्रीतम कुमार झा, विकास मिश्र सागर,रानी गुप्ता, रीमा सिन्हा, रंजना डोगरा,श्री पांडे जी, संध्या त्रिपाठी, शिप्रा जी, सारिका सरल, मीनू कुमार, मणि अग्रवाल,इति शिवहरे, आकृति विज्ञा अर्पण रानी गुप्ता, रीमा सिन्हा, सुरभि सिंह,मीनू कुमार के साथ पीके सिंह,विकास मिश्र व अन्य कवियों ने ऐसा वातावरण तैयार किया की देर रात तक श्रोतागण काव्य गंगा में गोते लगाते रहे. सभी को सम्मानित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णा राज जी और छोटी काशी के चेयरमैन श्री विजय शुक्ल जी ने नगर पालिका चेयरमैन संदीप मेहरोत्रा ने सबको शुभकामनायें दी. व सम्मानित किया कार्यक्रम से पहले सभी आगंतुक कवियों और कवयित्रीओं को मोहम्मदी का भ्रमण भी कराया गया.यह कार्यक्रम हमेशा के लिय अनुशासन, सकारात्मकता और काव्य गरिमा के लिए याद किया जायेगा कार्यक्रम में विशेष सहयोगी, श्यामू गुप्ता, प्रशांत मिश्र, प्रशांत सिंह,अखिलेश गुप्ता, हरेंद्र वर्मा,सचिन गुप्ता, रजनी सैनी ,शिवम राठौर, रमेश गुप्ता, बाबूराम पाठक,चरनजीत सिंह,मेराज खा, यूनिवर्सल बुक,राममोहन रस्तोगी, रामजी गुप्ता, आदि उपस्थित रहे।

उजाला संचार - मुद्रक, प्रकाश, प्रधान संपादक **महेंद्र कुमार सोनकर** द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269
समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए समस्त वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।